माणिक पहाड़

रंगमोहल दक्षीण दिशा की शोभा - माणिक पहाड़

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

- ✓ बट पीपल की चौकी
- ✓ कुंज निकुंज वन
- ✓ हौज कोसर
- ✓ चौबीस हांस के महल
- ✓ माणिक पहाड़

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

परमधाम विहार
सुखपाल, तख्तरवा से माणिक पहाड़

शुक्ल पक्ष (सुद)	
एकदासी	मानेक पहाड़

अर्स हौज दोऊ बीच में, मोहोल मानिक पुखराज ।
जेता नजीक हौज के, तासों मोहोल मानिक रहे बिराज ।।१७।।

ए चारों हुए दोरी बन्ध, सामी अछर नूर सोभित ।
ए हक हुकम बोलावत, इत और न पोहोंचे सिफत ।।१८।।

साथजी देखो मोहोल मानिक, जो कहे द्वार बारे हजार ।
सोभा सुन्दरता इनकी, ए न आवे बीच सुमार ।।१।।

- मणिक पहाड़ की शोभा - भोम भर चबूतरा , 12000 भोम
  - 12000 हांस , 400 कोस का हांस
  - बड़े दरवाजे & चबूतरा (100 कोस)
  - गोल गुर्ज – 12000
  - छोटे दरवाजे – 11996 , चोरस गुर्ज - 23992
  - **हवेली – 12000 , 400 कोस उची**
    - **महल – 12000 , 300 कोस उचा**
      - **मंदिर – 12000 , 200 कोस उचा**
        - **कोठारी – 12000 , 100 कोस उचा**
  - **बगीचे & रोंस**
  - **माणिक महल – 12000 (भोम भर चबूतरा)**
    - **गुर्ज – 12000**
  - **चबूतरा - भोम भर उचो**
    - **हिण्डोले – 12000**
    - **बगीचा – 12000**
    - **स्तूल & फ़ुवारा – 12000**
- माणिक पहाड़ की चादनी की शोभा
  - चबूतरों - भोम भर चबूतरा
  - ताल -
  - देहलान - भोम भर चबूतरा पर
  - नहेरे - 12000
  - कुन्द - 12000
  - बगीचा – 12000
  - हिण्डोले
  - टापू महल – 20 भोम , भोम भर चबूतरा पर
    - चेहबचा , बगीचा, बेठक
- **माणिक पहाड़ की बहार की शोभा**
  - ताल
  - महल
  - हिण्डोले
  - नहेर
  - महानदी
- **माणिक पहाड़ की हद की शोभा** - बड़ों वन ,मधुवन , महावन

माणिक पहाड़ का खड़ा दृश्य – बहार की शोभा

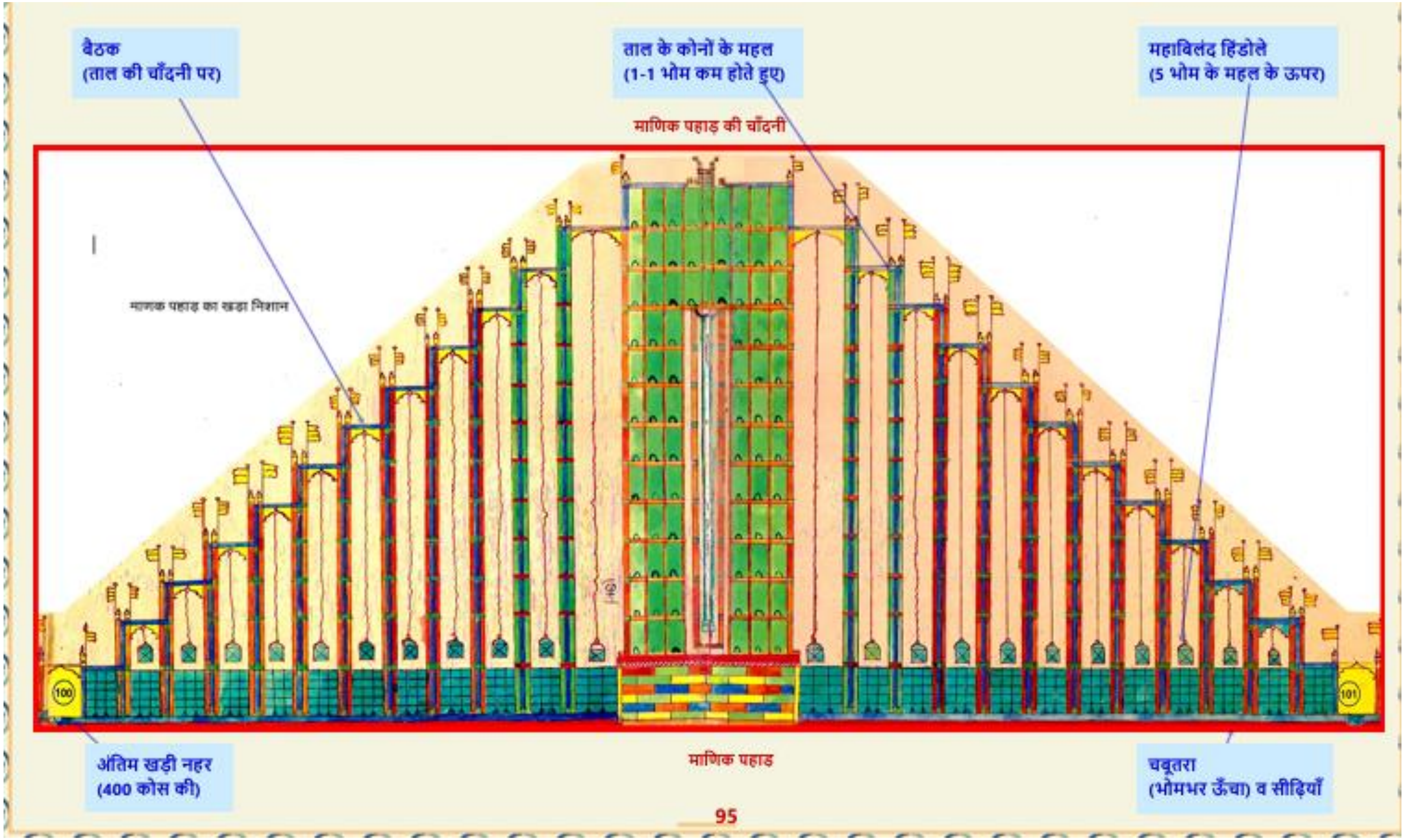

माणिक पहाड़ का खड़ा दृश्य – बहार की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

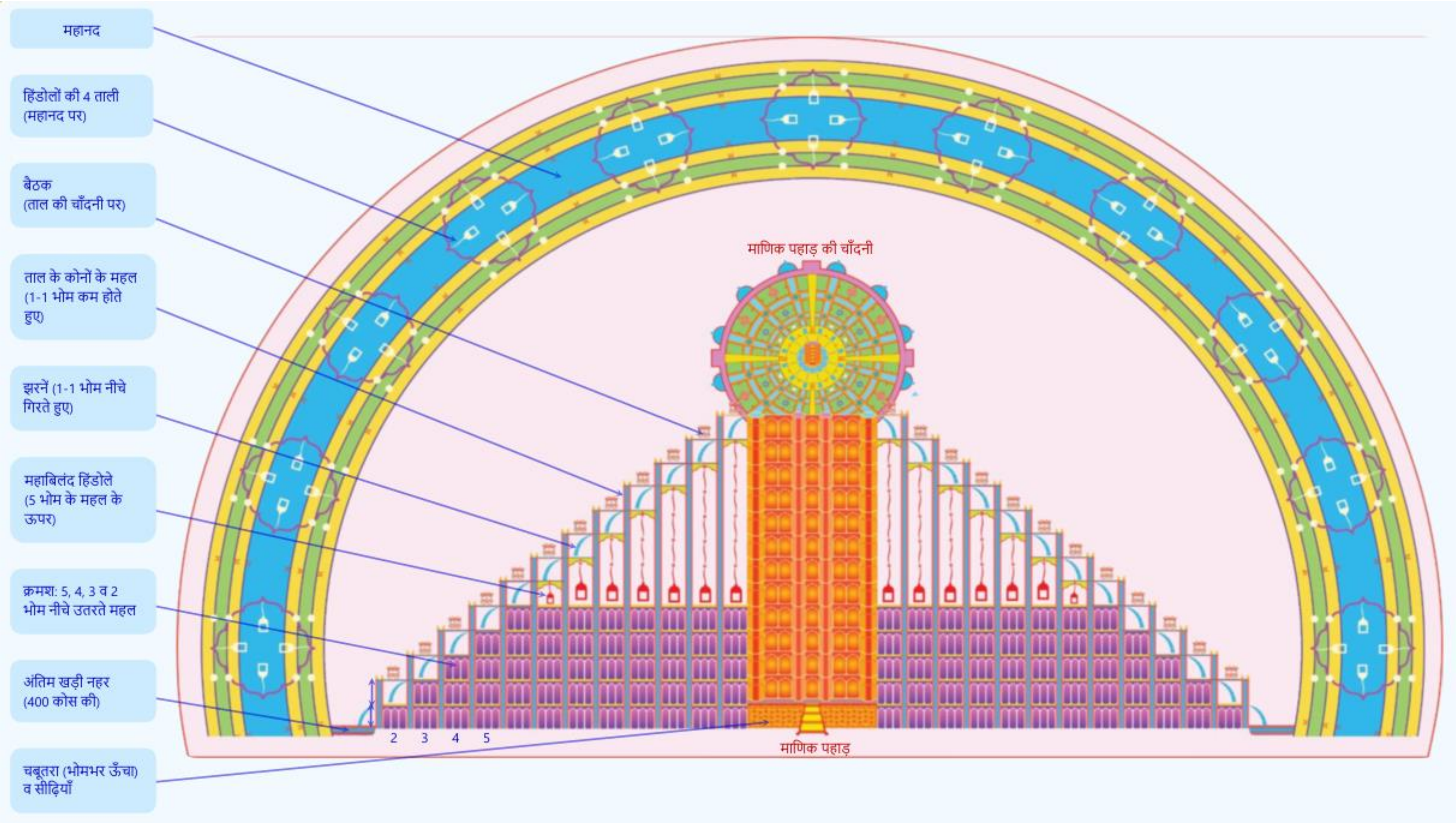

माणिक पहाड़ का खड़ा दृश्य – बहार की शोभा

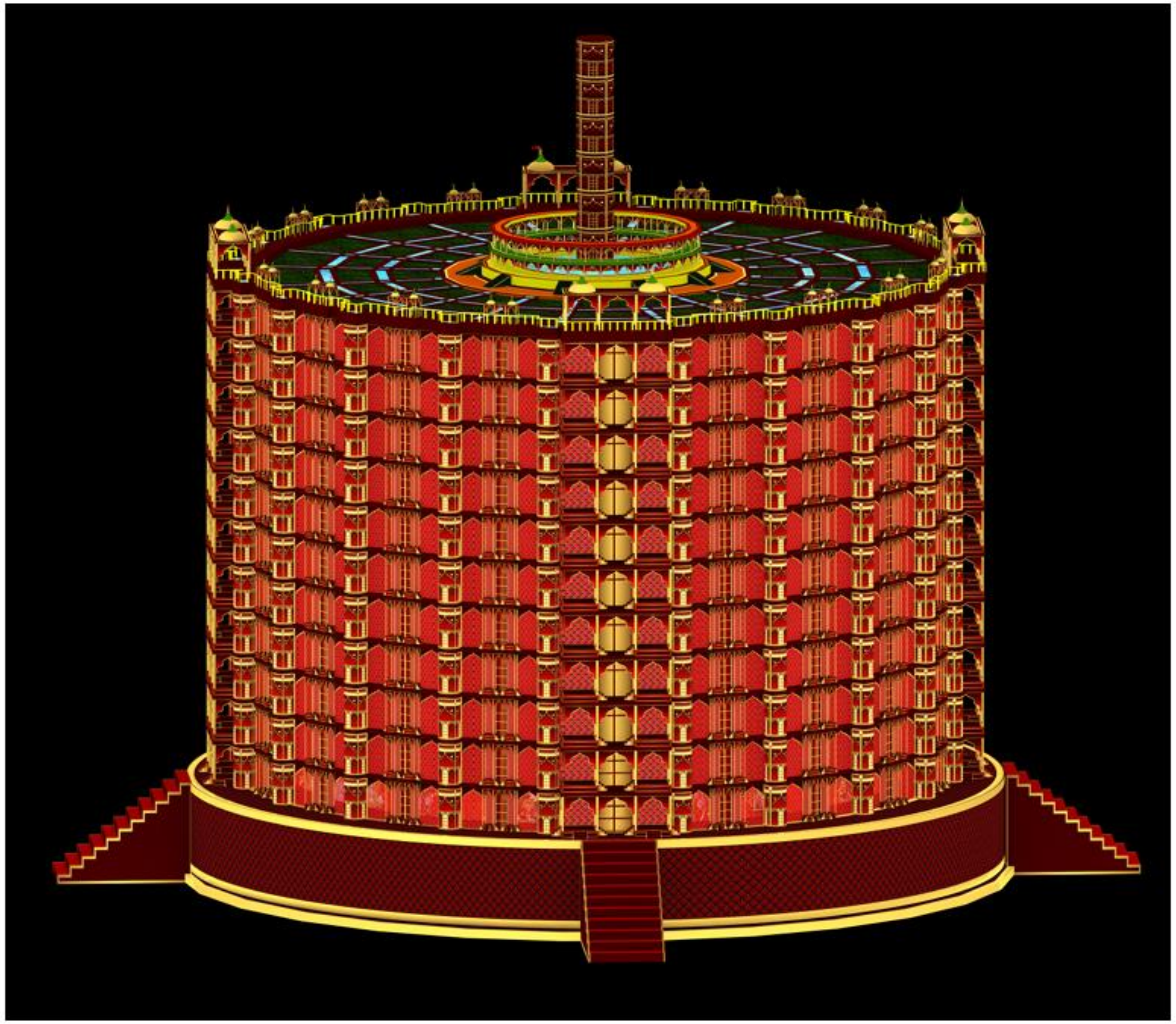

मानिक मोहोल रतन मय, झलकत जोत आकास।
नूर पूरन पूर भरया, रूह खोल देख नैन प्रकास ।।५।।

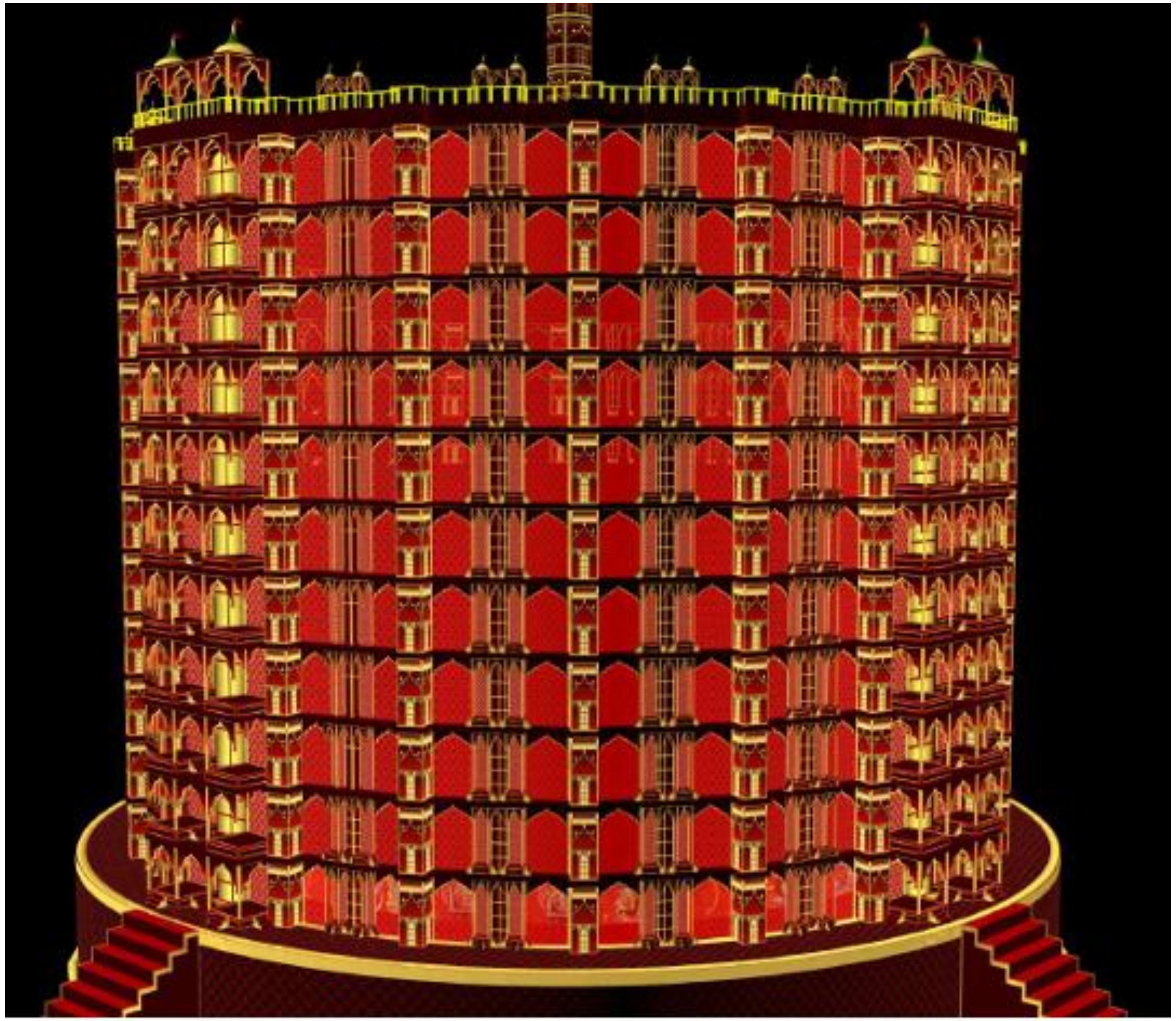

एक देख्या मोहोल मानिक का, ताए बड़े द्वार बारे हजार।
हिसाब न छोटे द्वारों का, सोभा सिफत न आवे पार ।।२।।

माणिक पहाड़ – दिशा के बड़े दरवाजे की शोभा

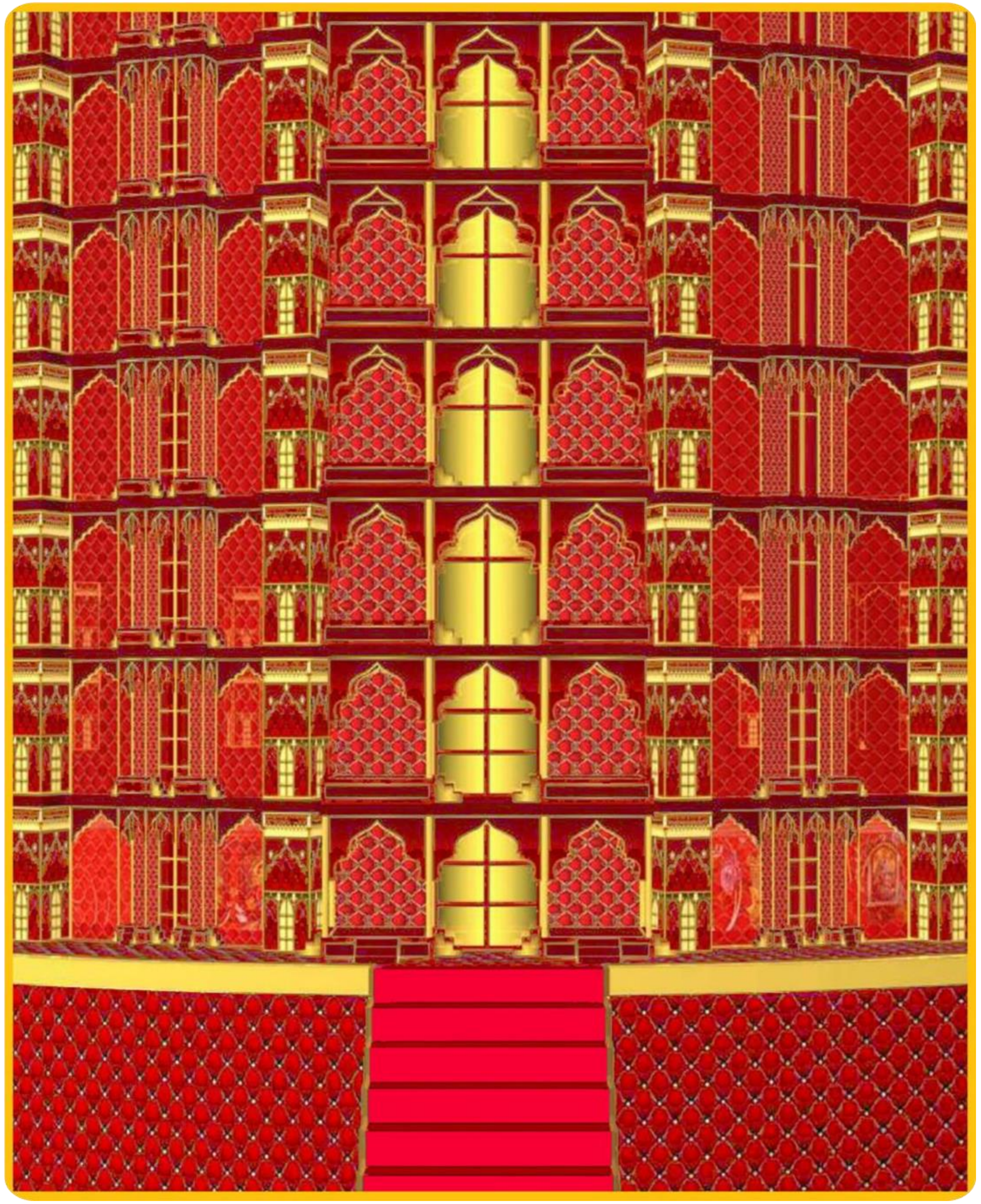

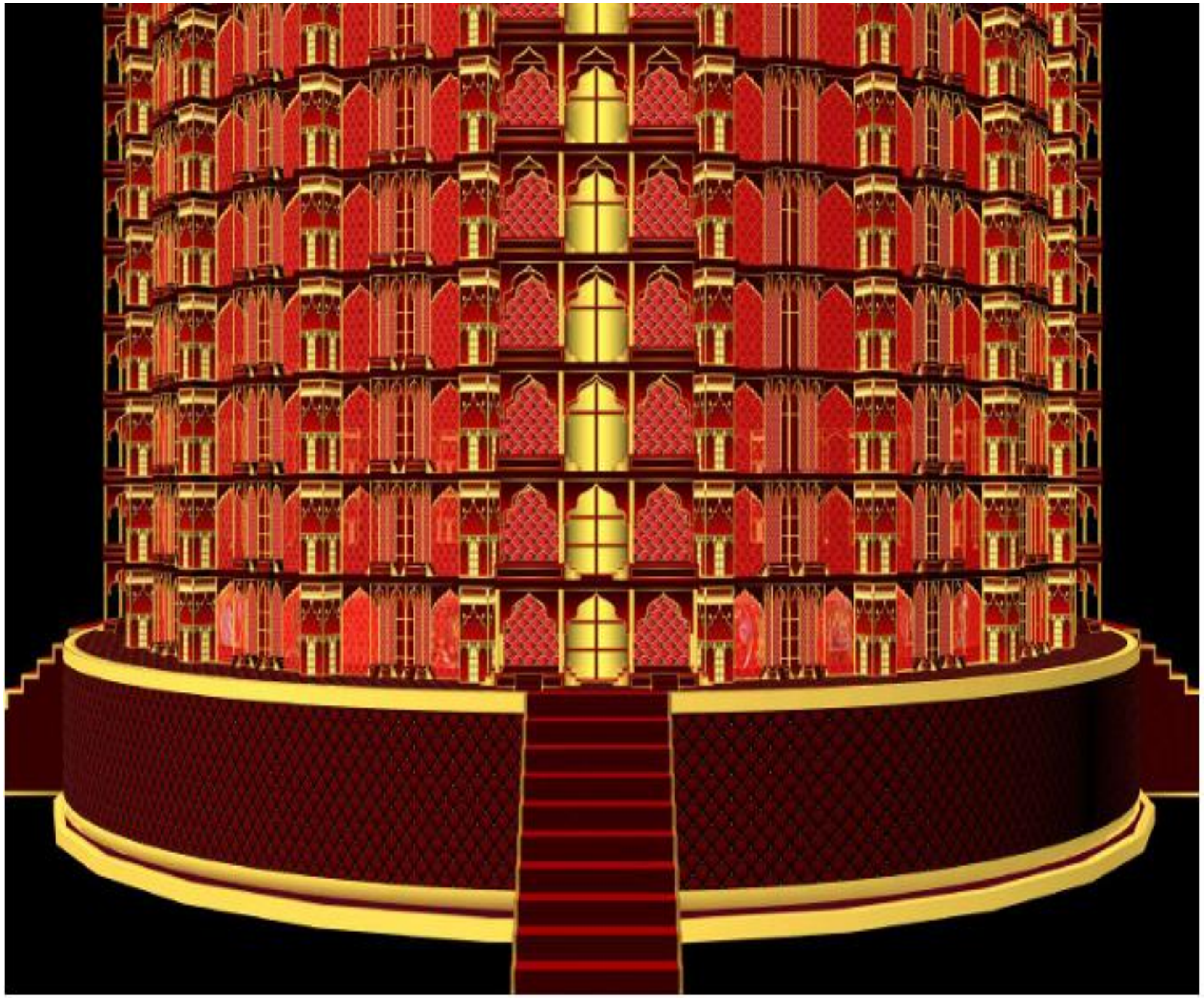

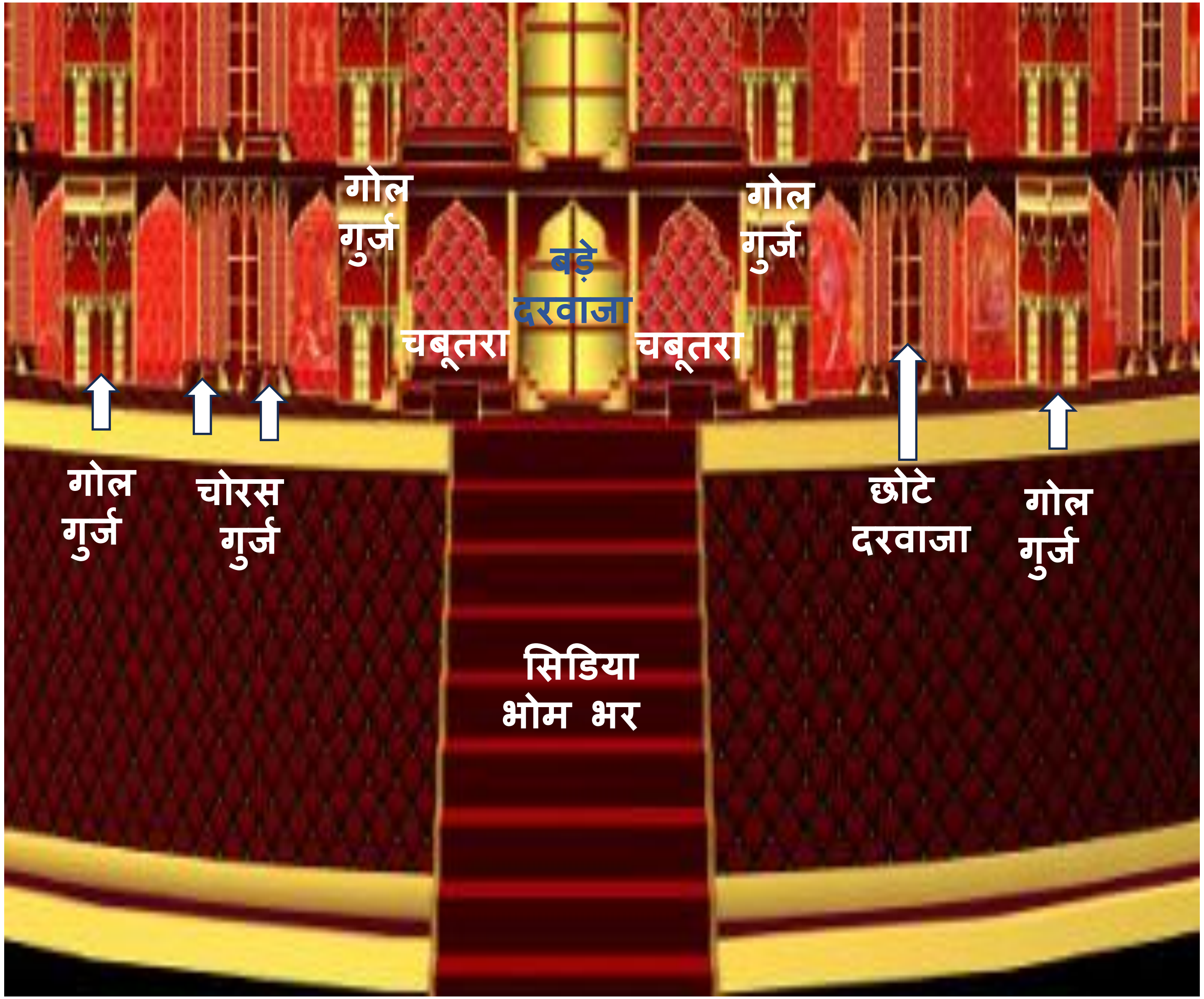

साथजी देखो मोहोल मानिक, जो कहे द्वार बारे हजार ।
सोभा सुन्दरता इनकी, ए न आवे बीच सुमार ।।१।।
एक देख्या मोहोल मानिक का, ताए बड़े द्वार बारे हजार ।
हिसाब न छोटे द्वारों का, सोभा सिफत न आवे पार ।।२।।
ले जिमी से ऊपर मोहोल मानिक, कम ज्यादा कहूं नाहें ।
सरभर सोभा सब इमारतें, जल बन हिंडोले मोहोलों माहें ।।३।।

माणिक पहाड़ – दिशा के बड़े दरवाजे की शोभ

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

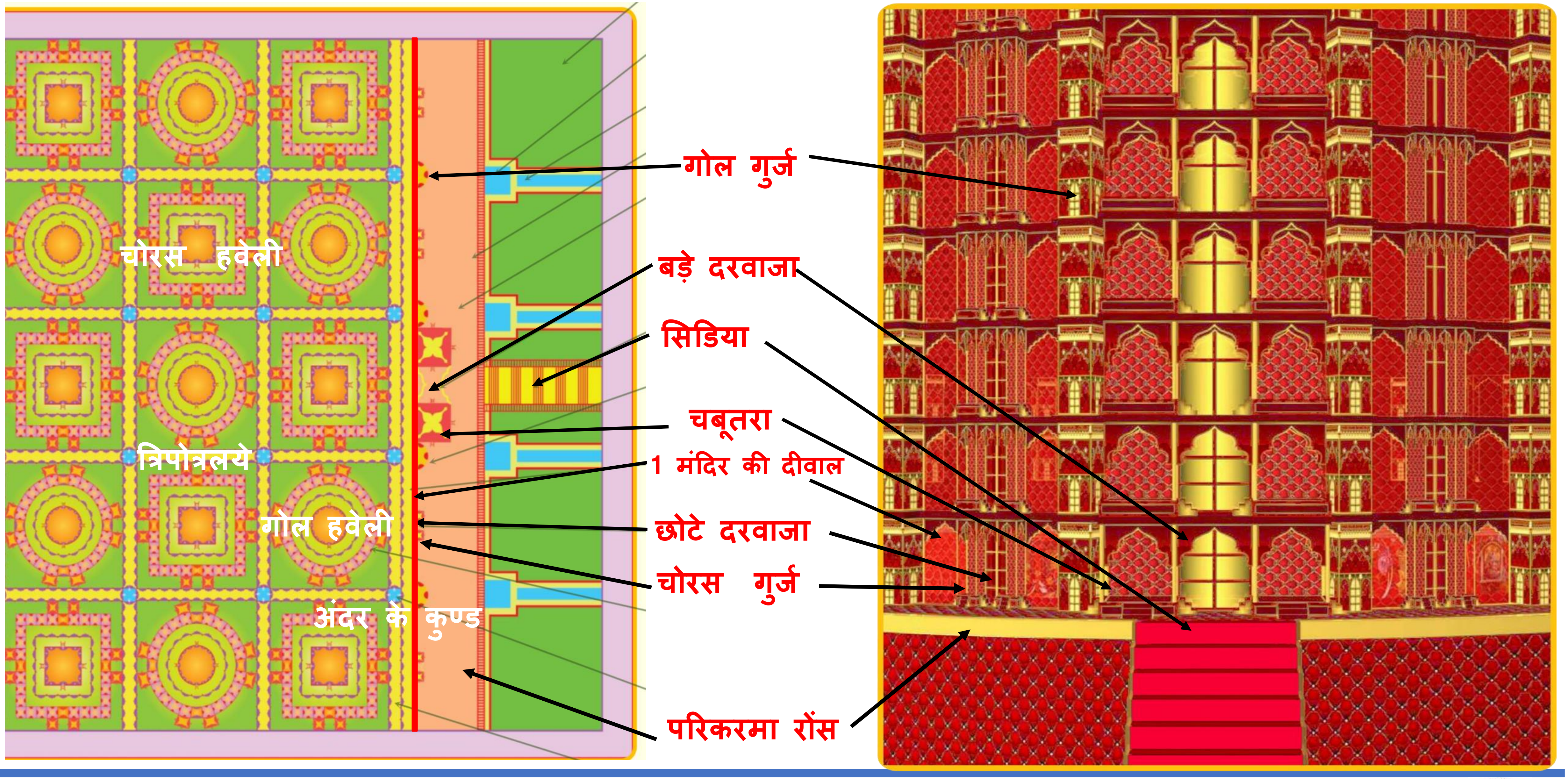

माणिक पहाड़ की अंदर की शोभा

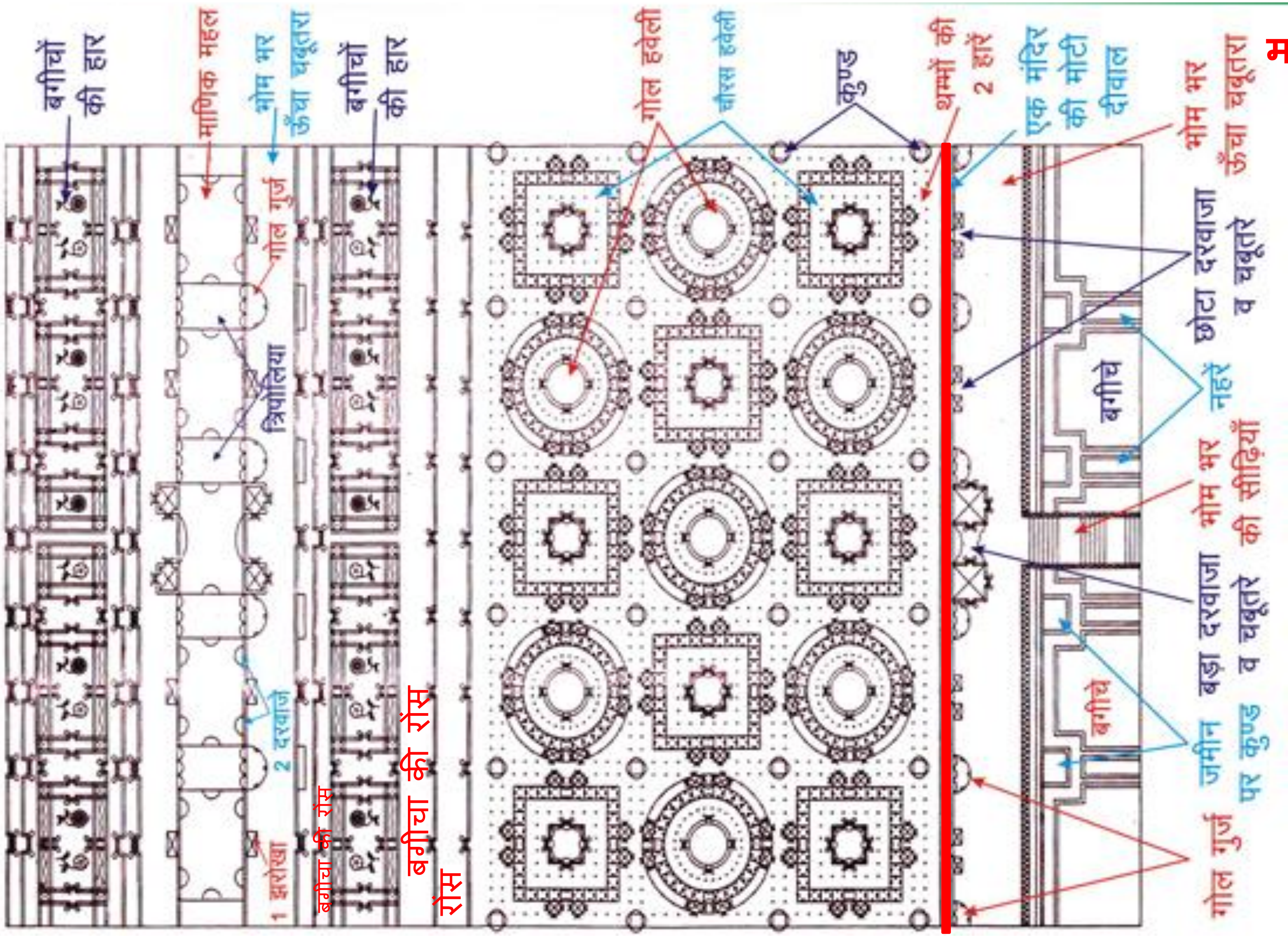

मणिक पहाड़ के बाहरी एवं अंदर (हवेलियों) की शोभा

- बड़े दरवाजे & चबूतरा (100 कोस)
- गोल गुर्ज – 12000
- छोटे दरवाजे – 11996
- चोरस गुर्ज - 23992
- हवेली – 12000 , 400 कोस ऊँची
  - **महल** – 12000 , 300 कोस ऊँचा
    - **मंदिर** – 12000 , 200 कोस ऊँचा
      - **कोठारी** – 12000 , 100 कोस उचा
- त्रिपोत्रलये – ठंभो की हारें
- कुण्ड
- रोंस – 2, 50 कोस
- बगीचा की रोंस – 2, 50 कोस
- बग़ीचा – 200 कोस
  - नहरें
- माणिक महल
- बग़ीचा

माणिक पहाड़ की अंदर की शोभा

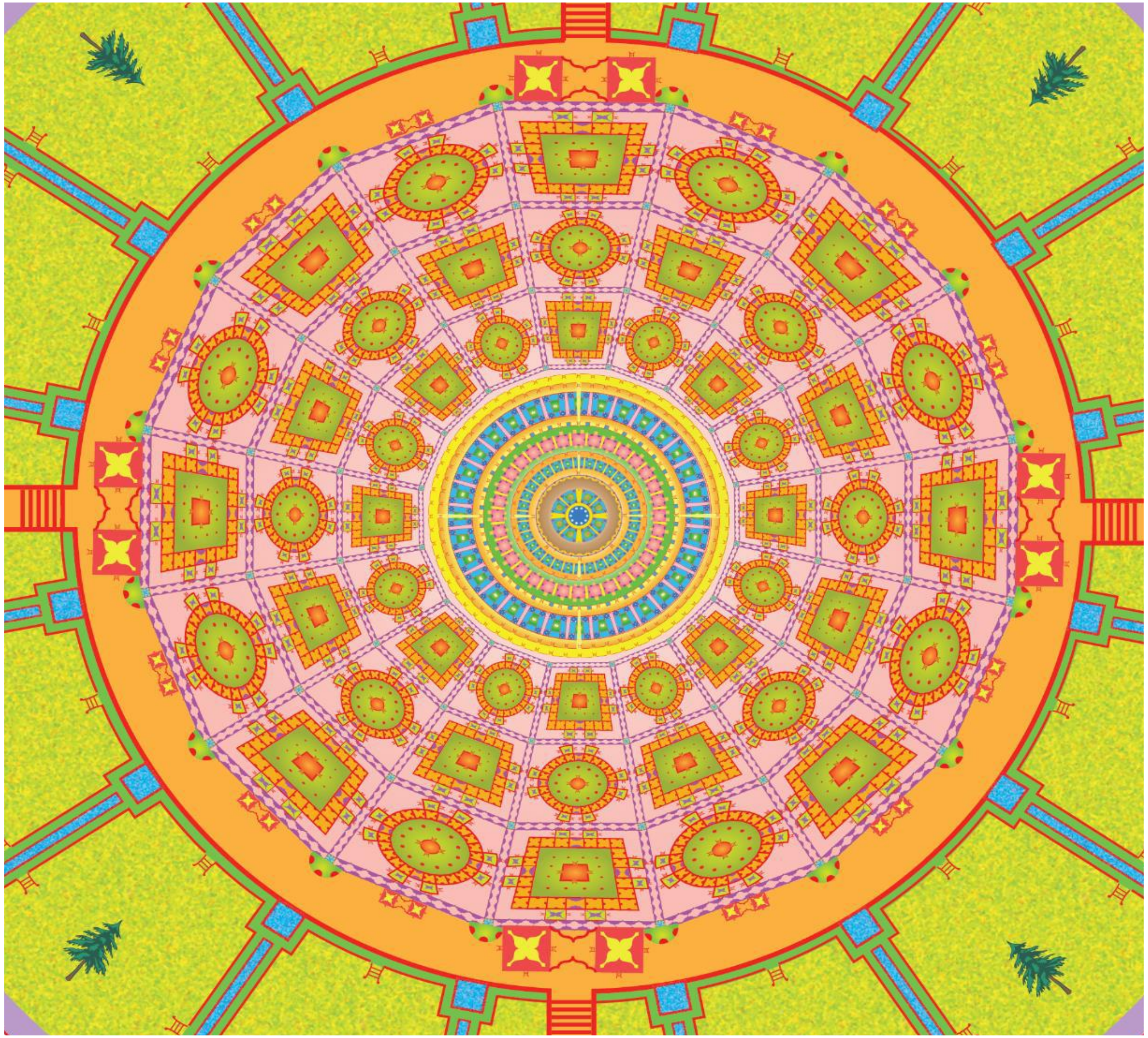

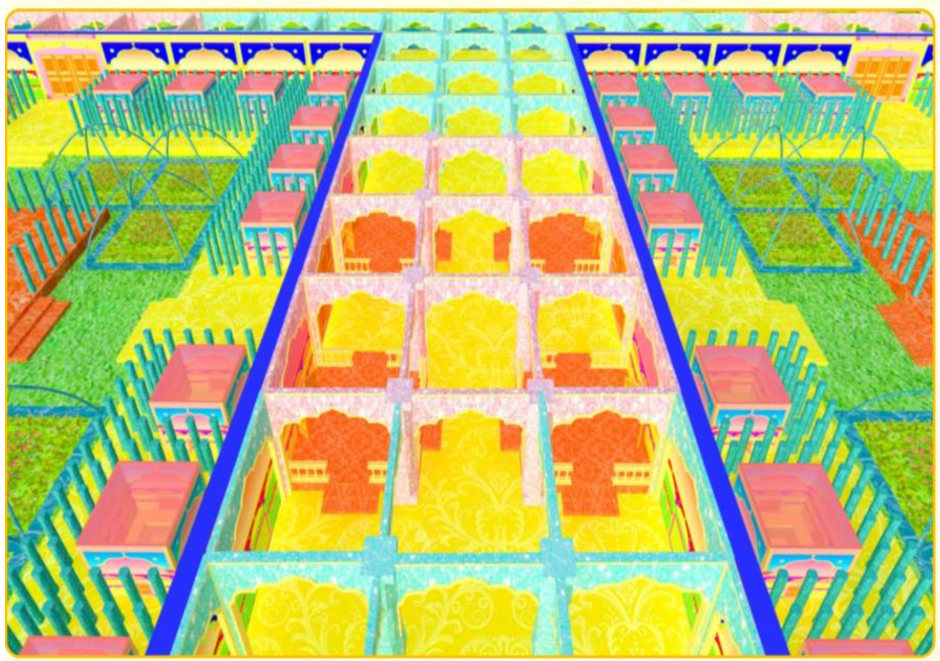

दो हवेली के मध्य आए त्रिपोत्रलये

माणिक पहाड़ की अंदर की शोभा

पेहेली फिरती दिवाल फेर देखिए, तिन बीच मोहोल अनेक।
जो जो खूबी देखिए, जानों एही नेक सों नेक ॥१५॥
एक हवेली चौरस, दूजा मोहोल गिरदवाए।
ए खूबी मोमिन देखसी, नजरों आवसी ताए ॥१६॥
मैं गिरद कही चौरस कही, पर कई हर भांत हवेली।
जाके आवें ना मोहोल सुमार में, तो क्यों जाए गिनी पौरी ॥२५॥

माणिक पहाड़ की अंदर की शोभा

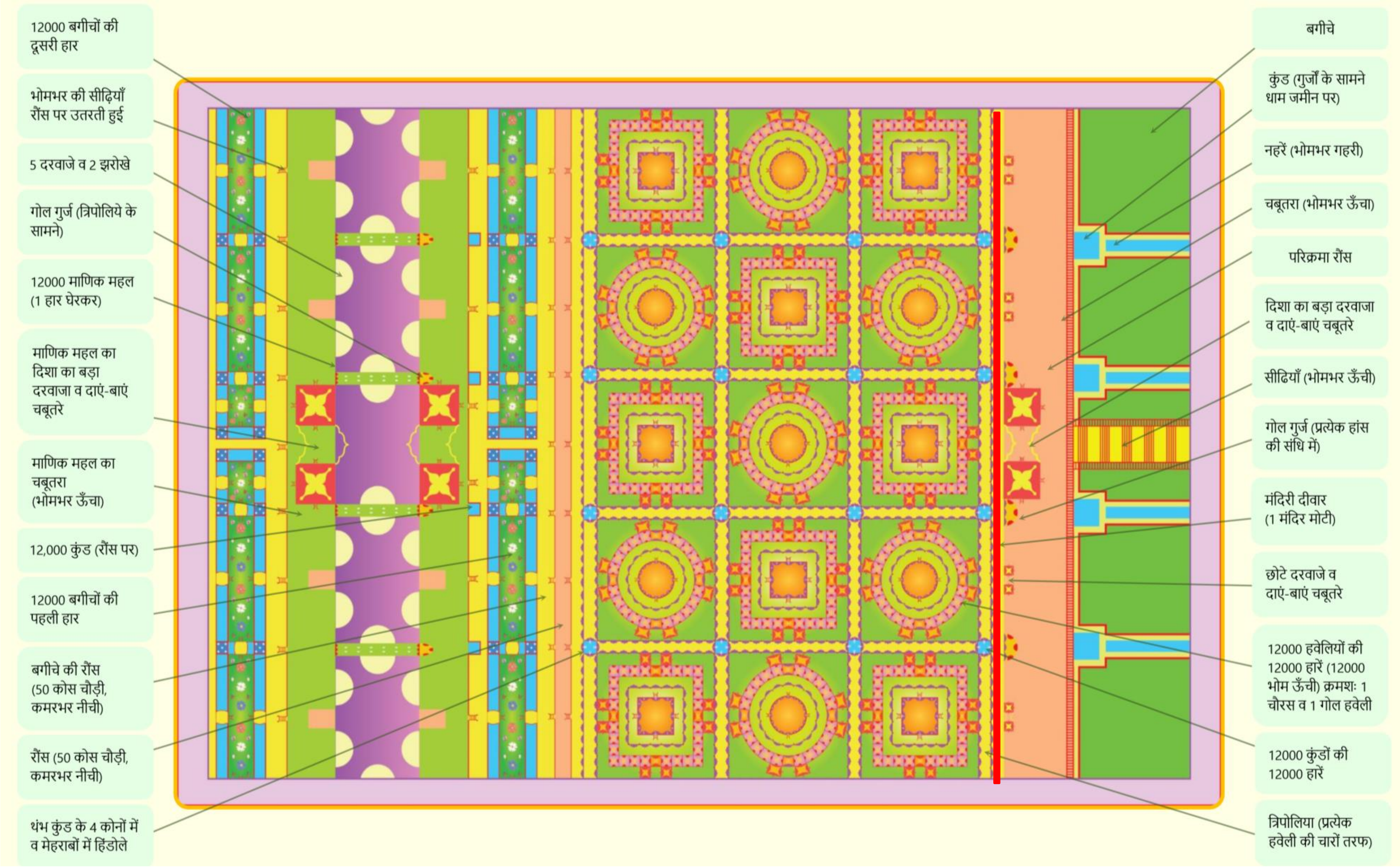

माणिक पहाड़ की अंदर की शोभा

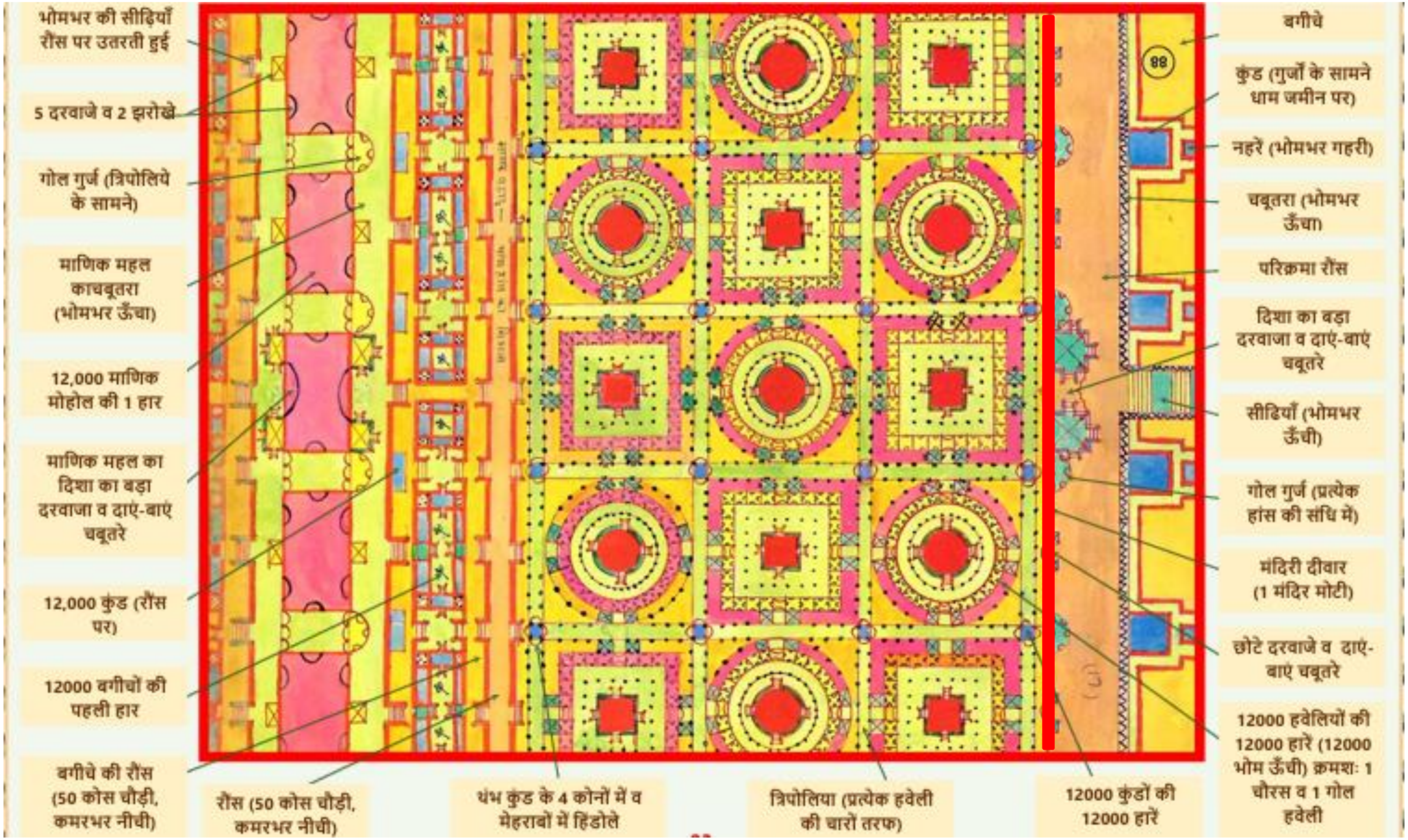

माणिक पहाड़ की अंदर की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

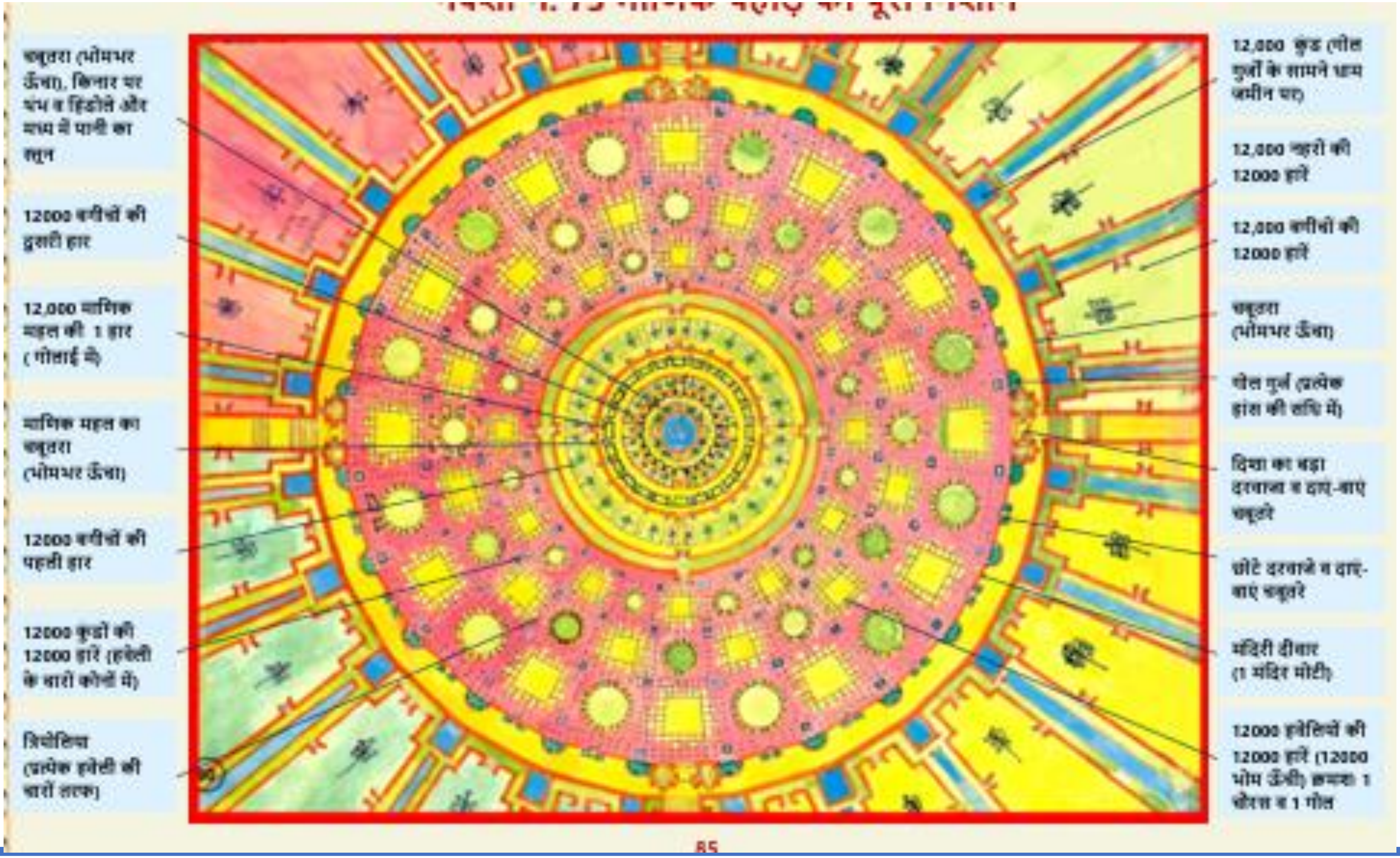

माणिक पहाड़ की अंदर की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

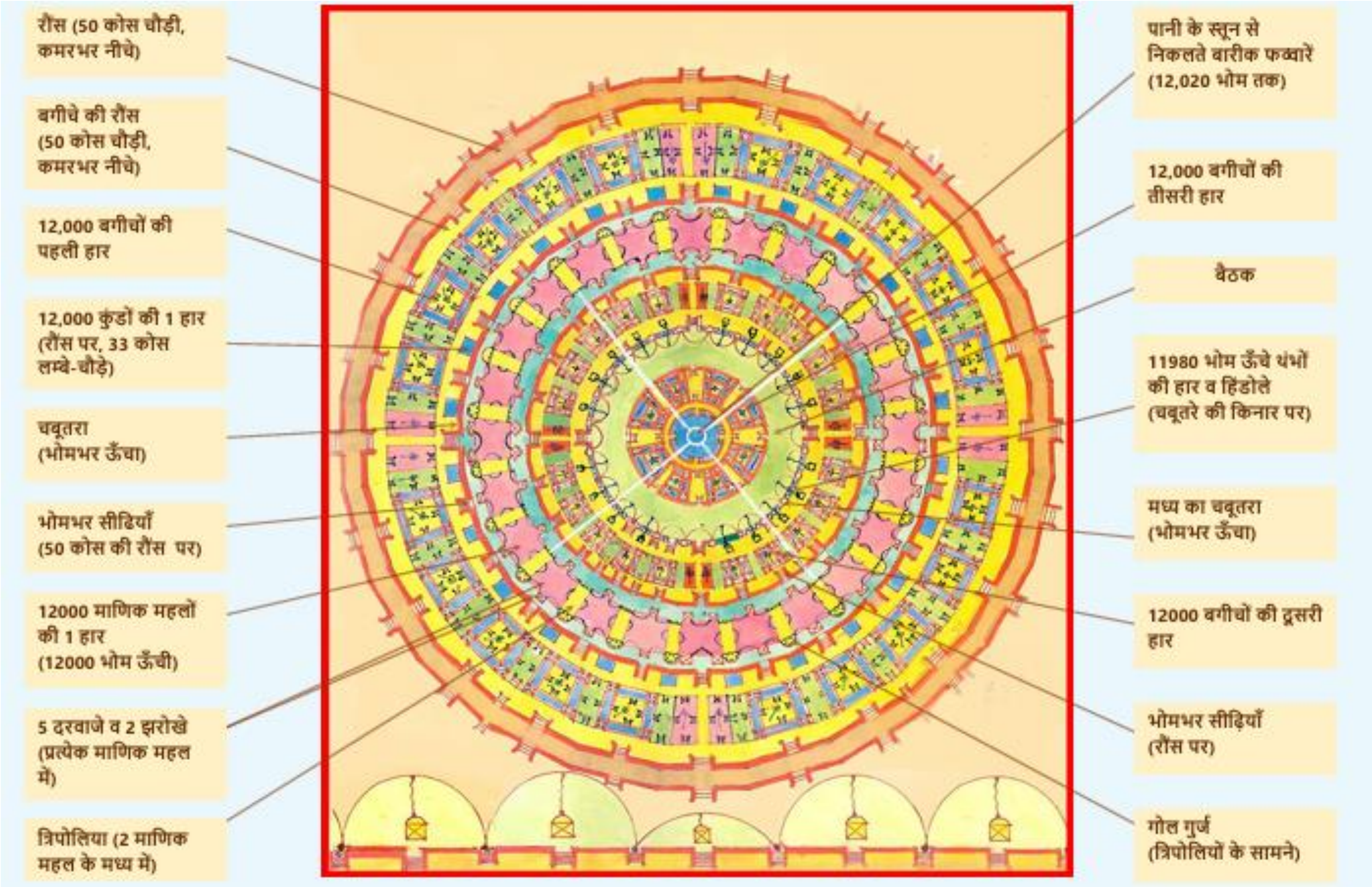

माणिक पहाड़ की अंदर की शोभा

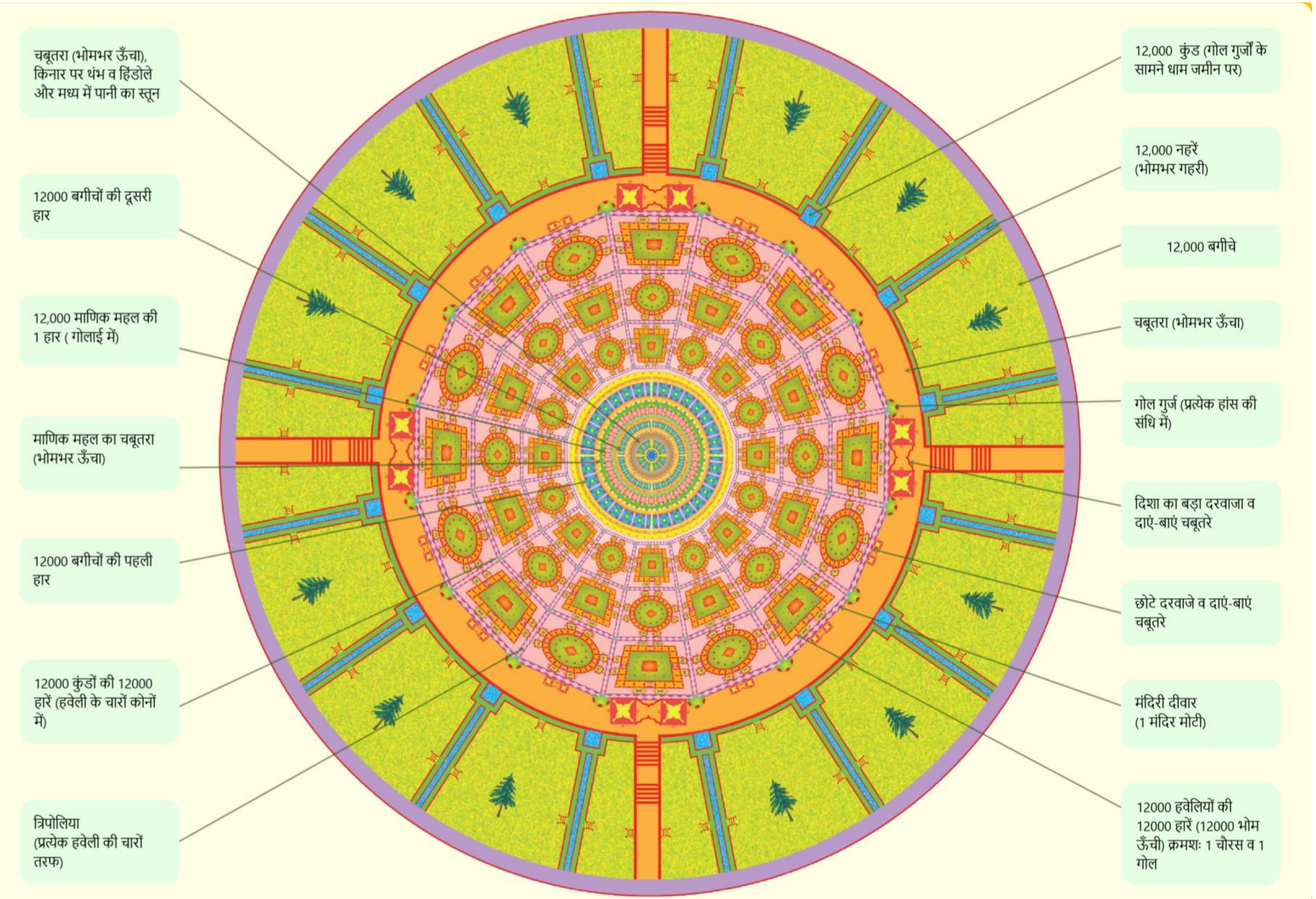

माणिक पहाड़ – हवेली , महल , मंदिर & कोठरी की शोभा

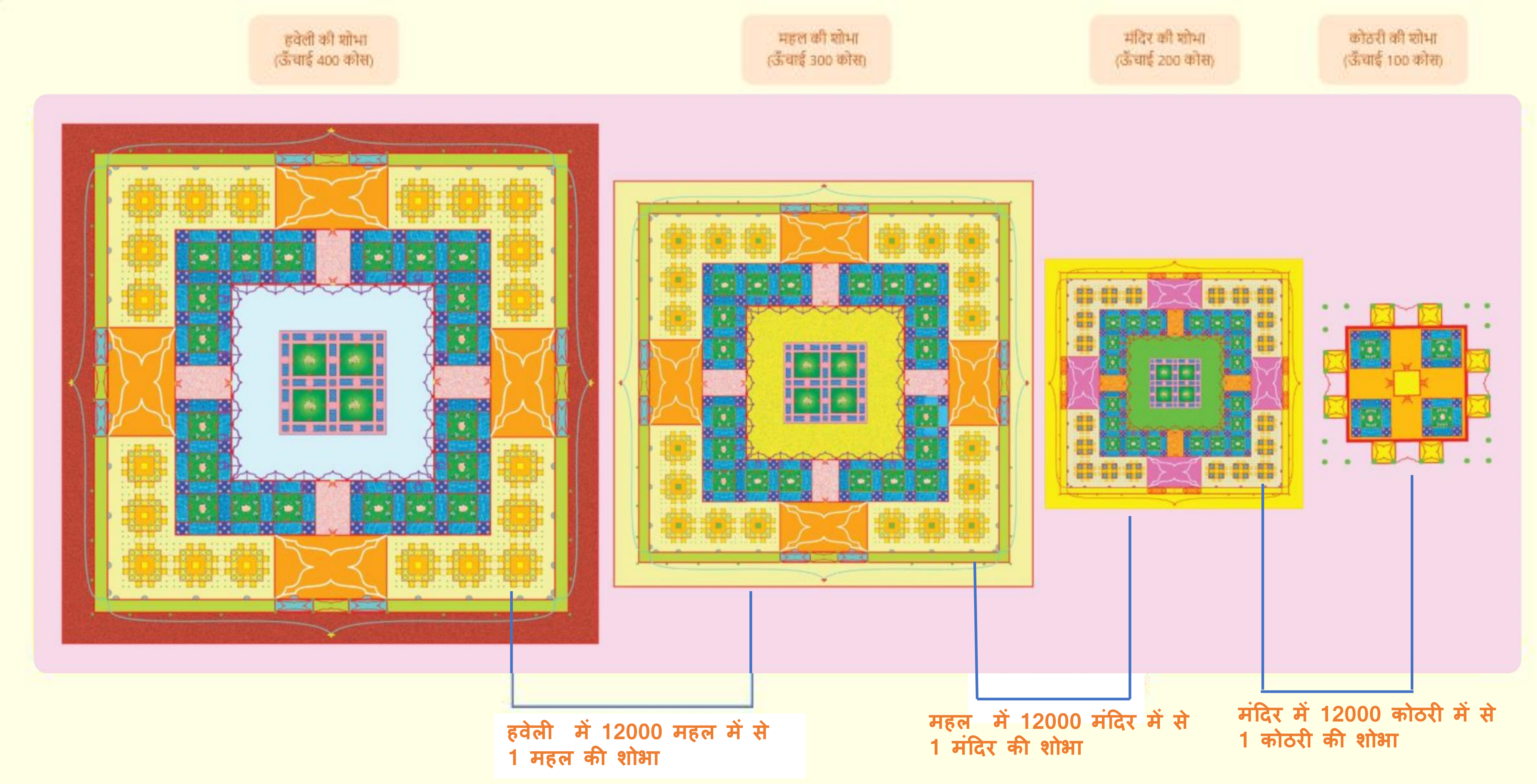

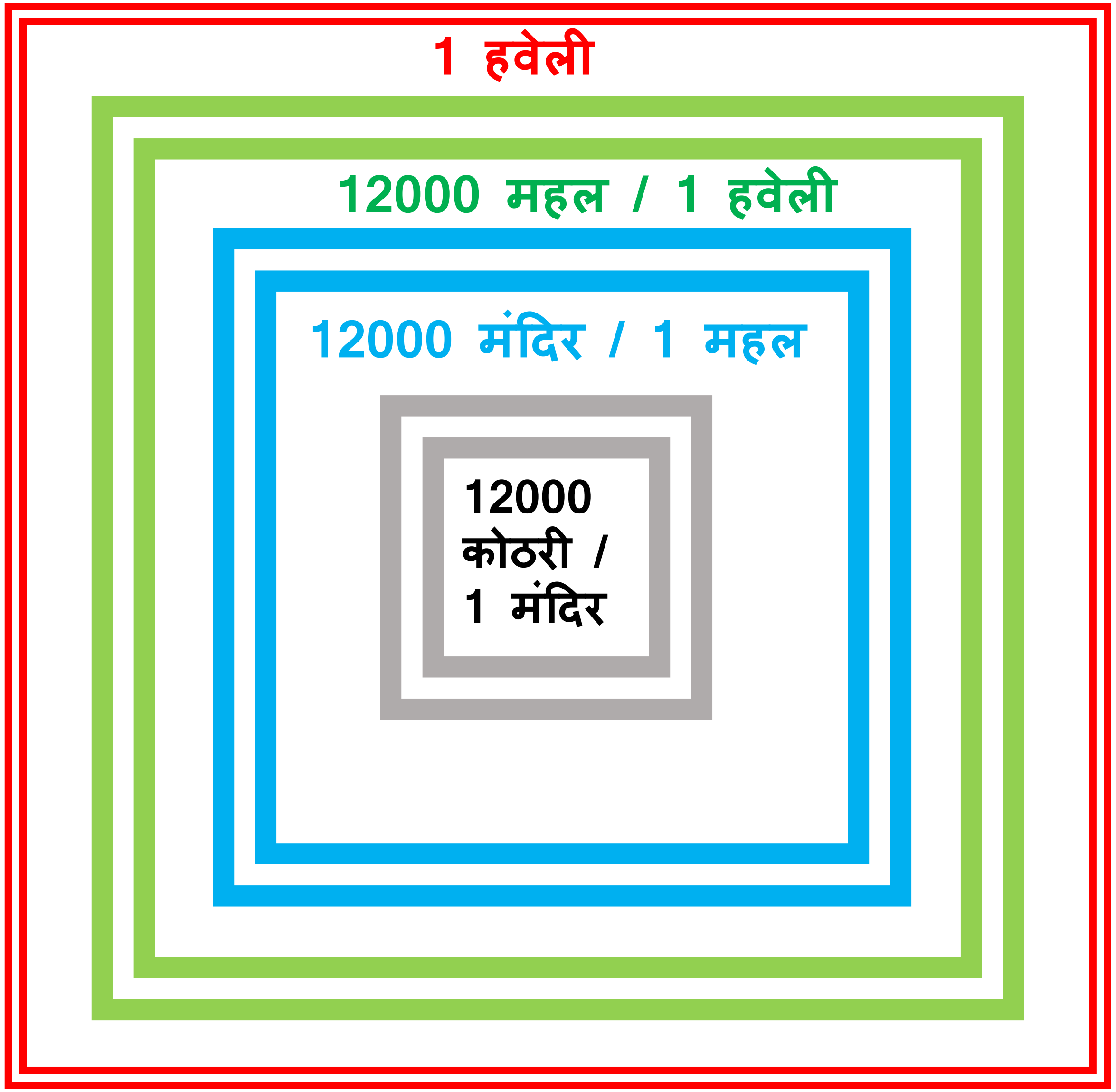
1 हवेली
12000 महल / 1 हवेली
12000 मंदिर / 1 महल
12000
कोठरी /
1 मंदिर

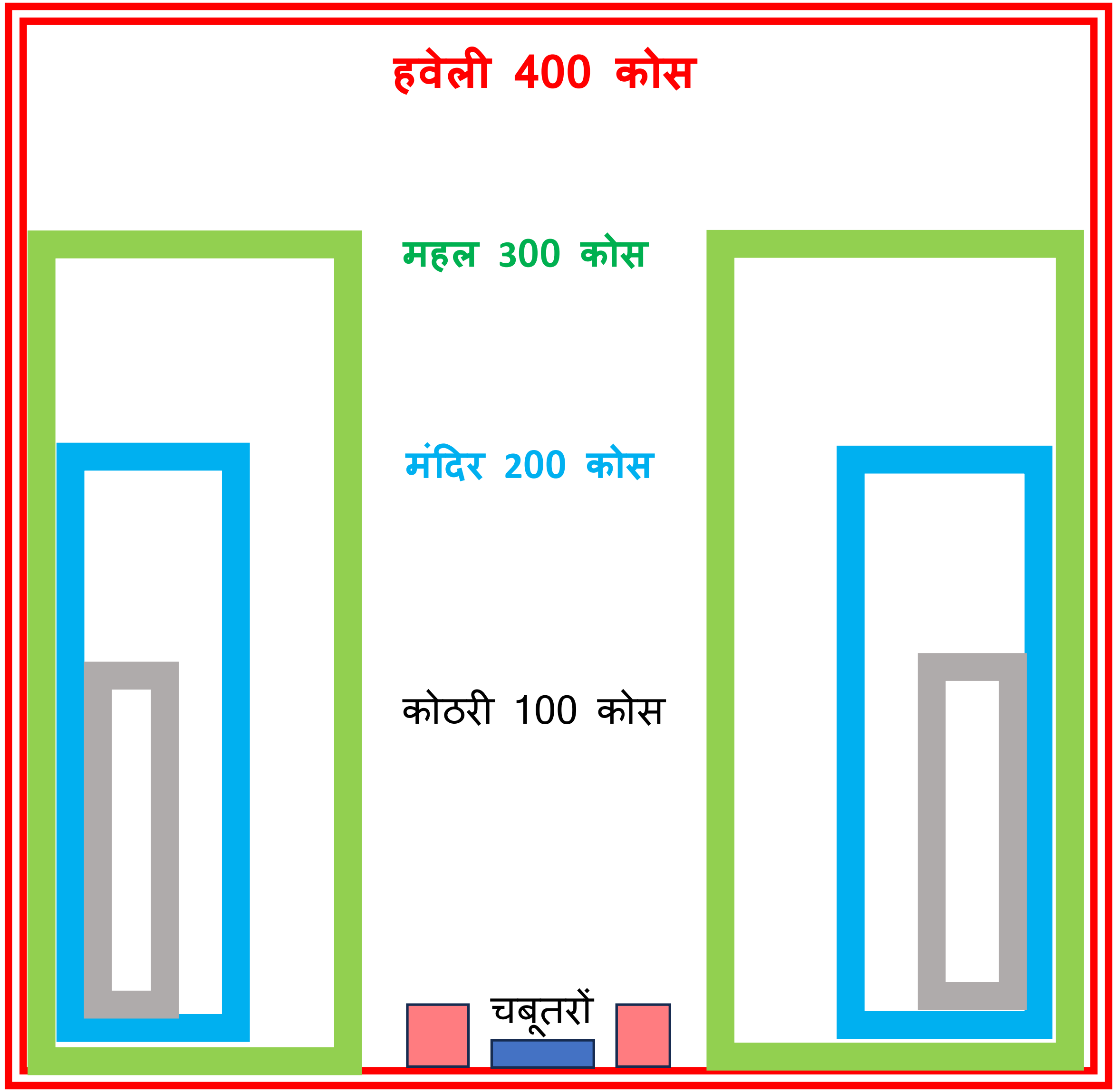
हवेली 400 कोस
महल 300 कोस
मंदिर 200 कोस
कोठरी 100 कोस
चबूतरों

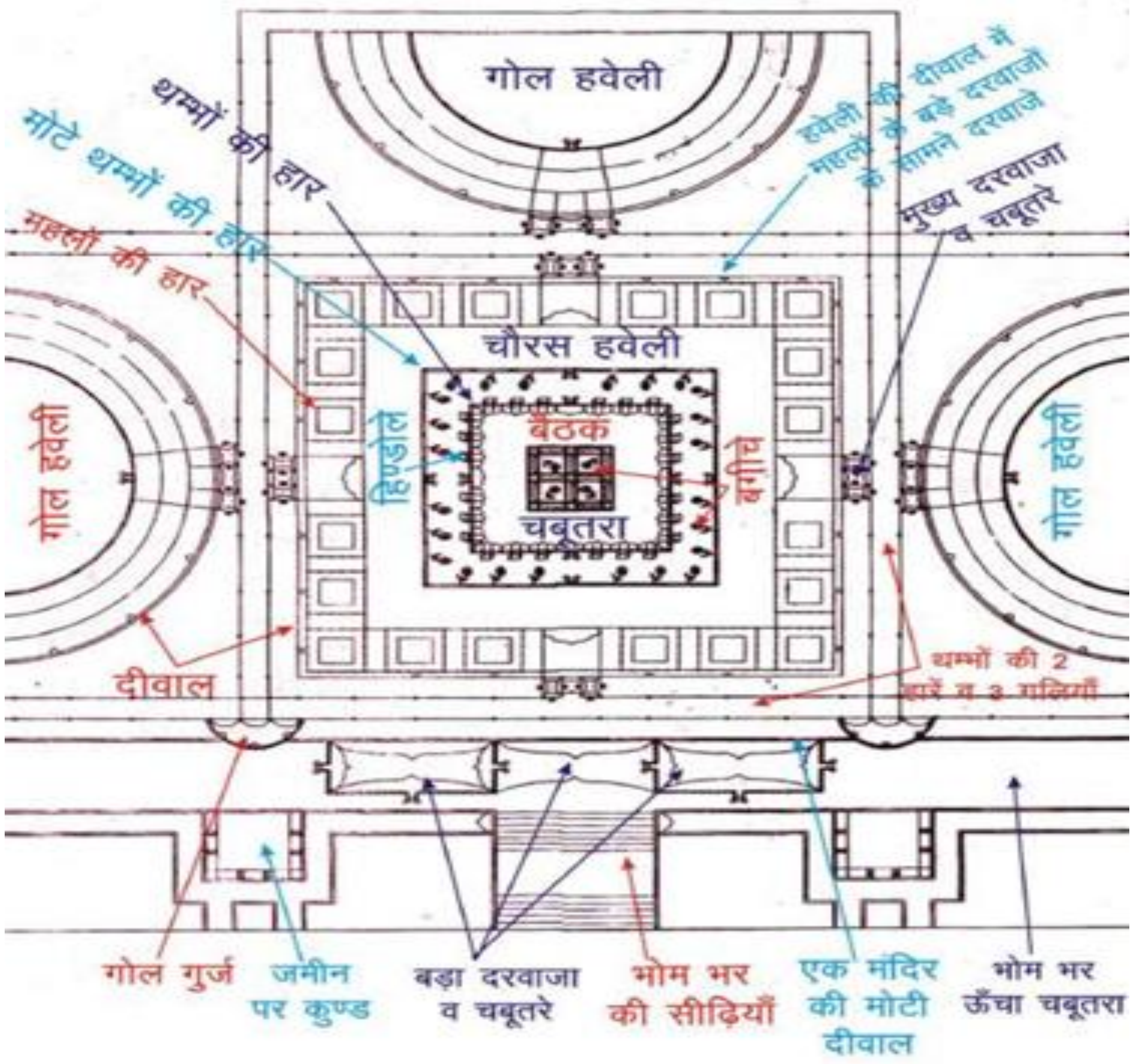

गोल हवेली
थम्भों की हार
मोटे थम्भों की हार
महलों की हार
हवेली की दीवाल में महलों के बड़े दरवाजों के सामने दरवाजे
मुख्य दरवाजा व चबूतरे
चौरस हवेली
हिंडोले
बैठक
बगीचे
चबूतरा
गोल हवेली
गोल हवेली
दीवाल
थम्भों की 2 हारें व 3 गलियाँ
गोल गुर्ज
जमीन पर कुण्ड
बड़ा दरवाजा व चबूतरे
भोम भर की सीढ़ियाँ
एक मंदिर की मोटी दीवाल
भोम भर ऊँचा चबूतरा

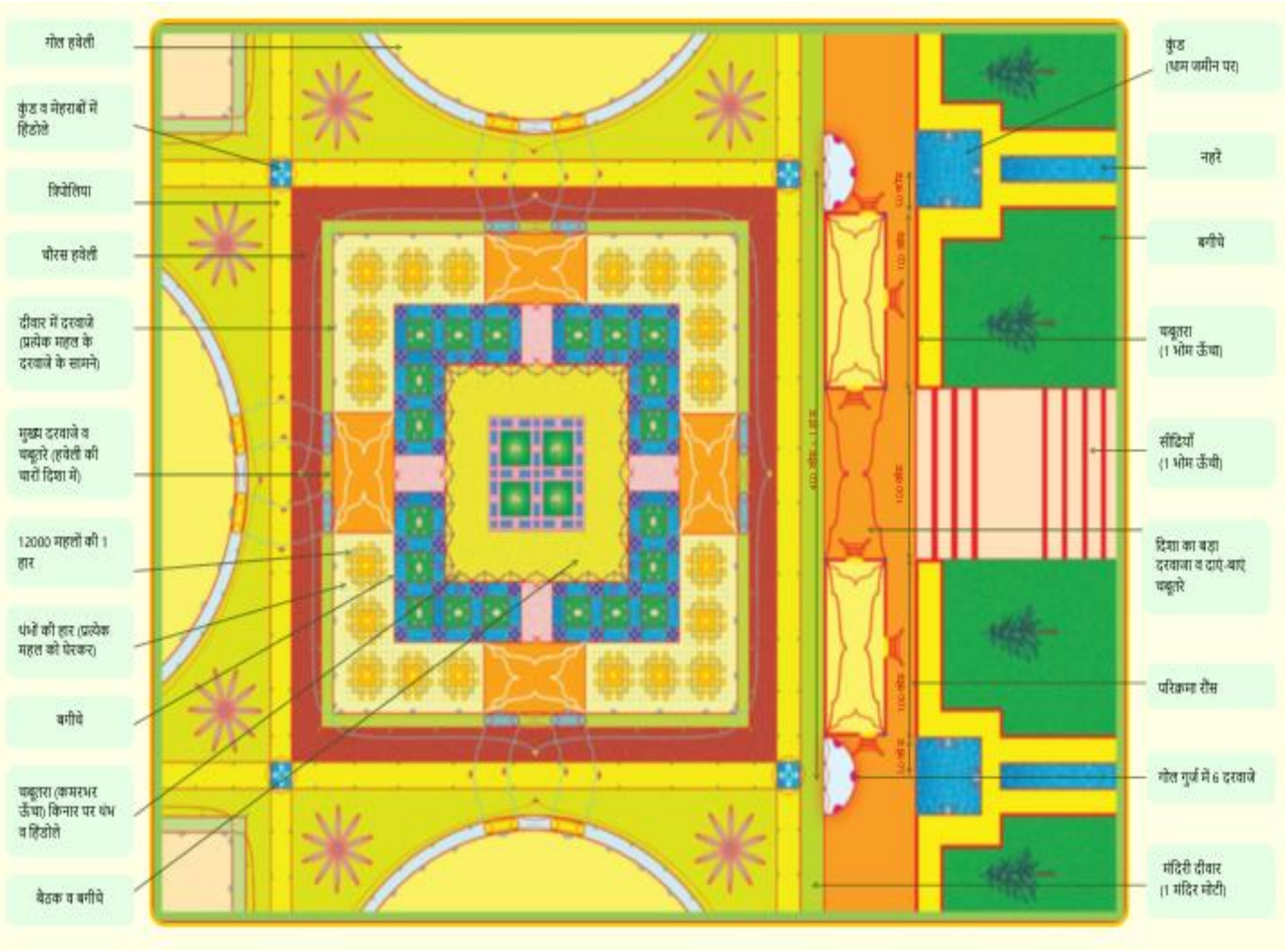

गोल हवेली
कुंड व नेहराबों में हिंडोले
त्रिपोलिया
चौरस हवेली
दीवार में दरवाजे (प्रत्येक महल के दरवाजे के सामने)
मुख्य दरवाजे व चबूतरे (हवेली की चारों दिशा में)
12000 महलों की 1 हार
थंभों की हार (प्रत्येक महल को घेरकर)
बगीचे
चबूतरा (कमरभर ऊँचा) किनार पर थंभ व हिंडोले
बैठक व बगीचे
कुंड (धाम जमीन पर)
नहरें
बगीचे
चबूतरा (1 भोम ऊँचा)
सीढ़ियाँ (1 भोम ऊँची)
दिशा का बड़ा दरवाजा व दाएं-बाएं चबूतरे
परिक्रमा रौंस
गोल गुर्ज में 6 दरवाजे
मंदिरी दीवार (1 मंदिर मोटी)

माणिक पहाड़ – एक हवेली में महलों की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

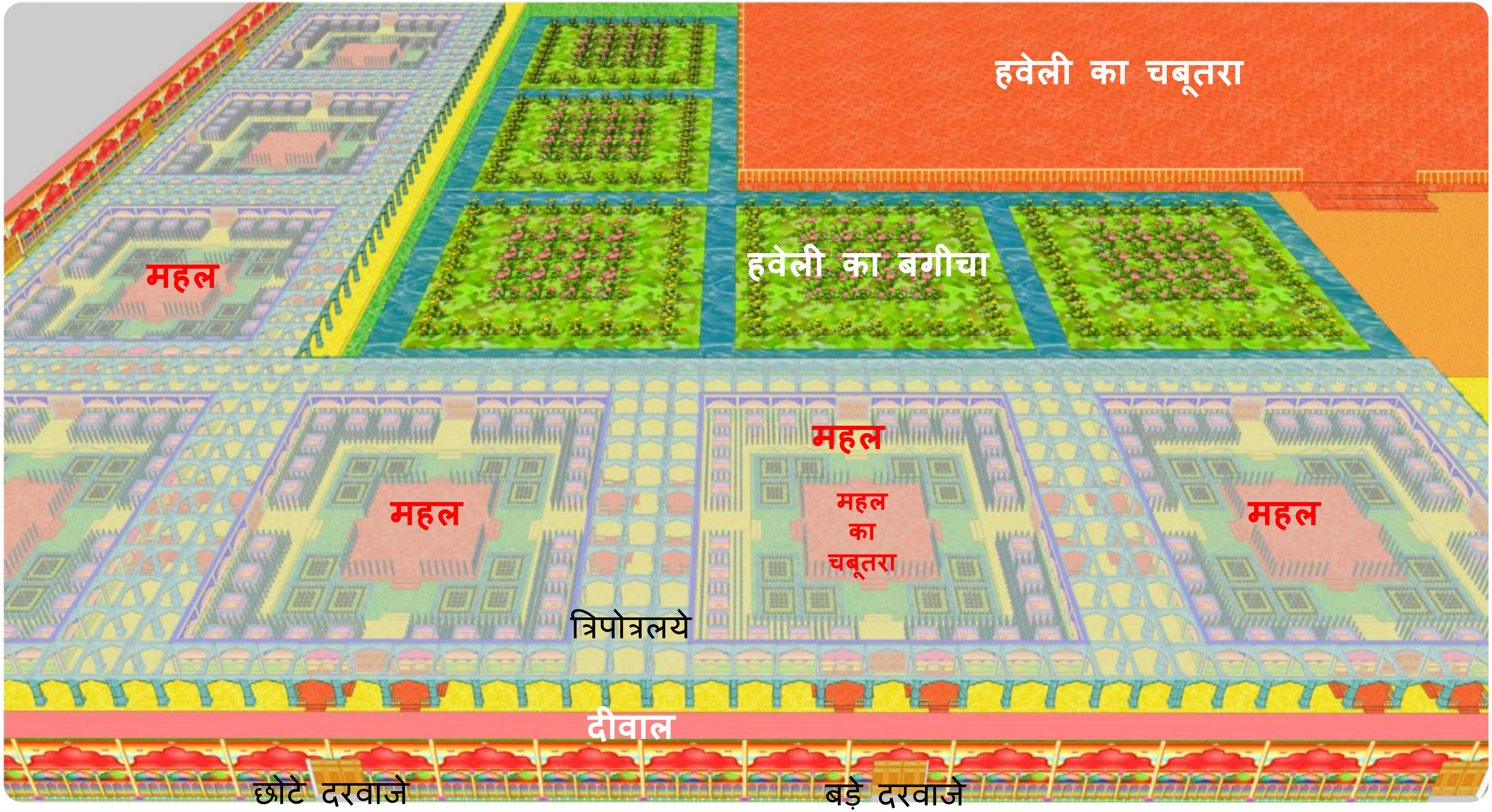

कहे बारे हजार मोहोल फिरते, कही हुकमें तिनकी बात ।
तिन हर मोहोलों बीच बीच में, बारे बारे हजार मोहोलात ॥२०॥

माणिक पहाड़ - गोल हवेली की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

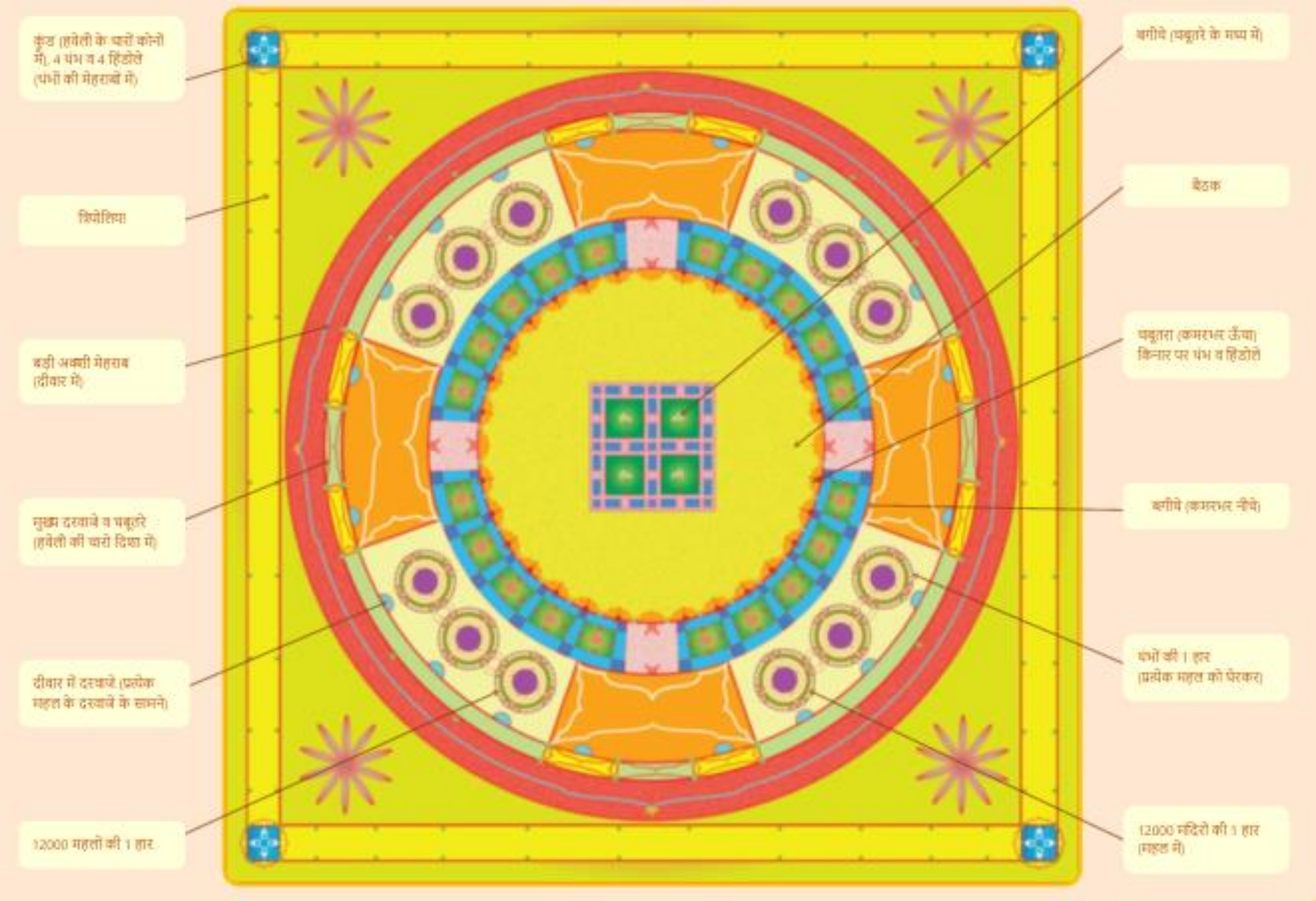
कुंड (हवेली के चारों कोनों में), 4 थंभ व 4 हिंडोले (थंभों की मेहराबों में)
त्रिपोलिया
बड़ी अच्छी मेहराब (दीवार में)
मुख्य दरवाजे व चबूतरे (हवेली की चारों दिशा में)
दीवार में दरवाजे (प्रत्येक महल के दरवाजे के सामने)
12000 महलों की 1 हार
बगीचे (चबूतरे के मध्य में)
बैठक
चबूतरा (कमरभर ऊँचा) किनार पर थंभ व हिंडोले
बगीचे (कमरभर नीचे)
थंभों की 1 हार (प्रत्येक महल को घेरकर)
12000 मंदिरों की 1 हार (महल में)

माणिक पहाड़ – मोहल की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

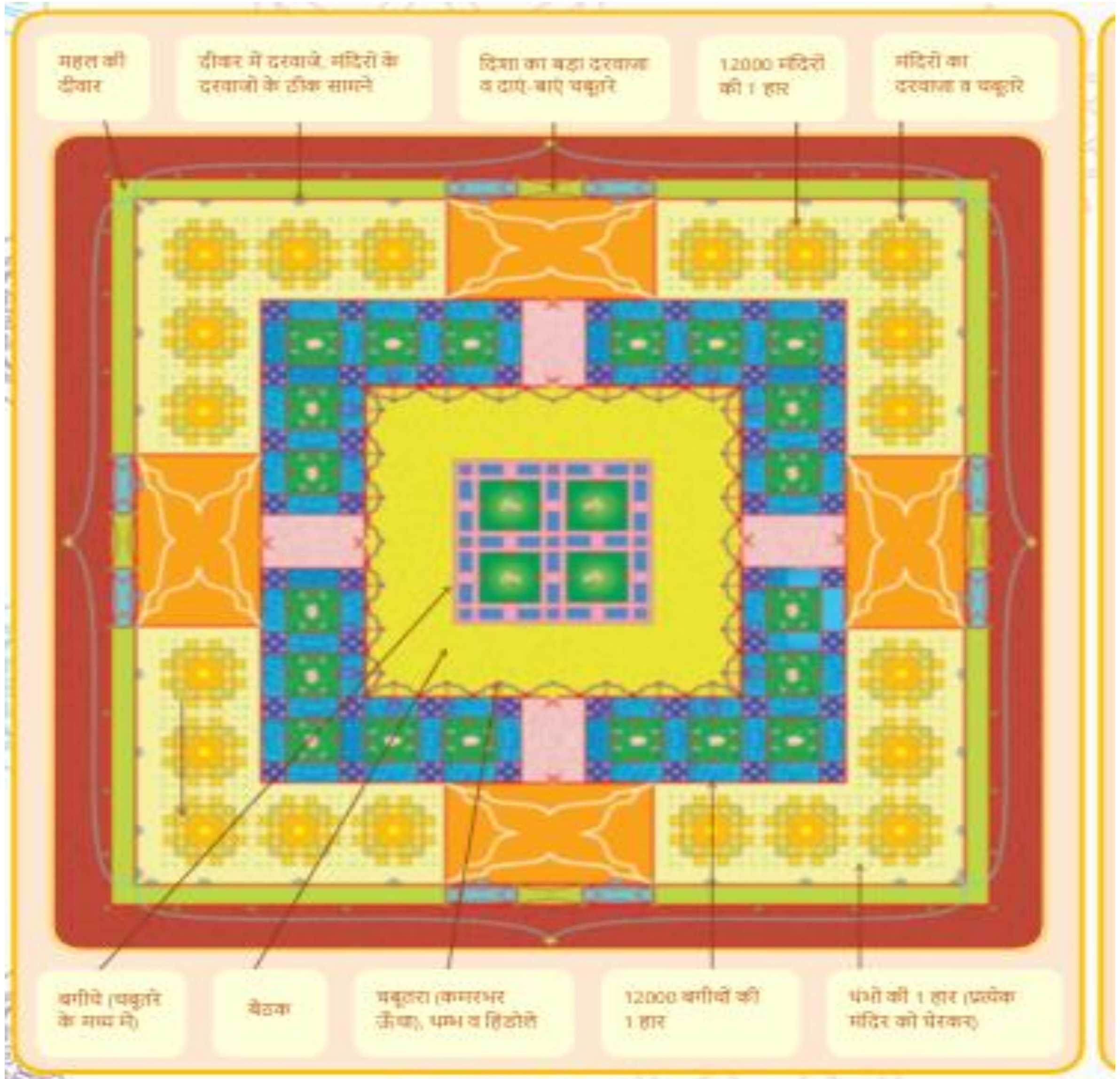

(एक महल की ऊँचाई-300 कोस)

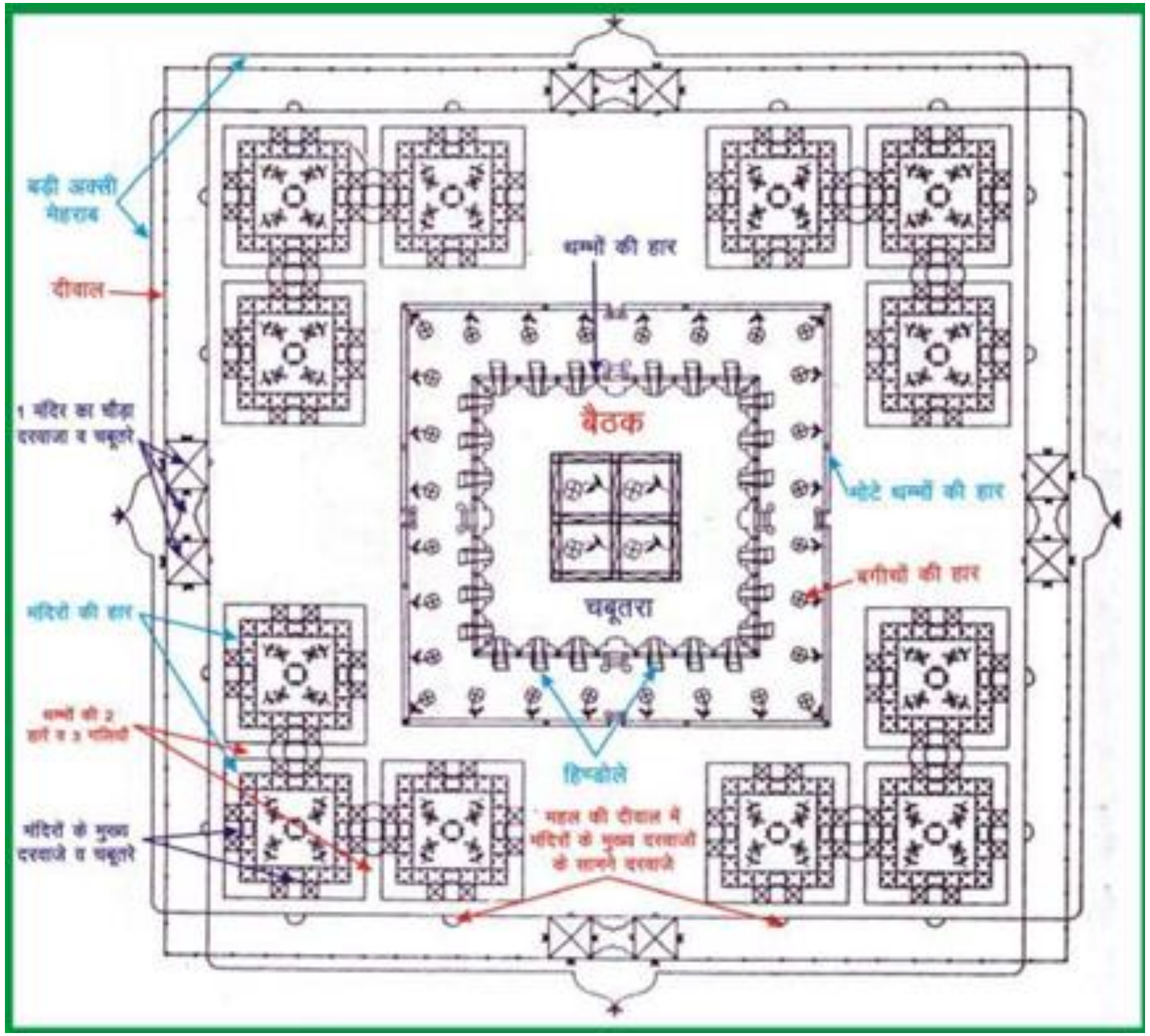

माणिक पहाड़ - एक महल में मंदिर की शोभा

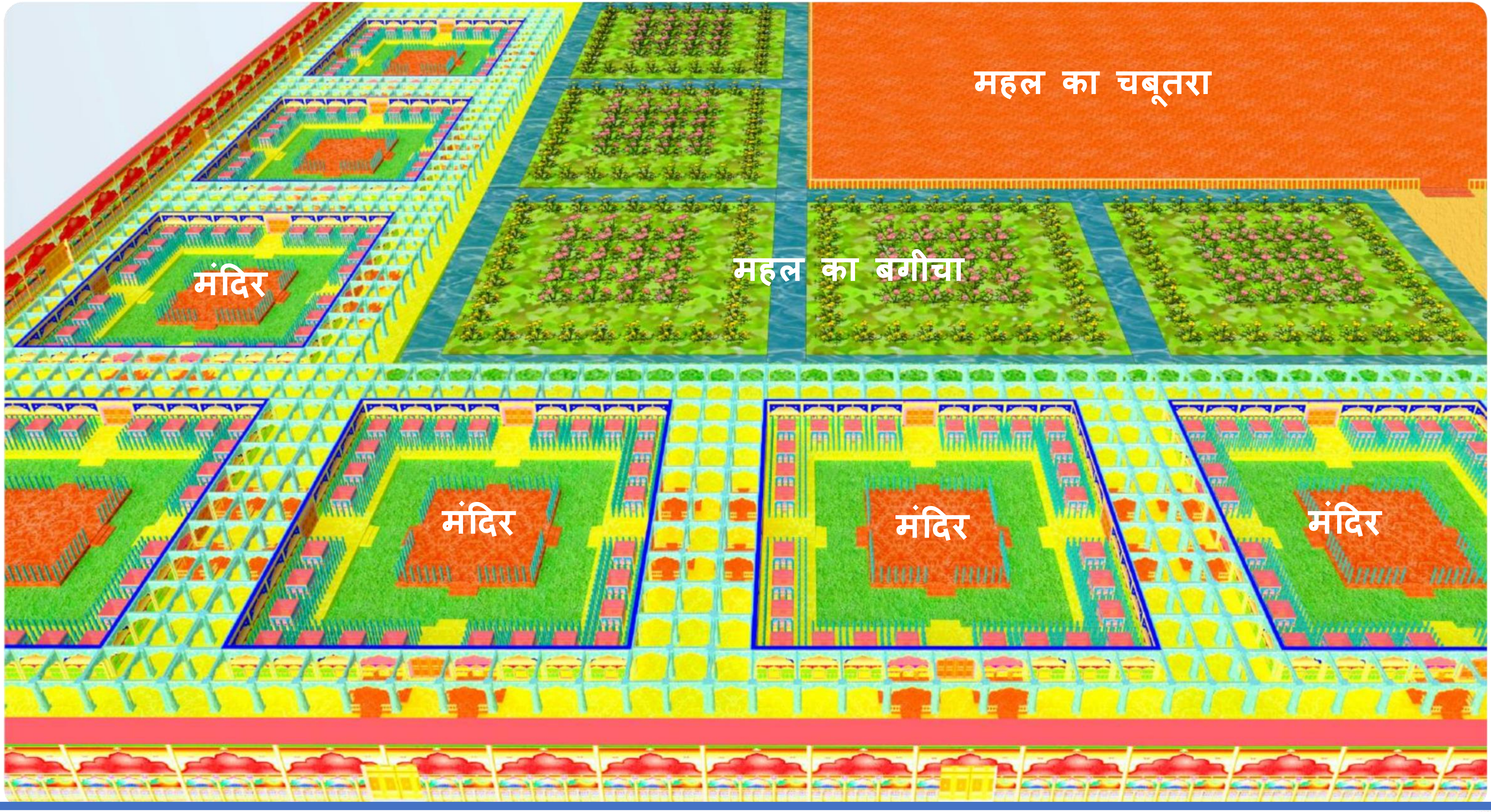

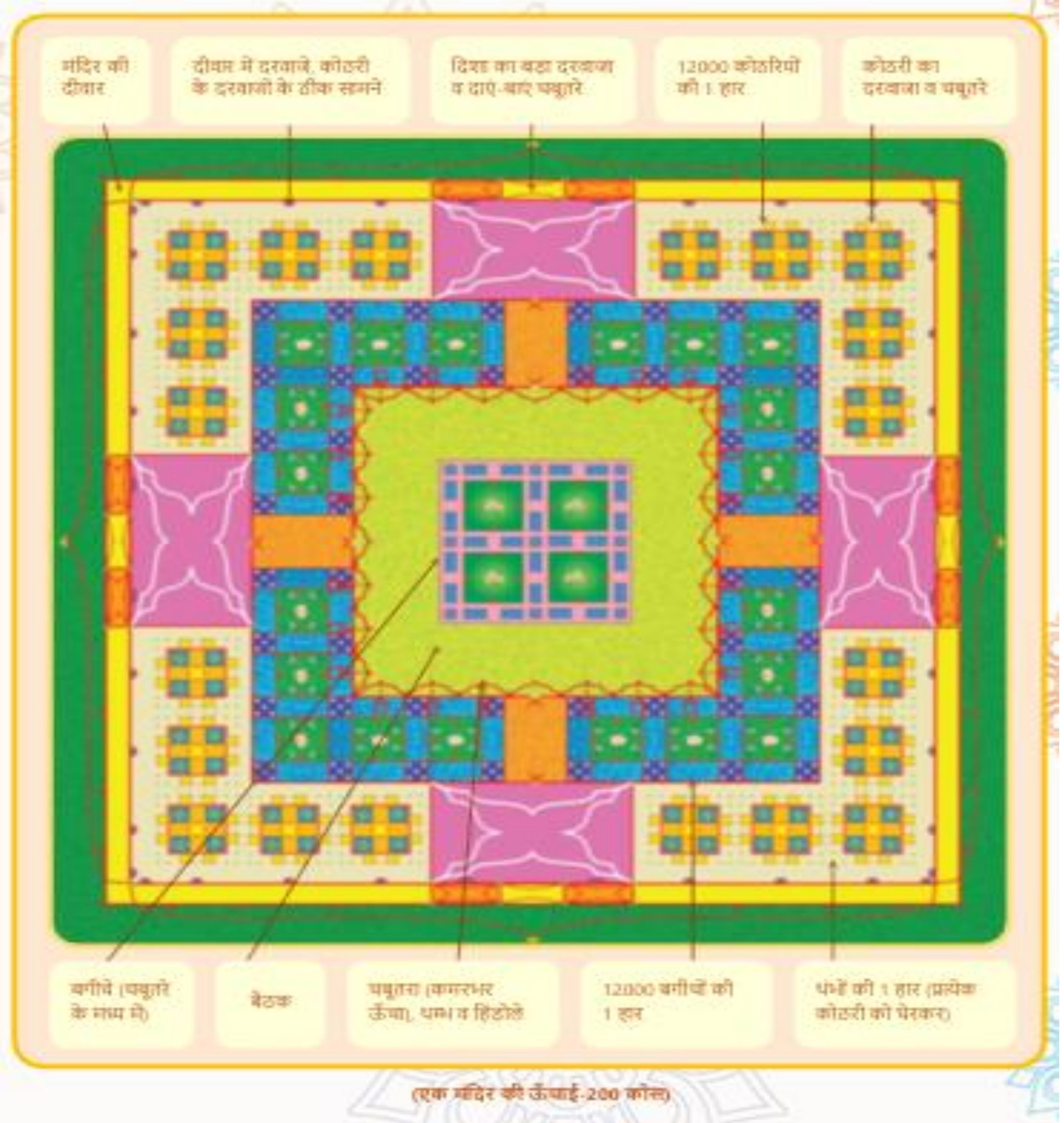
मंदिर की दीवार
दीवार में दरवाजे, कोठरी के दरवाजों के ठीक सामने
दिशा का बड़ा दरवाजा व दाएं-बाएं चबूतरे
12000 कोठरियों की 1 हार
कोठरी का दरवाजा व चबूतरे
बगीचे (चबूतरे के मध्य में)
बैठक
चबूतरा (कमरभर ऊँचा), थम्भ व हिंडोले
12000 बगीचों की 1 हार
थम्भों की 1 हार (प्रत्येक कोठरी को घेरकर)
(एक मंदिर की ऊँचाई-200 कोस)

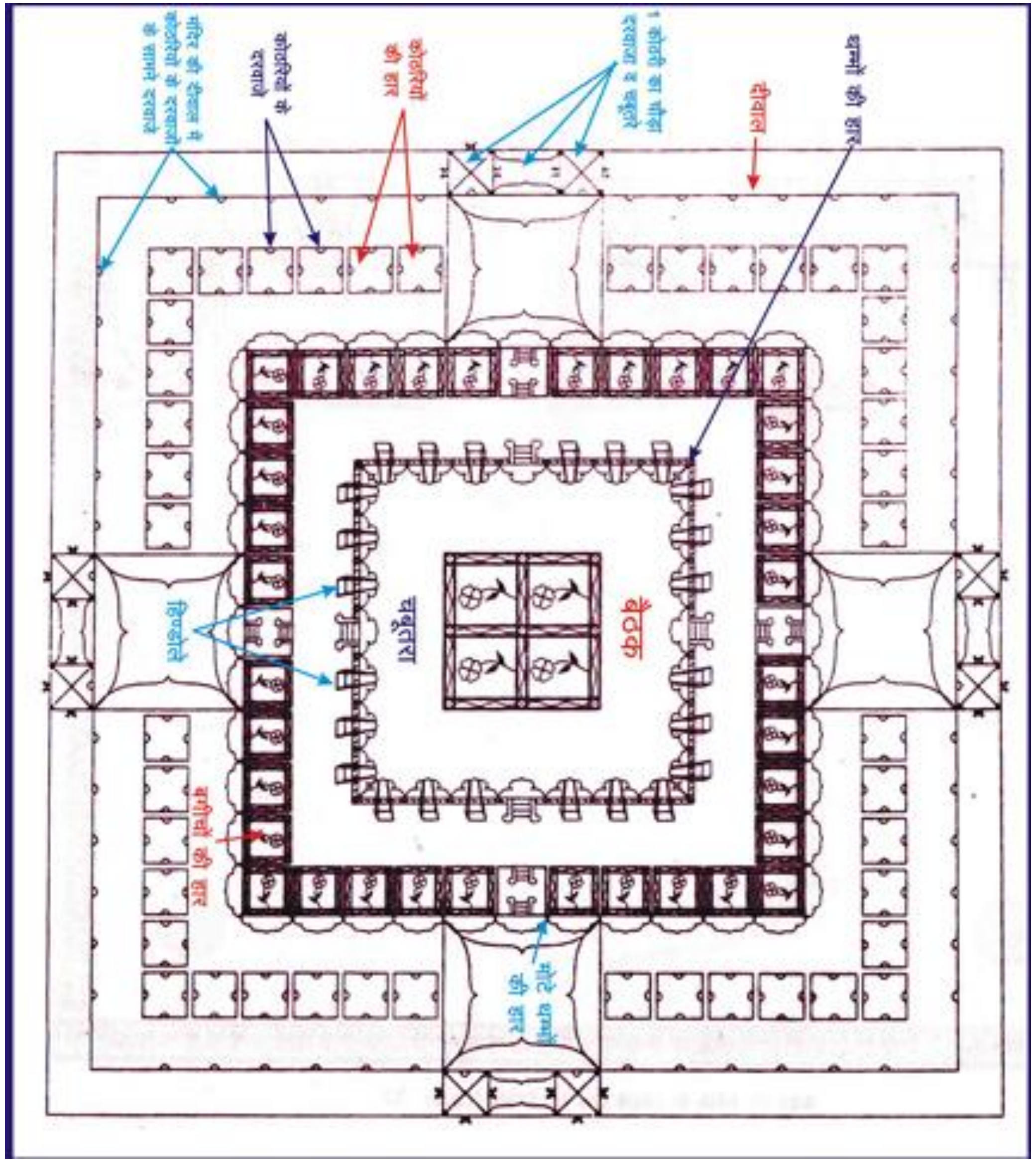
कोठरियों के दरवाजे
कोठरियों की हार
दीवार
थम्भों की हार
हिण्डोले
चबूतरा
बैठक
बगीचों की हार

माणिक पहाड़ - एक मंदिर में कोठरयों की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

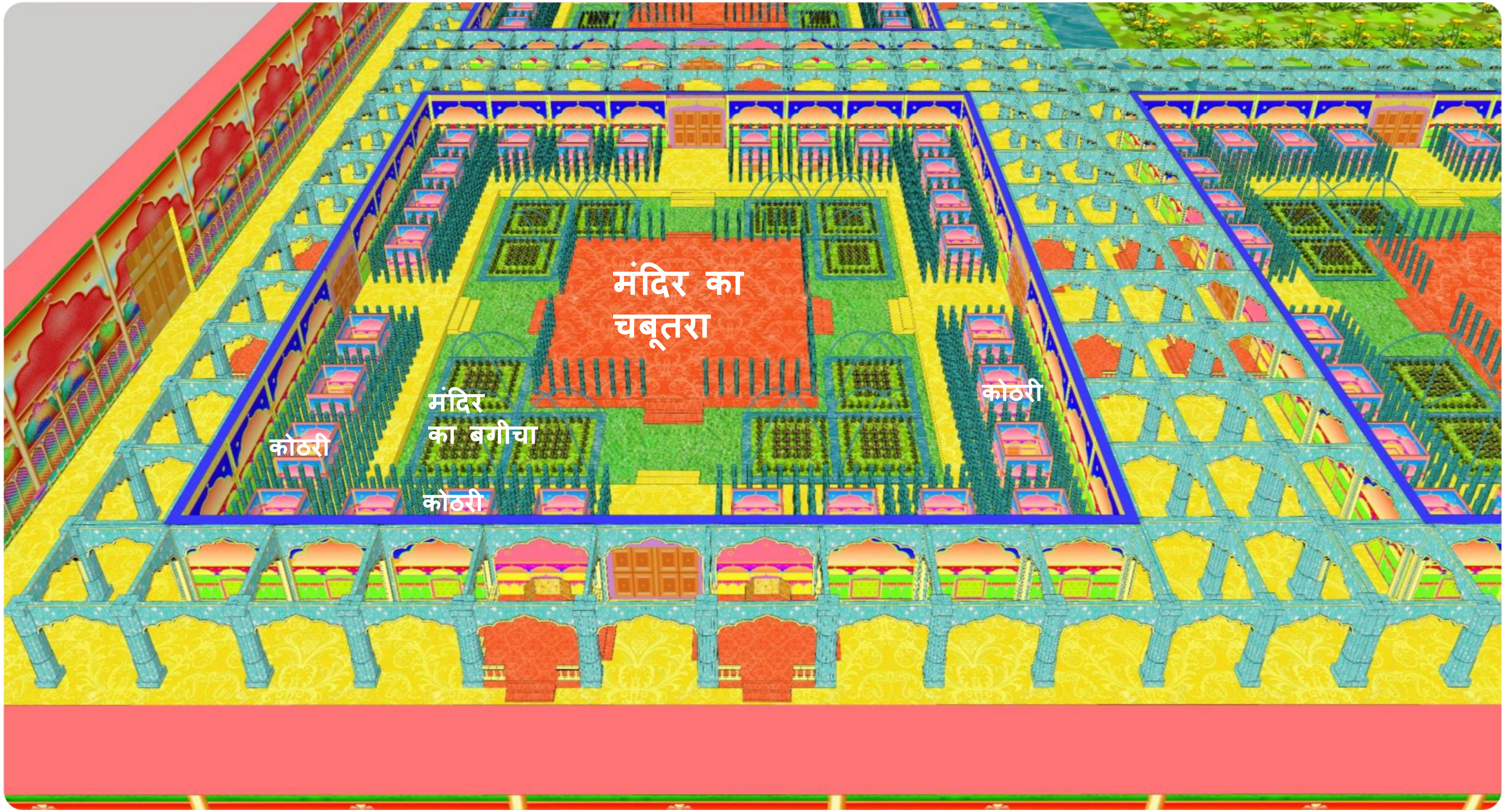

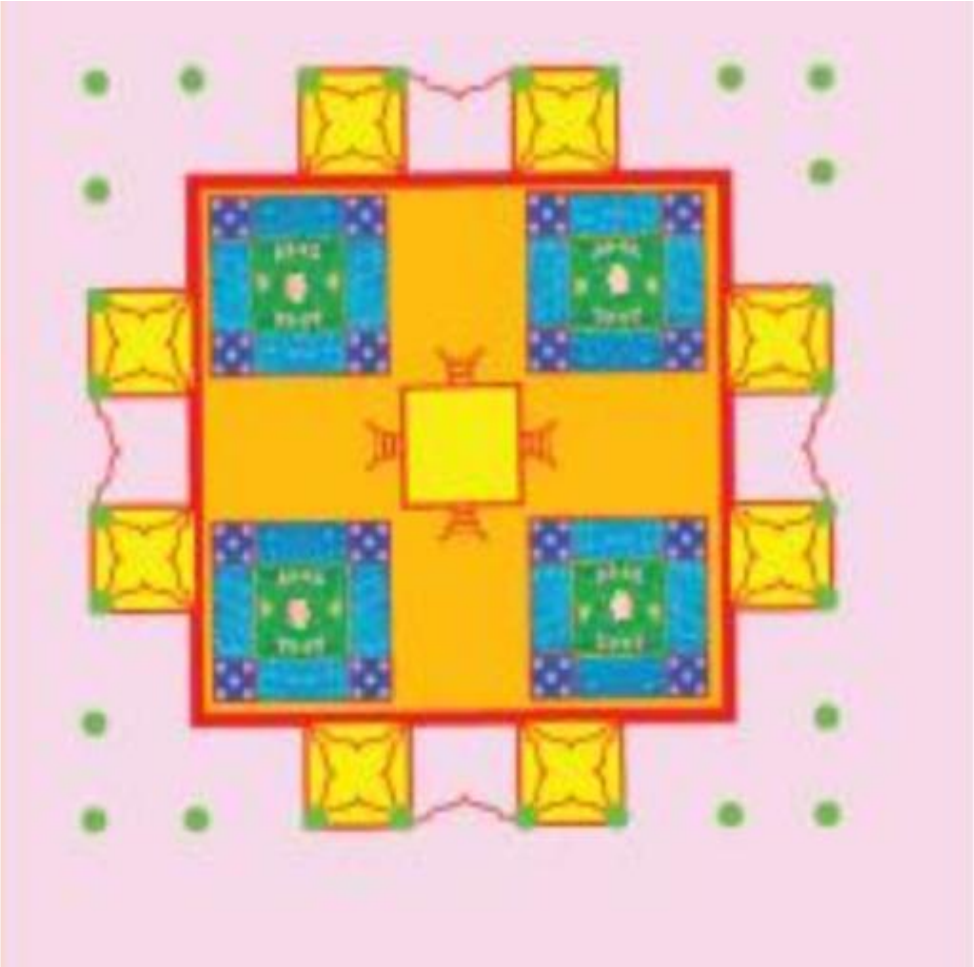

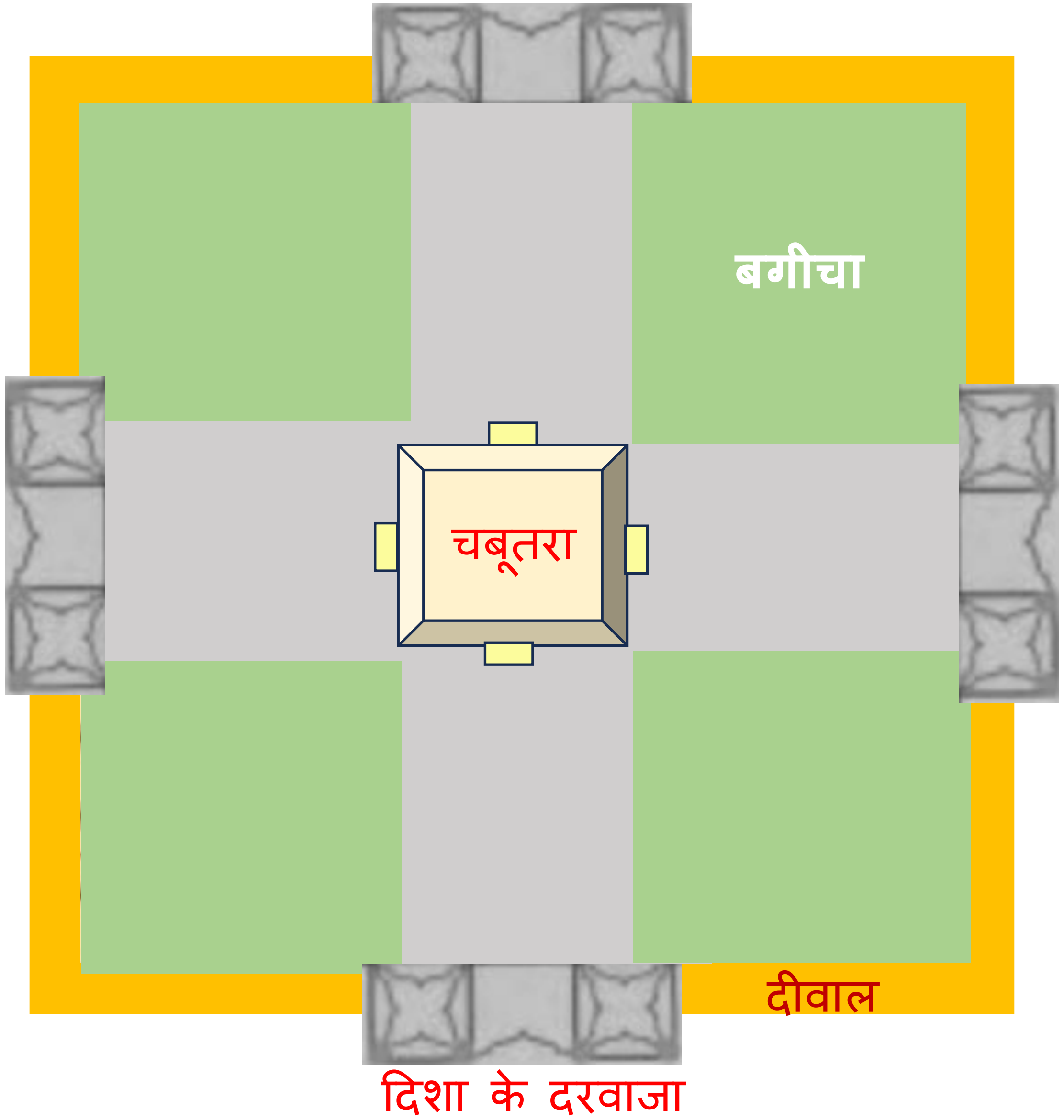
बगीचा
चबूतरा
दीवाल
दिशा के दरवाजा

माणिक पहाड़ – हवेली , महल , मंदिर & कोठरी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

माणिक पहाड़

हवेली

महल

मंदिर

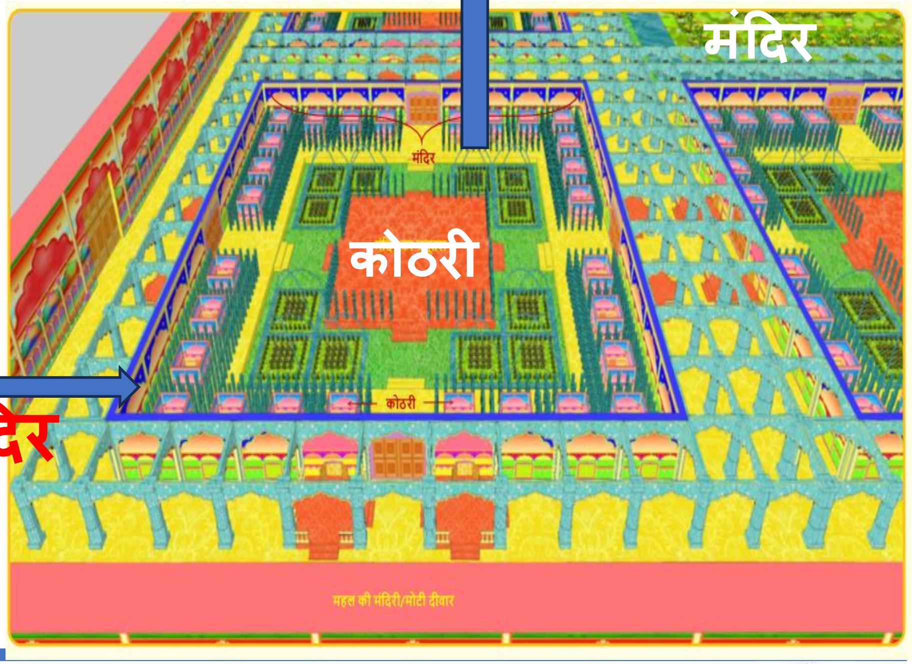

कोठरी

माणिक पहाड़ – हवेली की बाहरी दीवार की शोभा

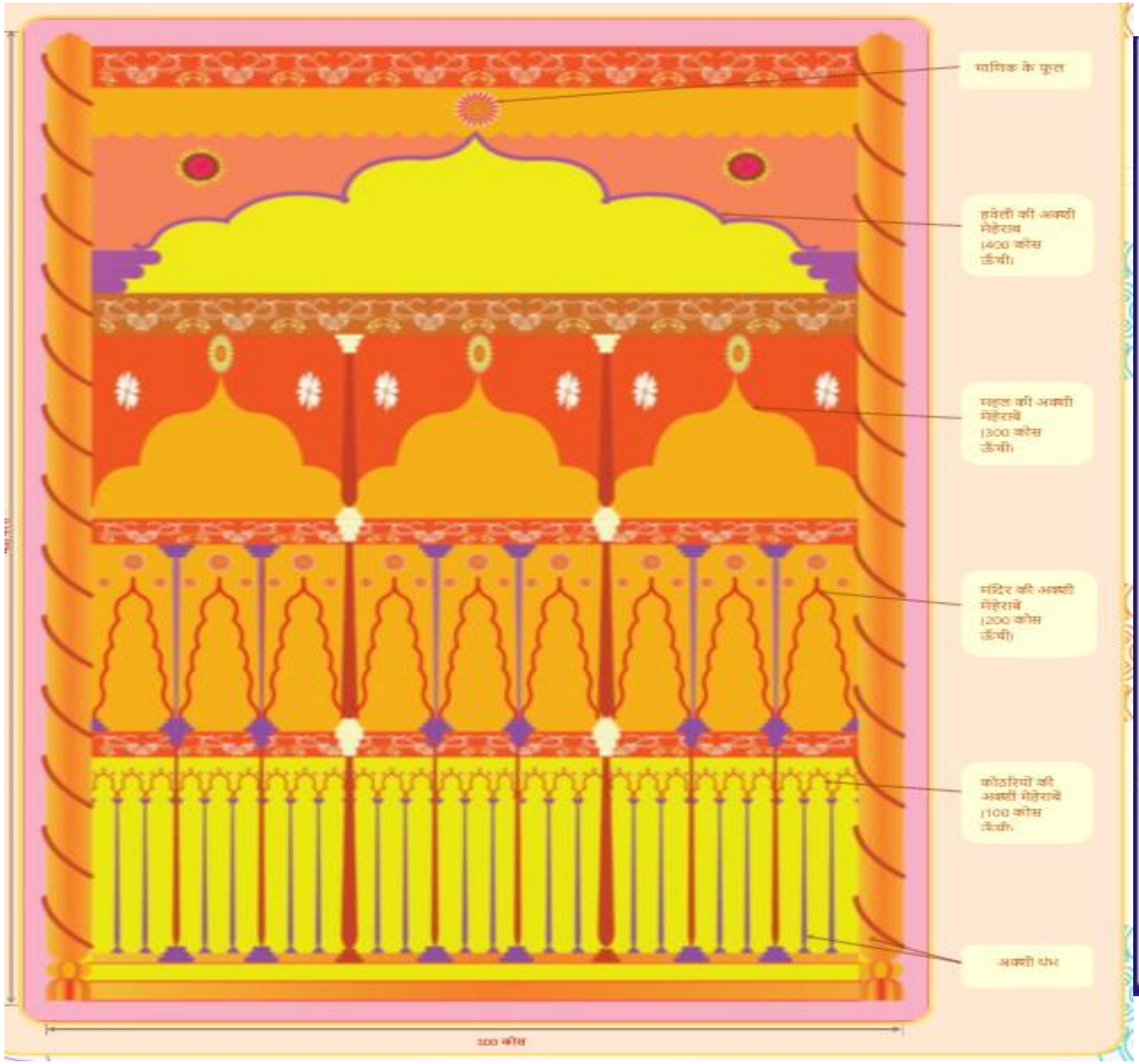

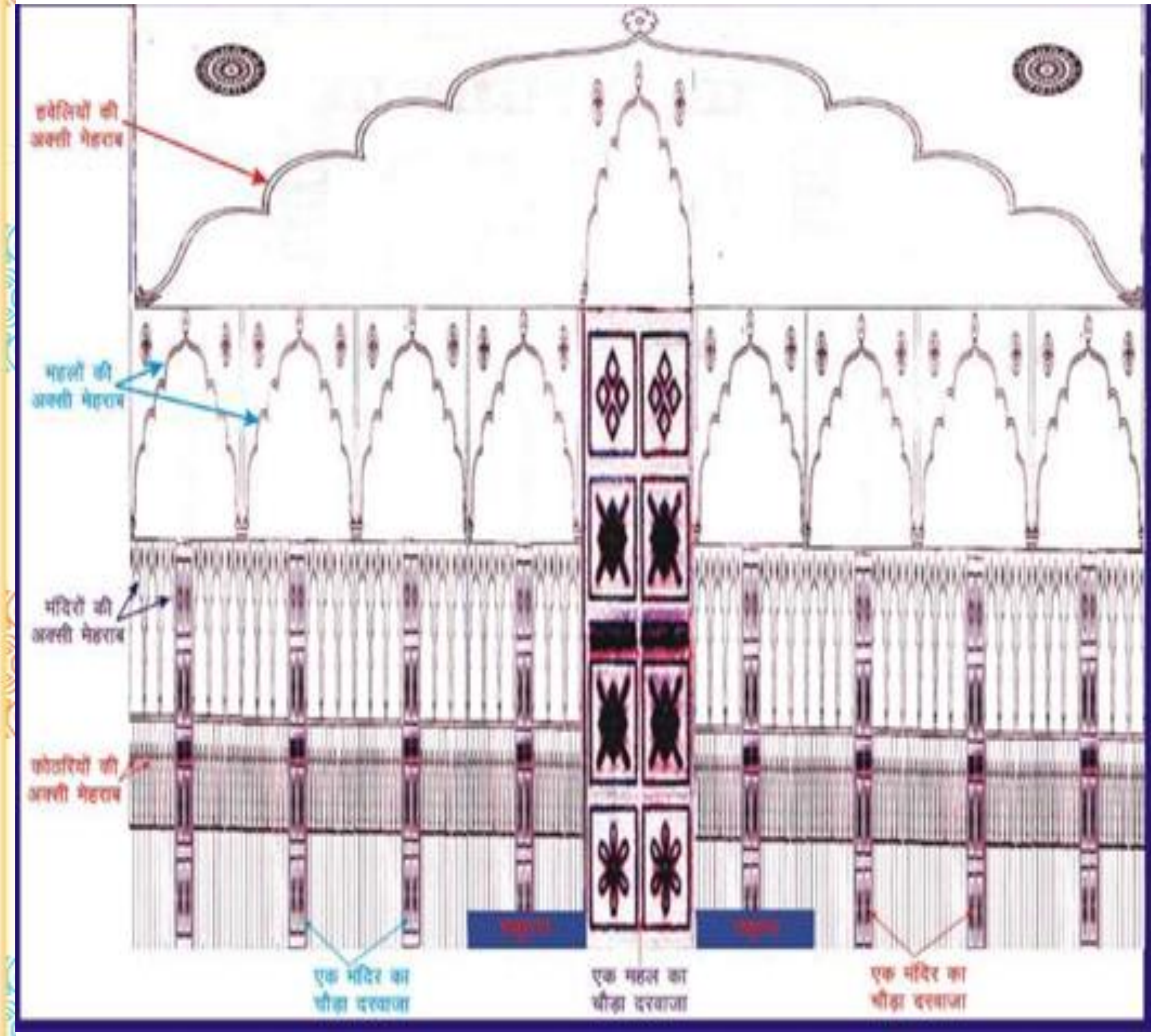

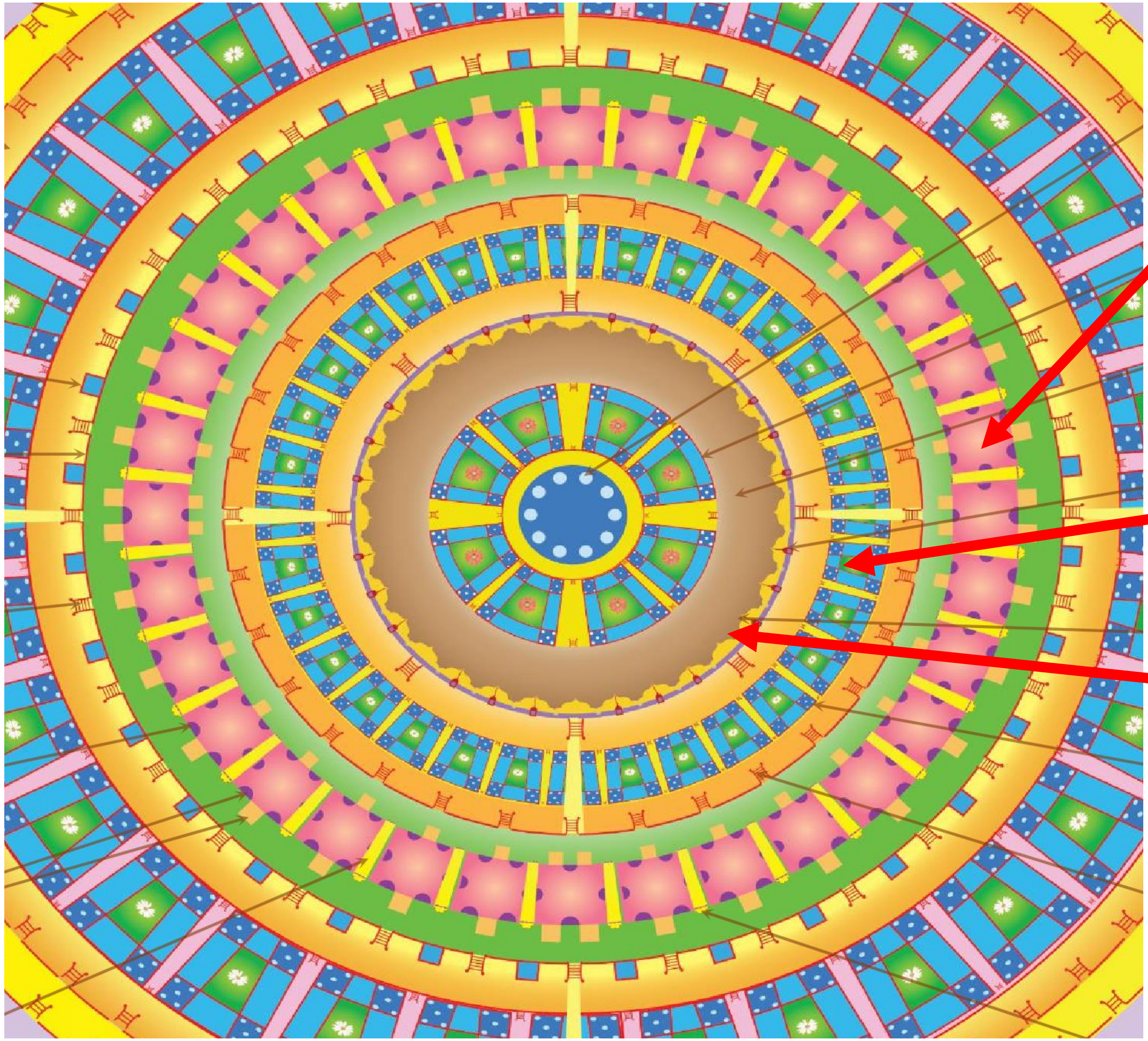

मणिक पहाड़ के मध्य के चबूतरे की शोभा

- **माणिक महल – 12000**
  - भोम भर चबूतरा
  - गुर्ज – 12000
  - परिकरमा रोंस
  - त्रिपोत्रलये
- **बगीचा**
  - रोंस
  - नहरें
- **मध्य के चबूतरा**
  - भोम भर उचो
  - थंभो की हार - 11980 भोम ऊंची
  - हिण्डोले – 12000
  - बगीचा – 12000
  - बेठक
  - स्तूल
  - फुवारा – 12000

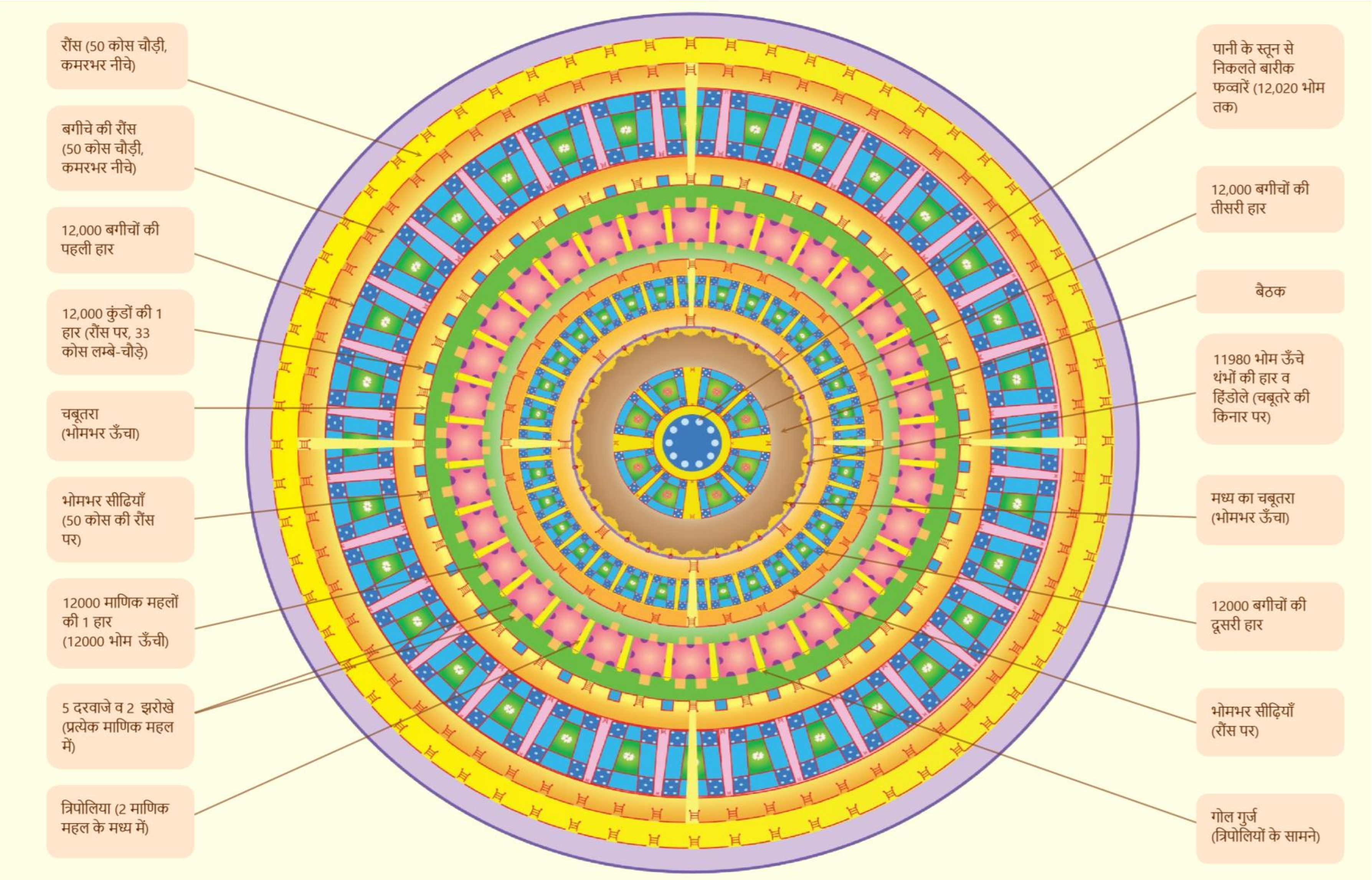

रौंस (50 कोस चौड़ी, कमरभर नीचे)
बगीचे की रौंस (50 कोस चौड़ी, कमरभर नीचे)
12,000 बगीचों की पहली हार
12,000 कुंडों की 1 हार (रौंस पर, 33 कोस लम्बे-चौड़े)
चबूतरा (भोमभर ऊँचा)
भोमभर सीढियाँ (50 कोस की रौंस पर)
12000 माणिक महलों की 1 हार (12000 भोम ऊँची)
5 दरवाजे व 2 झरोखे (प्रत्येक माणिक महल में)
त्रिपोलिया (2 माणिक महल के मध्य में)
पानी के स्तून से निकलते बारीक फव्वारें (12,020 भोम तक)
12,000 बगीचों की तीसरी हार
बैठक
11980 भोम ऊँचे थंभों की हार व हिंडोले (चबूतरे की किनार पर)
मध्य का चबूतरा (भोमभर ऊँचा)
12000 बगीचों की दूसरी हार
भोमभर सीढ़ियाँ (रौंस पर)
गोल गुर्ज (त्रिपोलियों के सामने)

माणिक पहाड़ – मध्य के चबूतरे & माणिक महल की शोभा

मानिक मोहोल रतन मय, झलकत जोत आकास।
नूर पूरन पूर भरया, रूह खोल देख नैन प्रकास।।५ ।।

मोहोल मध्य मानिक का, नूर पहाड़ मोहोल गिरदवाए।
बड़े बड़े जोड़े छोटे छोटे, बराबर जुगत सोभाए।।६ ।।

चारों तरफों मोहोल बीच ताल, चारों तरफों हिंडोले।
एक हिंडोले माहें झूलें, हक हादी रूहें भेले।।७ ।।

बगीचों की हारें
गोल गुर्ज
हिंडोला
भोम भर ऊँचा चबूतरा
मध्य का चबूतरा
परिकरमा रोंस
माणिक महल
कुण्ड
की हार
बगीचों
रोंस
गोल हवेली

ले जिमी से ऊपर मोहोल मानिक, कम ज्यादा कहूं नाहें ।
सरभर सोभा सब इमारतें. जल बन हिंडोले मोहोलों माहें ।।३।।

चारों तरफों मोहोल बीच ताल, चारों तरफों हिंडोले ।
एक हिंडोले माहें झूलें, हक हादी रूहें भेले ।।७।।

चारों तरफों ऐसे ही झूलें, हक हादी रूहें खेलत ।
अर्स अजीम के बीच में, मोहोल अम्बर जोत धरत ।।८।।

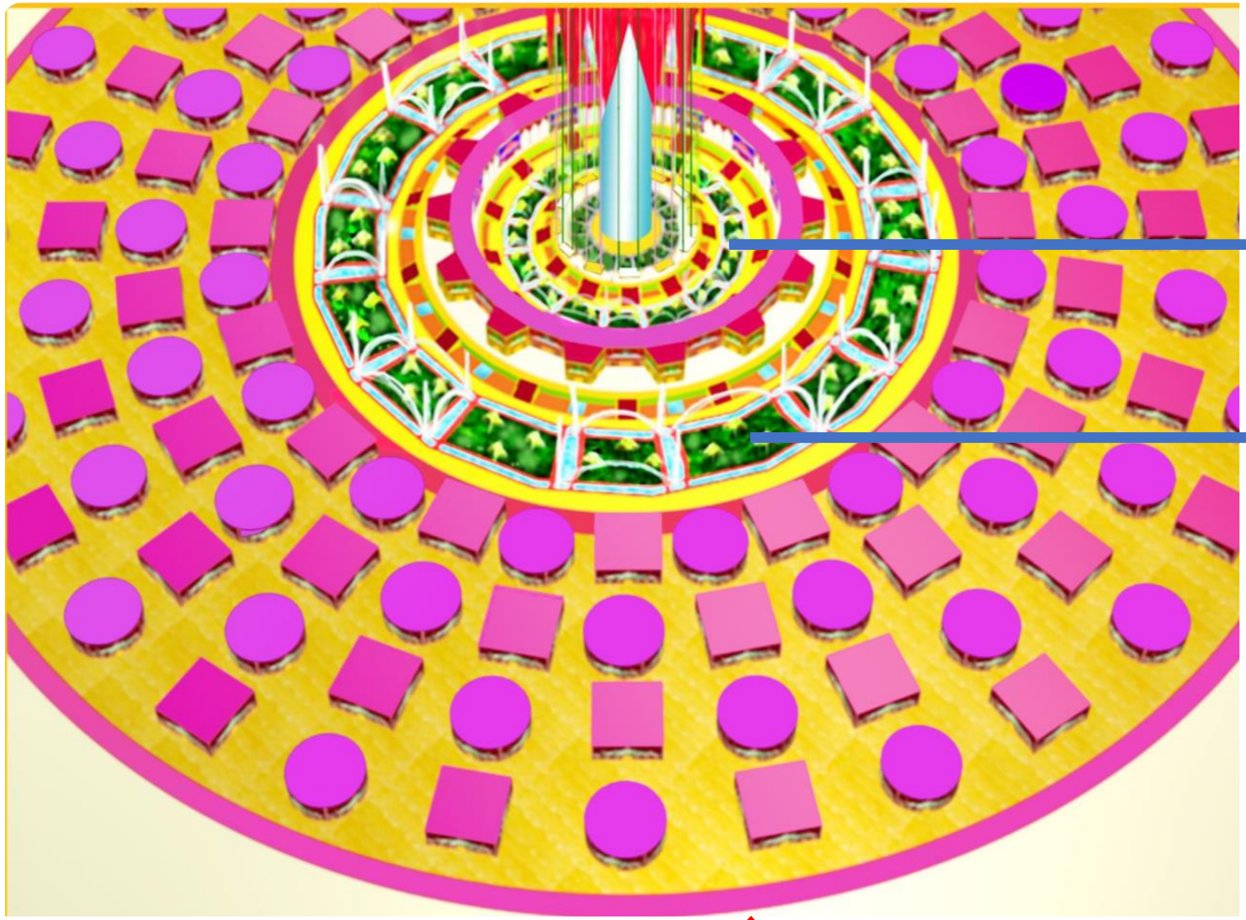

1 TO 11980 भोम

2 बगीचा & मध्य चबूतरा शोभा -1st भोम **only**
हवेली & माणिक महल – 1 to 11980 भोम

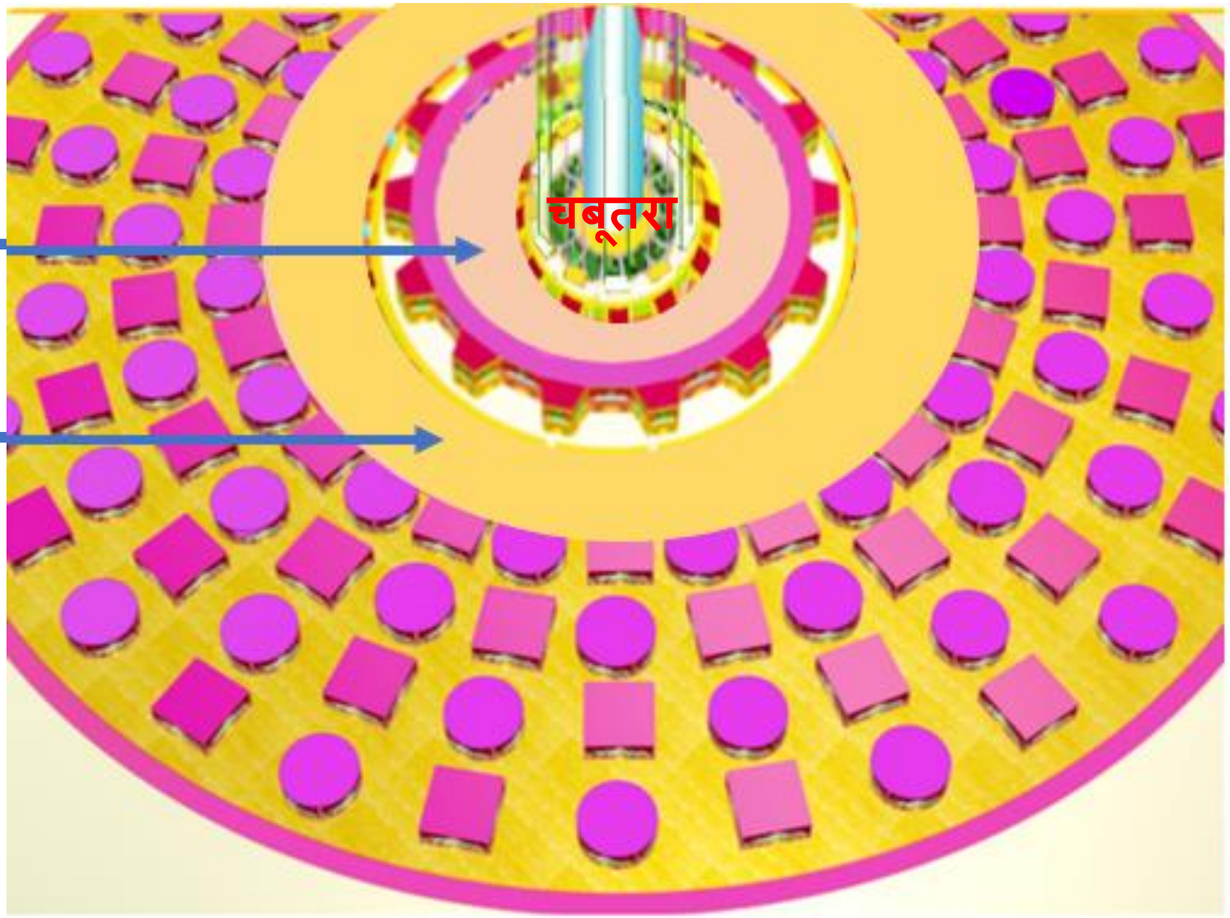

11981 TO 12000 भोम

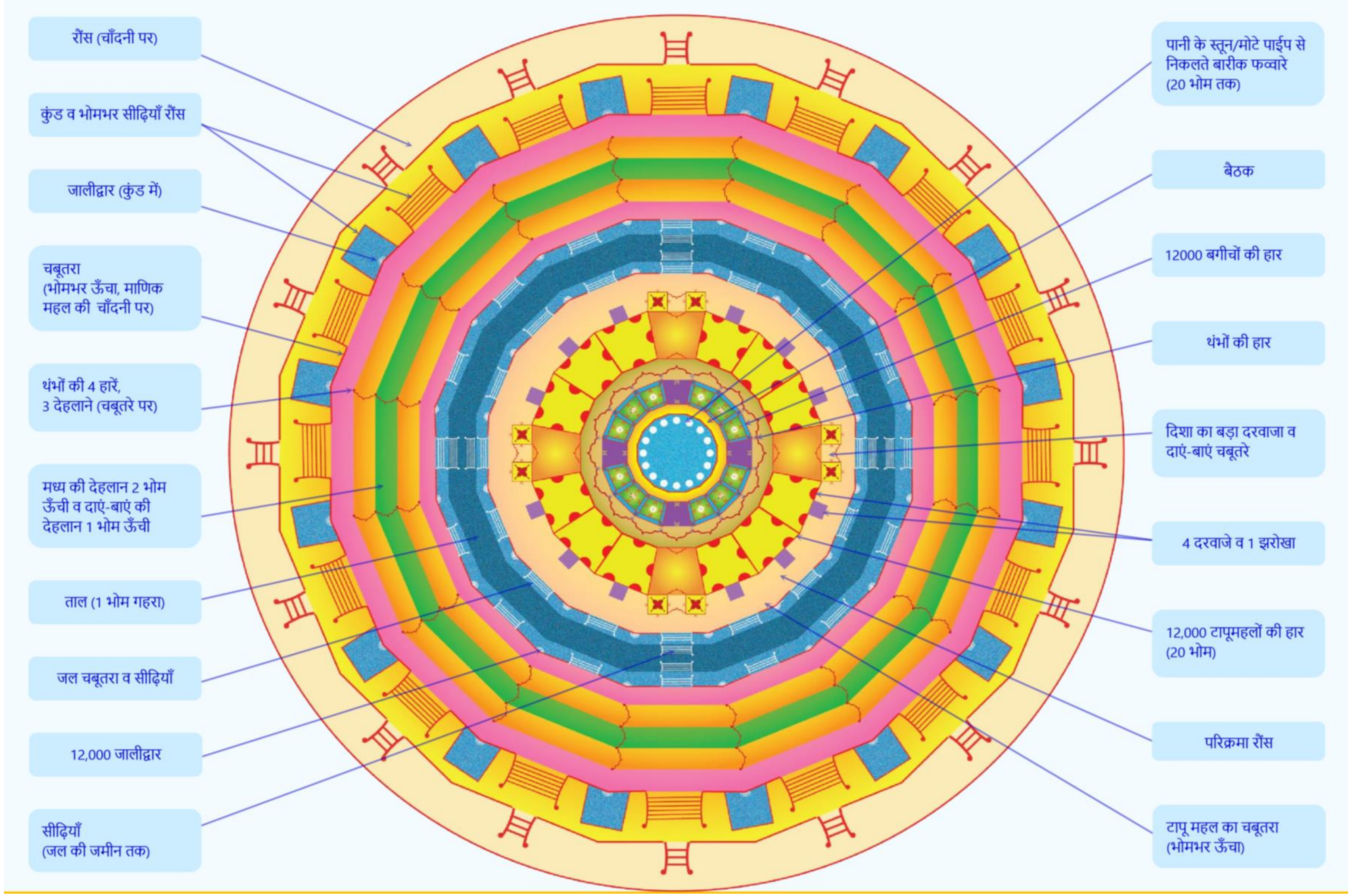

माणिक पहाड़ की चादनी की शोभा

- 12000 भोम की चादनी
  - 2 भोम देहलान - भोम भर चबूतरा पर
  - ताल
  - नहेरे - 12000
  - कुन्द - 12000
  - बगीचा – 12000
  - हिण्डोले
  - जालीद्वार
  - टापू महल – 20 भोम, (भोम भर चबूतरा पर)
- **12020 भोम की चादनी**
  - टापू महल - 20th भोम
  - ताल
  - बगीचा
  - बेठक

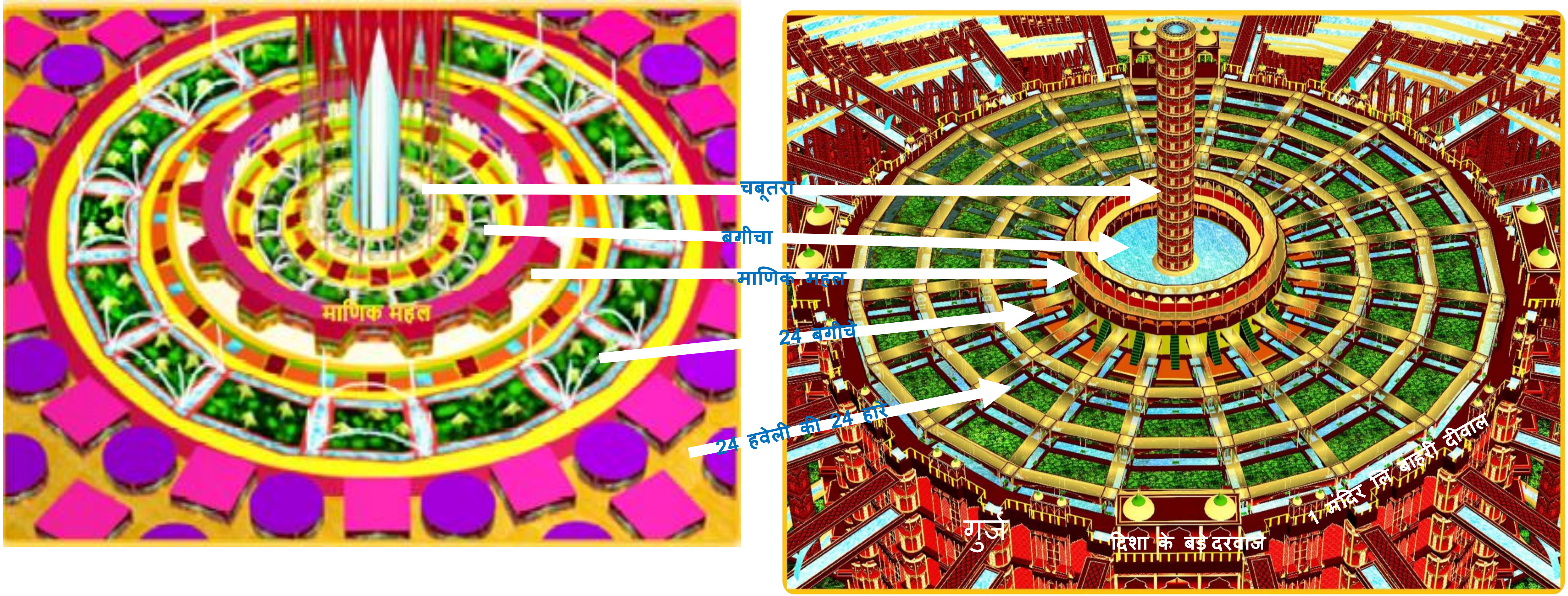

1st भोम

चादनी – 12001 भोम

माणिक पहाड़ - चादनी की शोभा , 12001 भोम

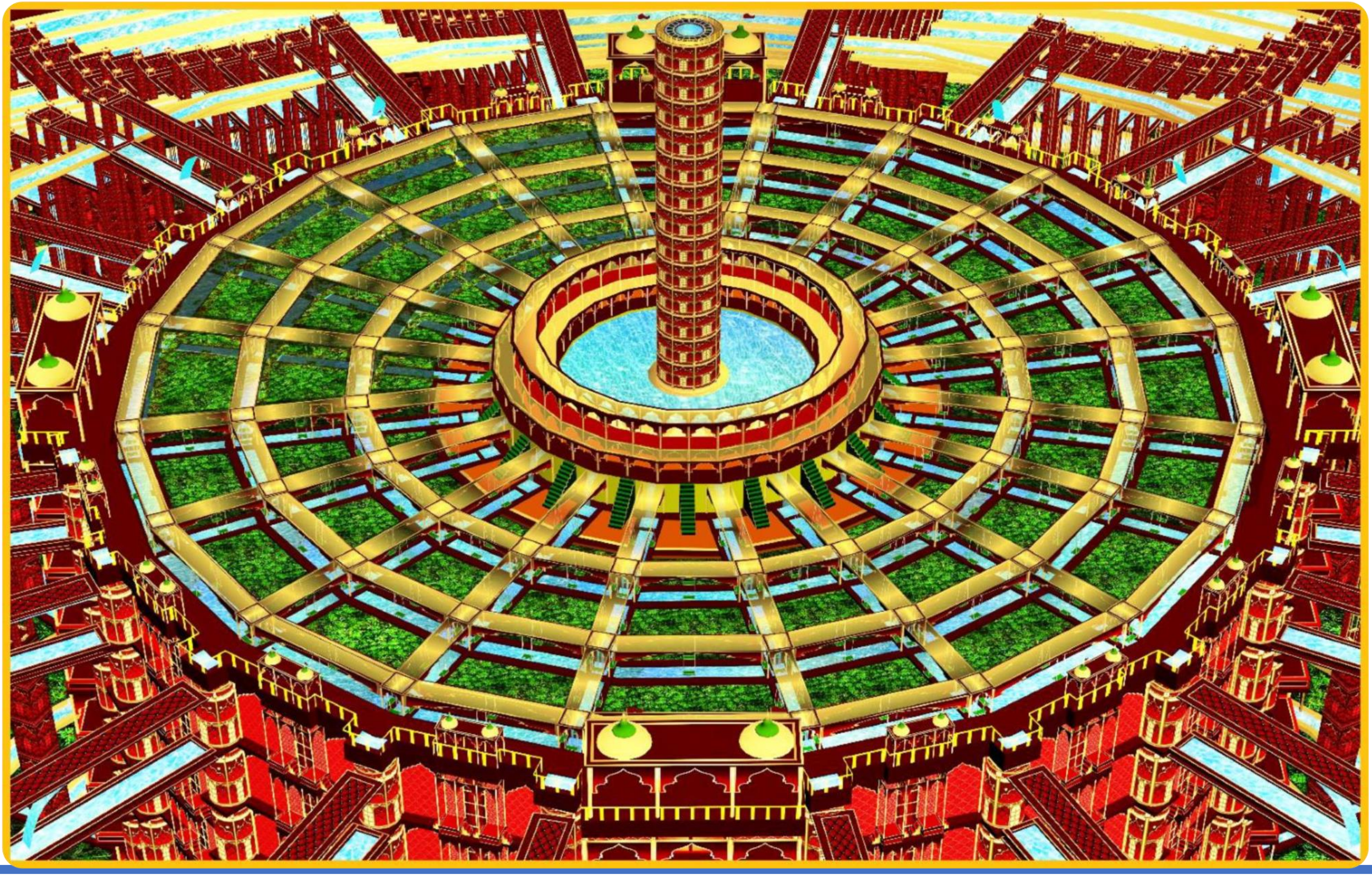

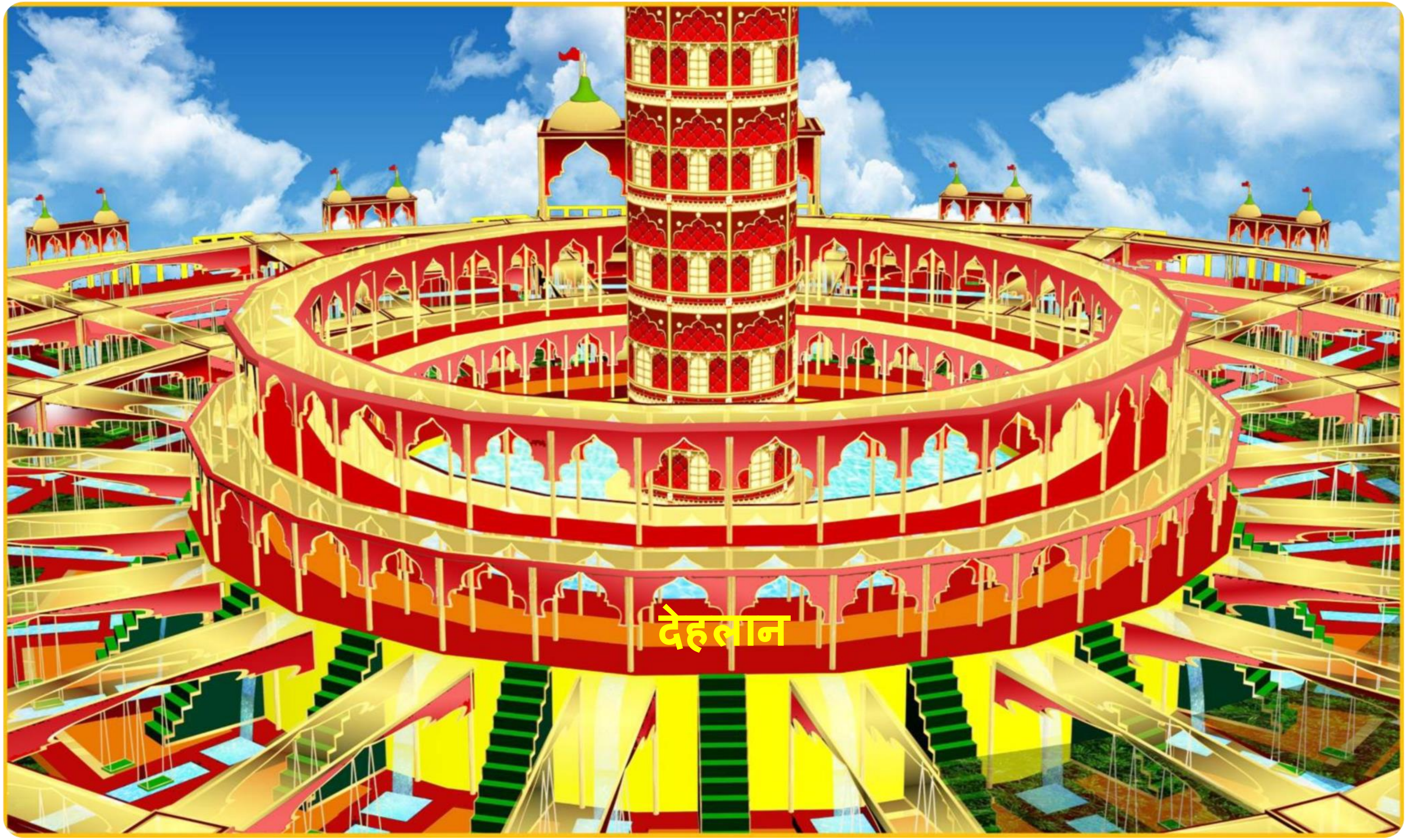
देहलान

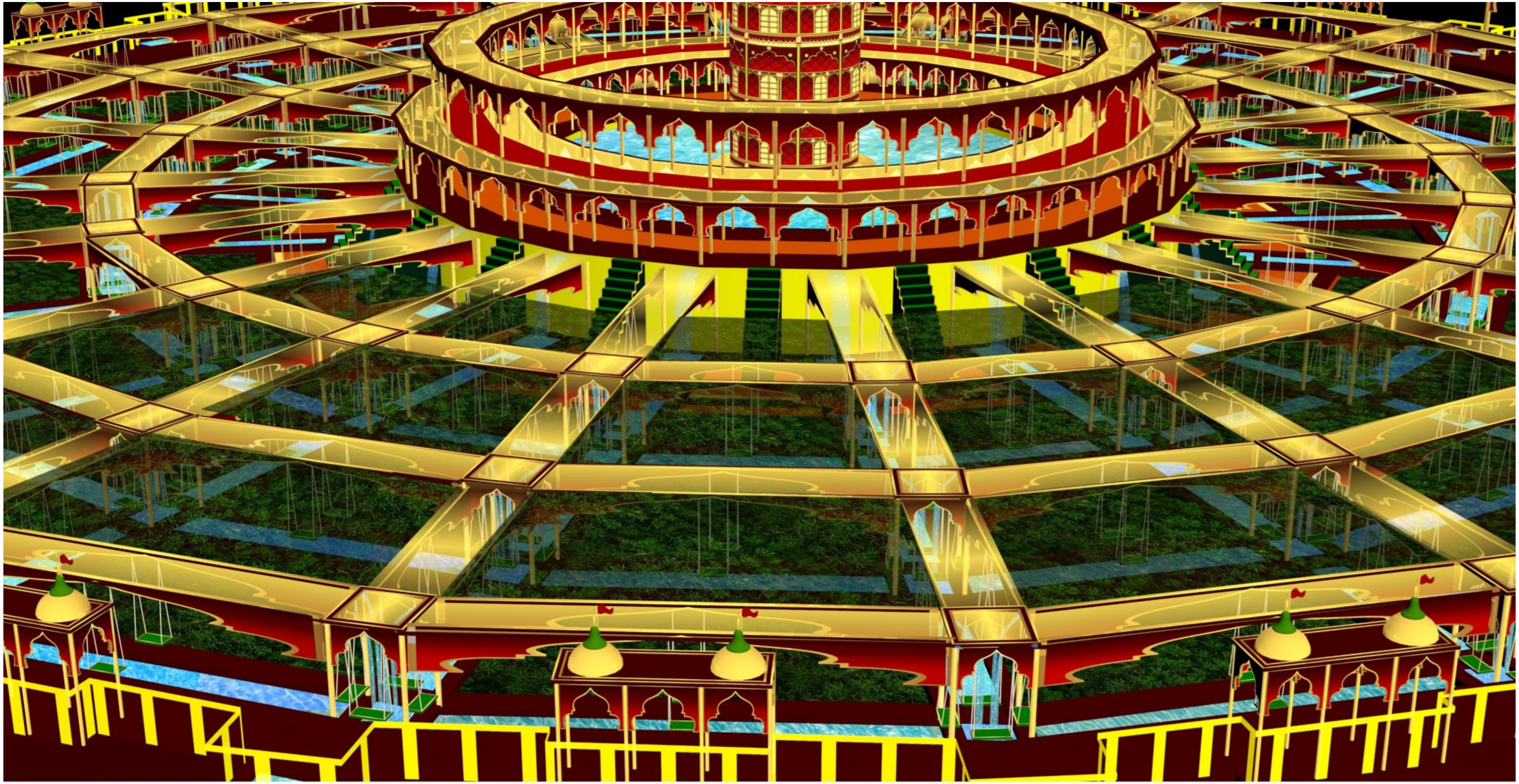

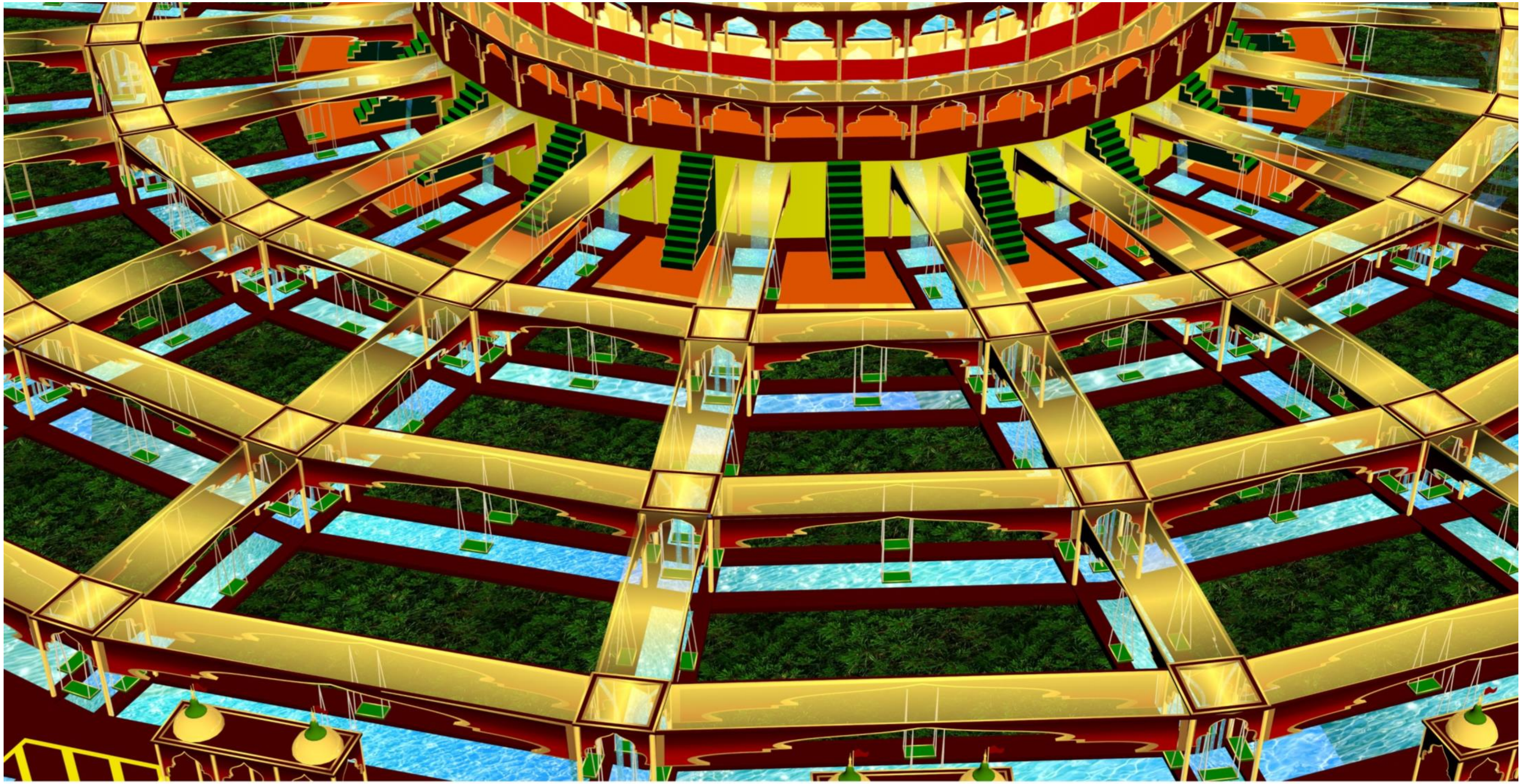

माणिक पहाड़ - चादनी की शोभा

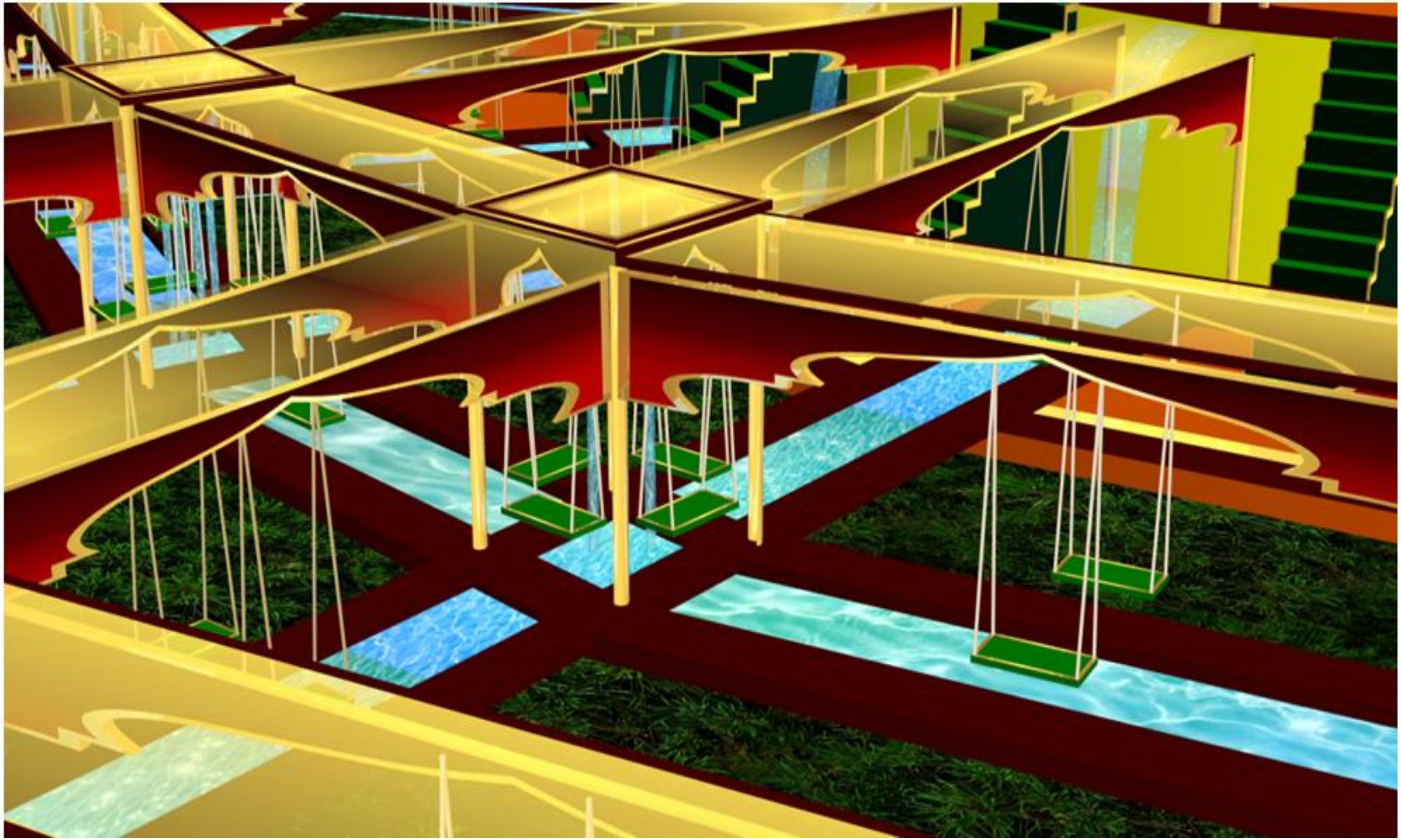

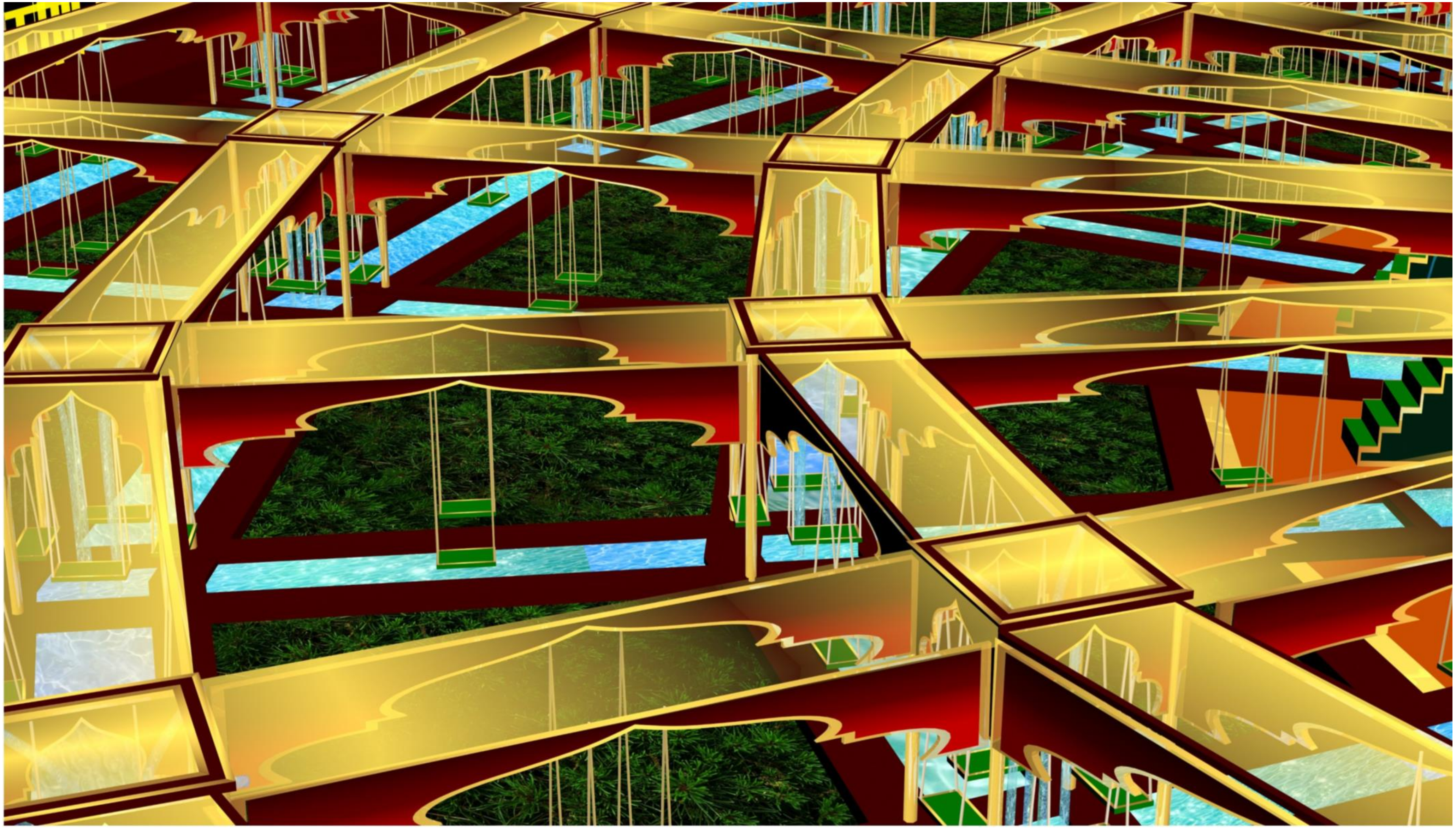

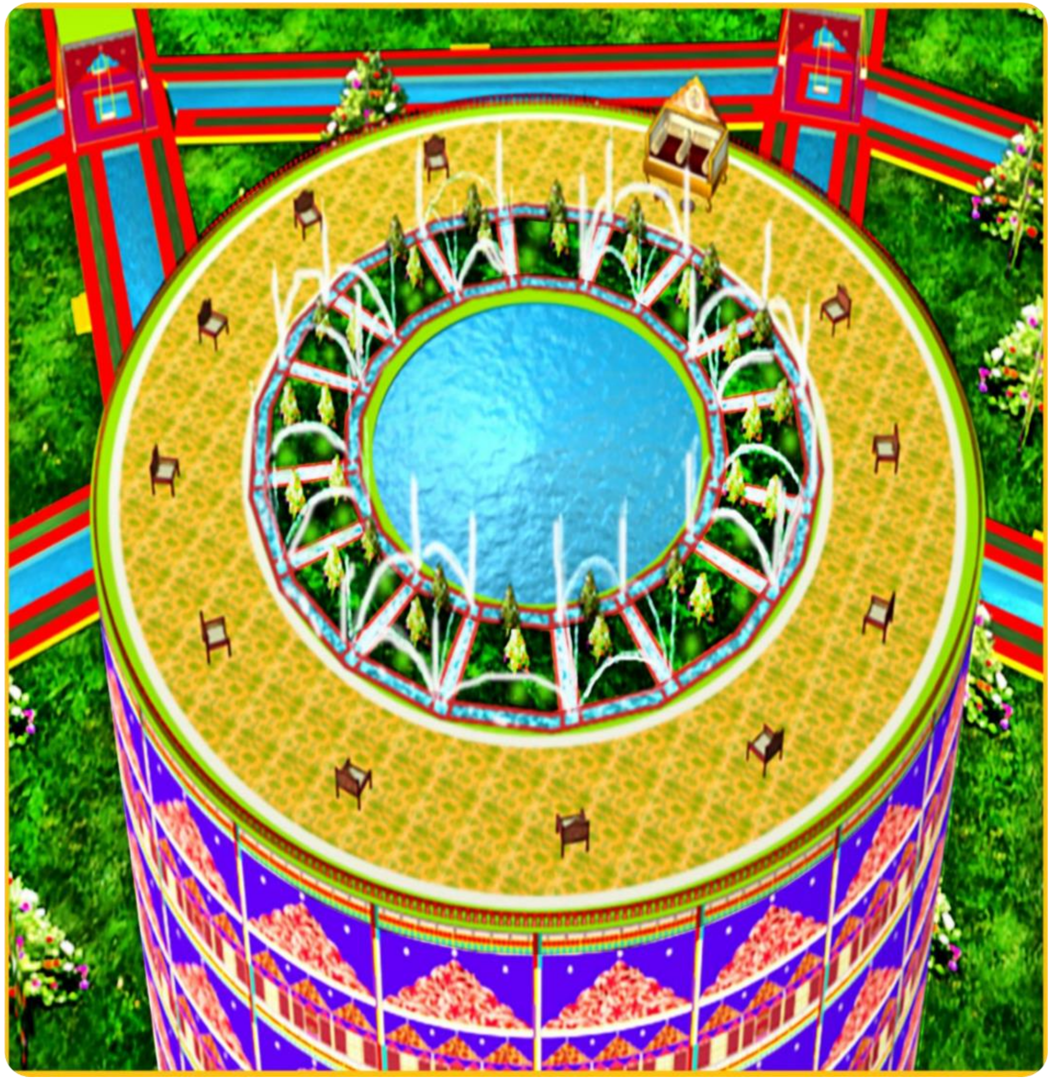

बैठक
बगीचे
बगीचे
कुण्ड
बगीचे
बगीचे
बगीचे
बैठक

गोल गुर्जों की
चांदनी में कुण्ड
ताल देहेलान
टापूमहल
बगीचे
बगीचे
नहरें
नहरें
जालीद्वार से धाराएँ
कुण्ड पर थम्भ व हिण्डोले

गुर्जों के कुण्ड
टापूमहल
दहलान
ताल
नहरें
कुण्ड
बगीचे
बगीचे
बगीचे
नहरें
ताल के महल
जमीन

टापू मोहोल के चबूतरे के नीचे 12000 जालीद्वार
आये हैं जिनसे नीचे तालाबों में पानी गिरता है।

माणिक पहाड़ - चादनी की शोभा

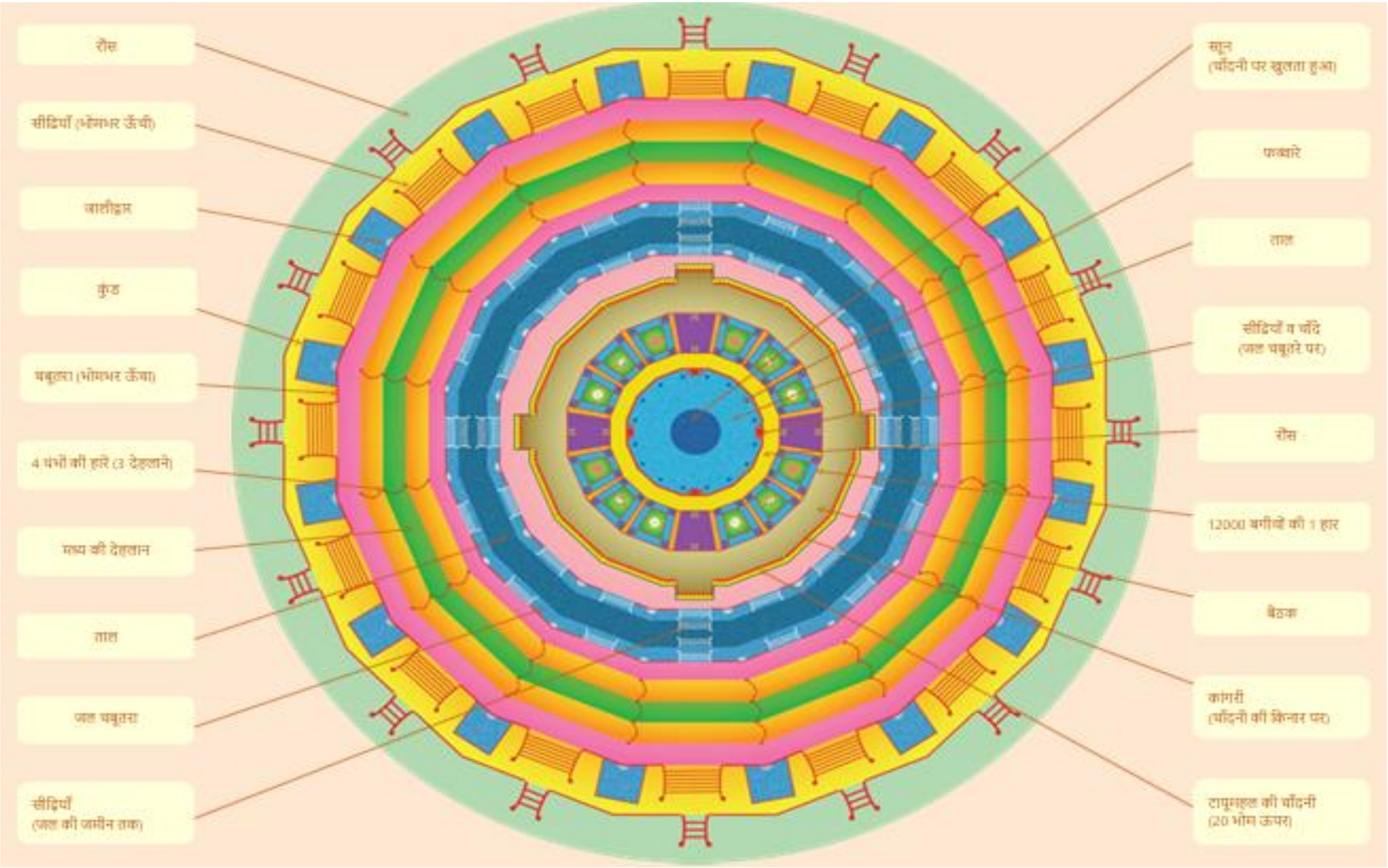

माणिक पहाड़ - चादनी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

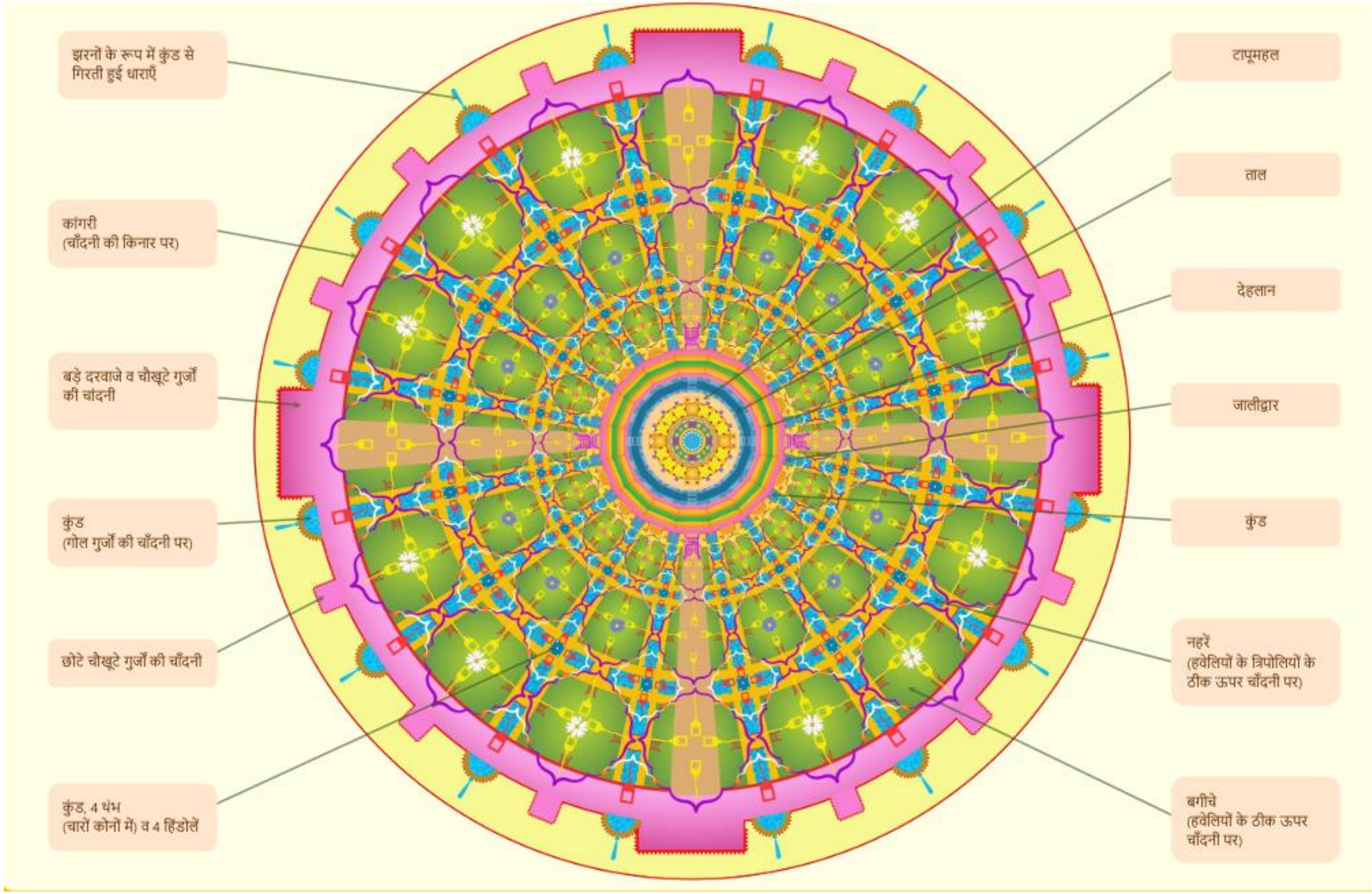

माणिक पहाड़ की बहार की शोभा

- ताल
- महल
- हिण्डोले
- नहेर
- कुण्ड (चहेबचे)
- बगीचे
- महानदी

माणिक पहाड़ - जमीन पर की शोभा

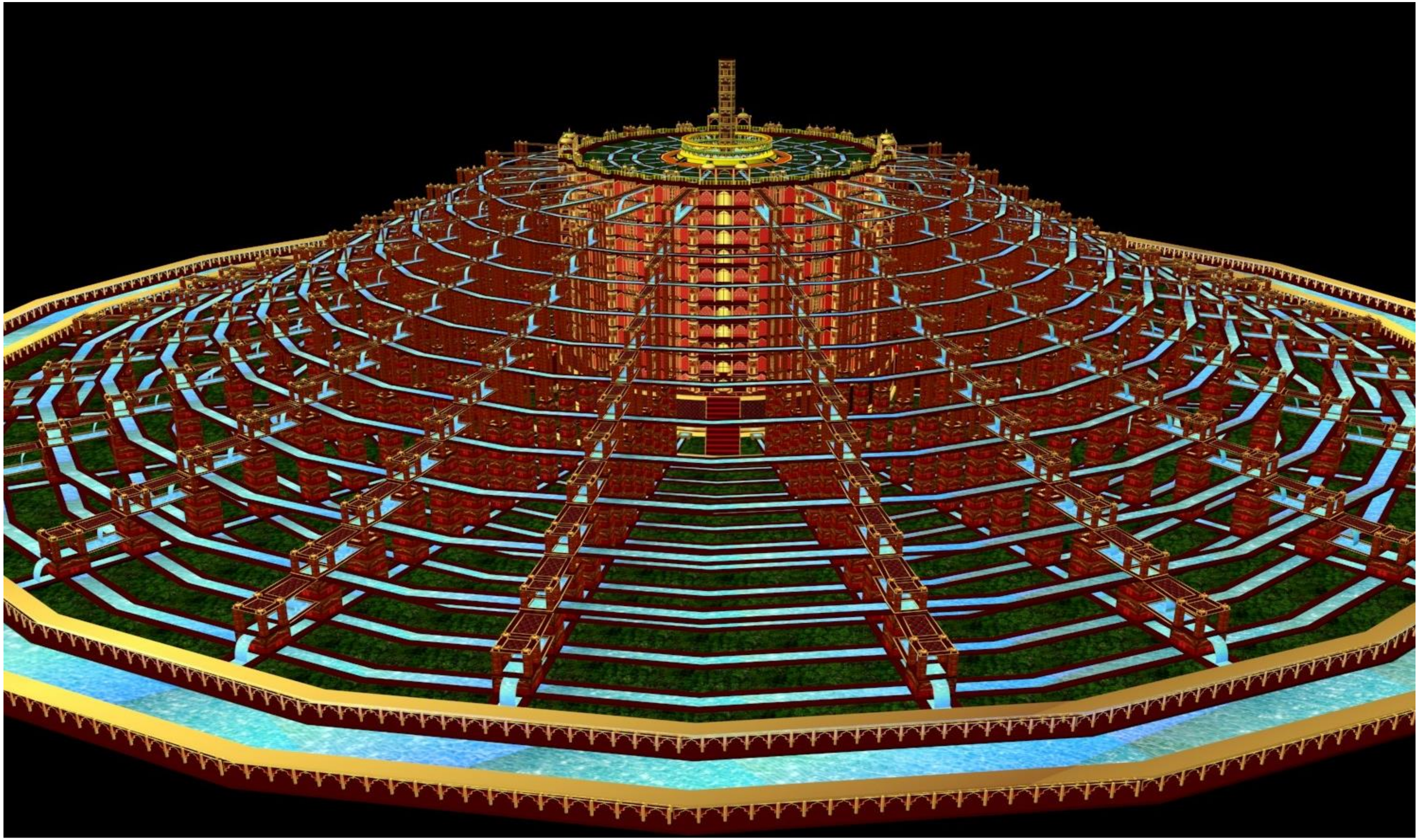

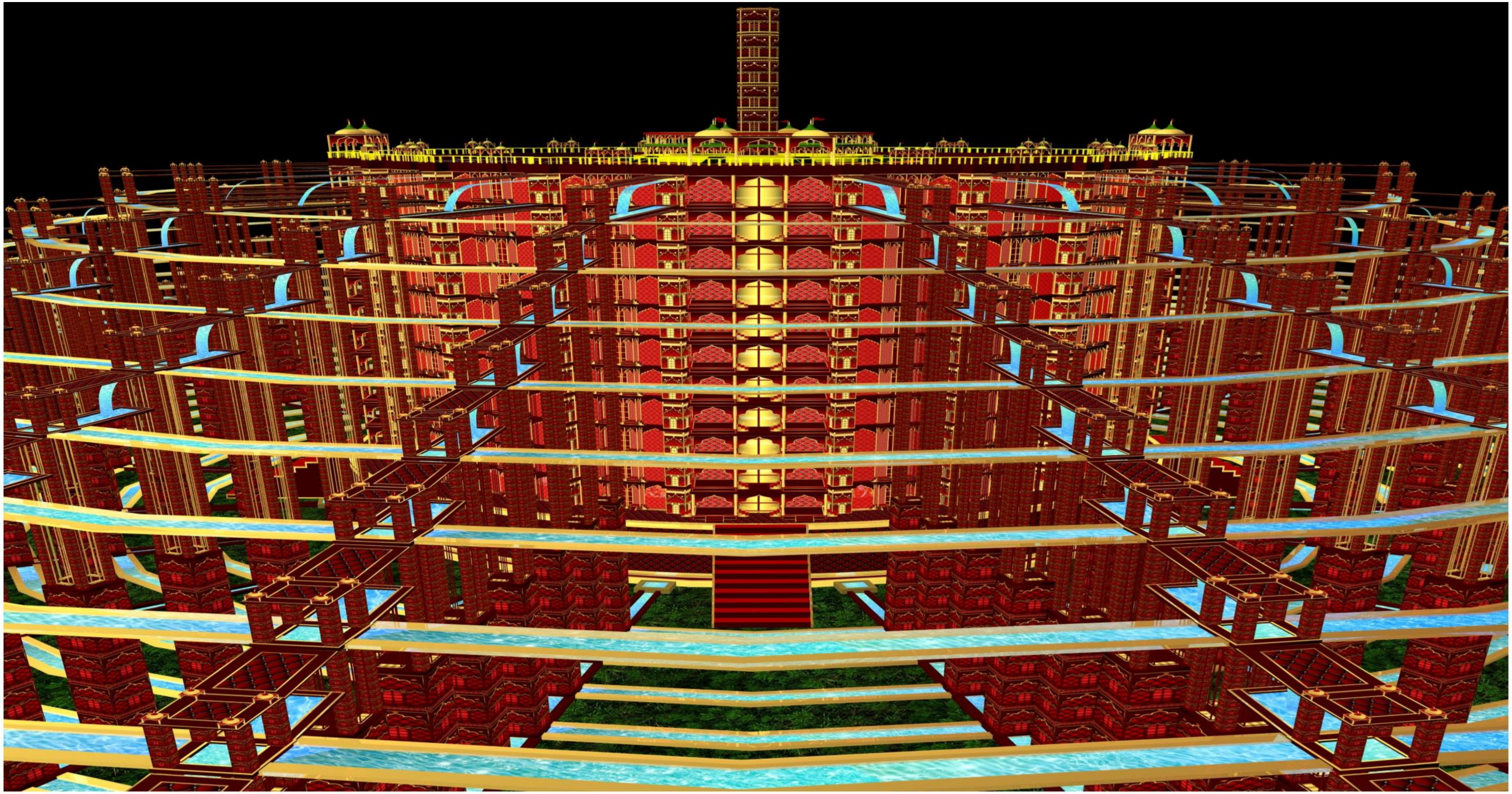

माणिक पहाड़ - जमीन पर के बगीचे , नहेरें & हिण्डोले की शोभा

माणिक पहाड़ - जमीन पर के बगीचे , नहेरें & हिण्डोले की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

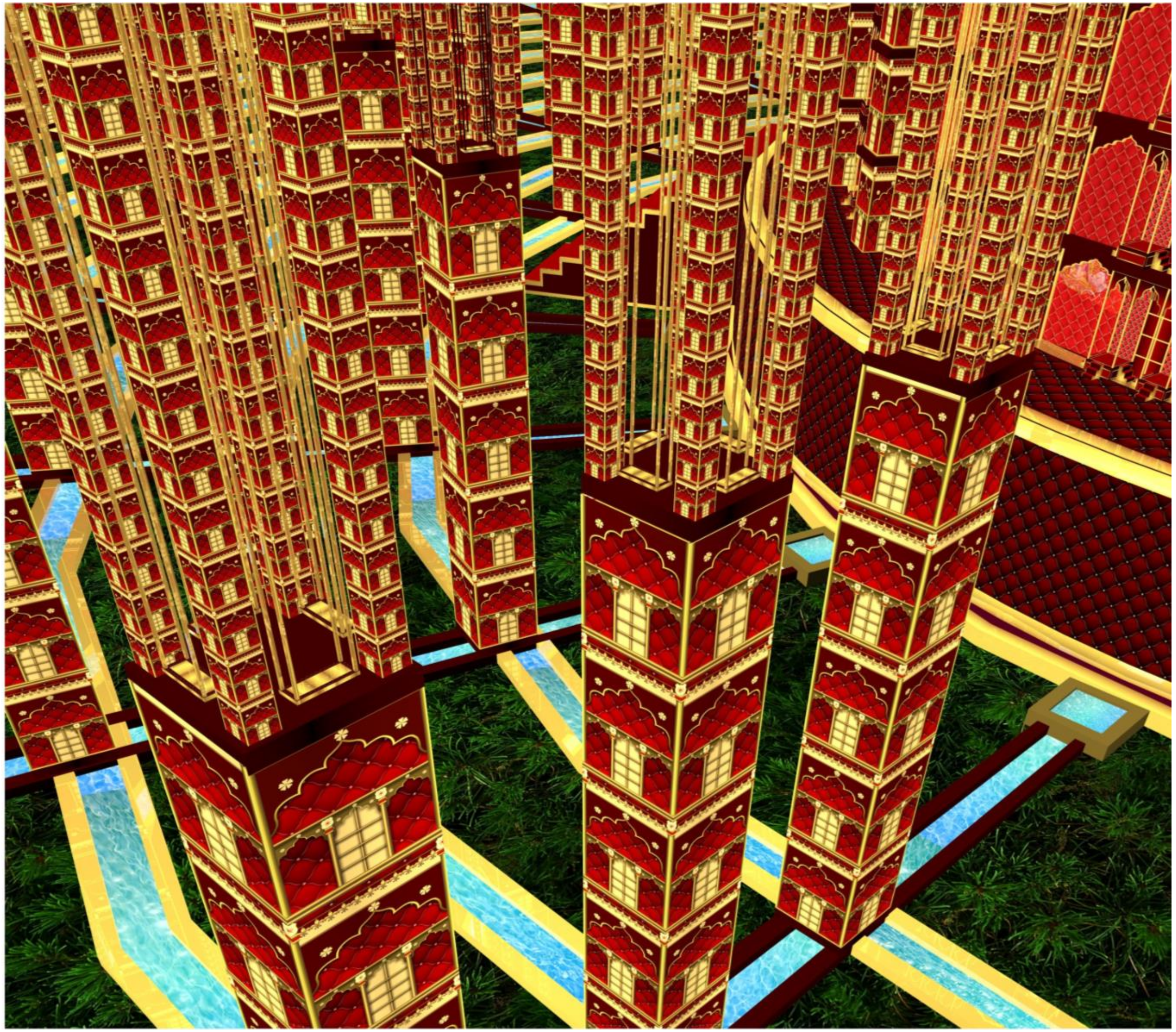

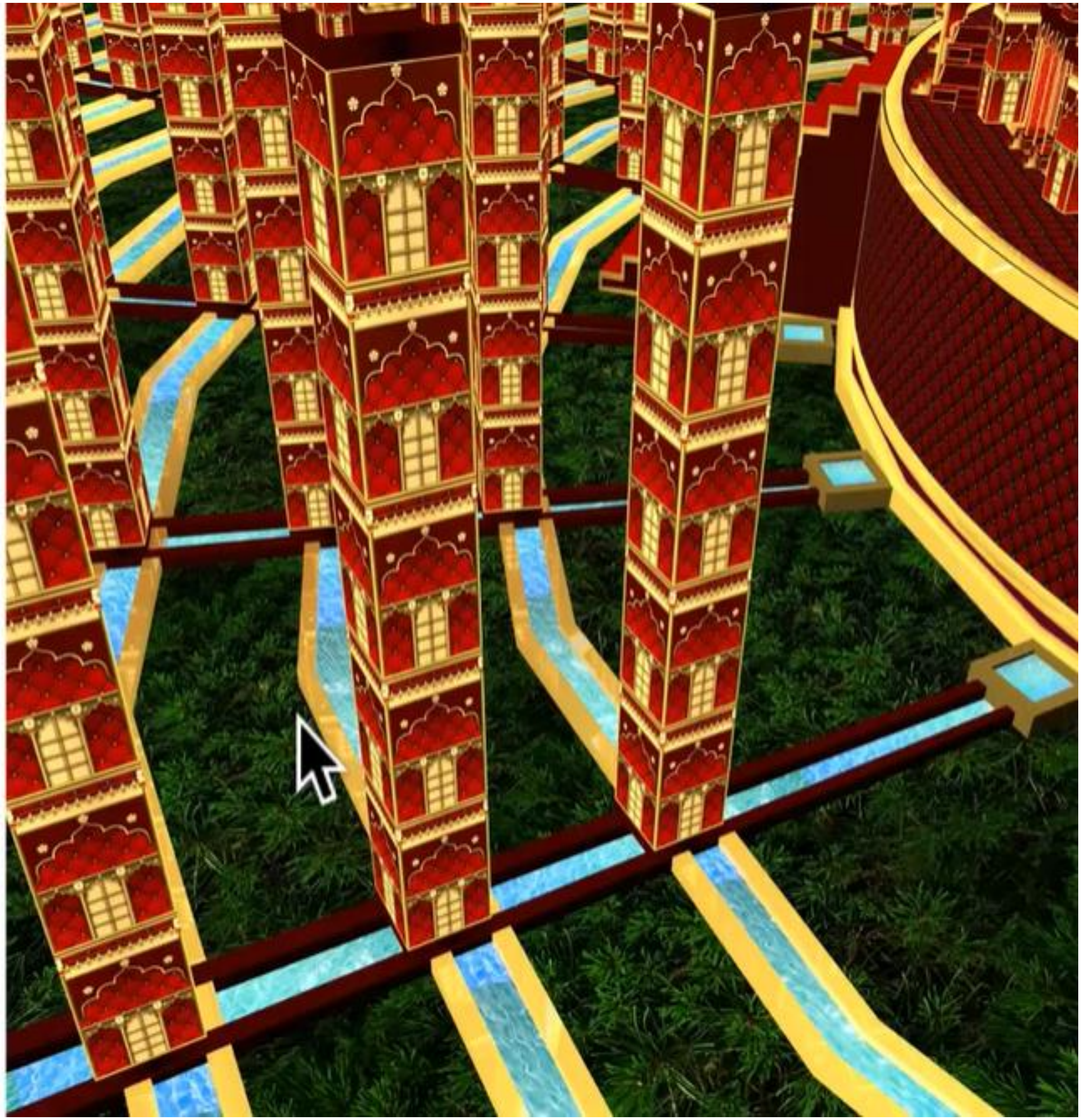

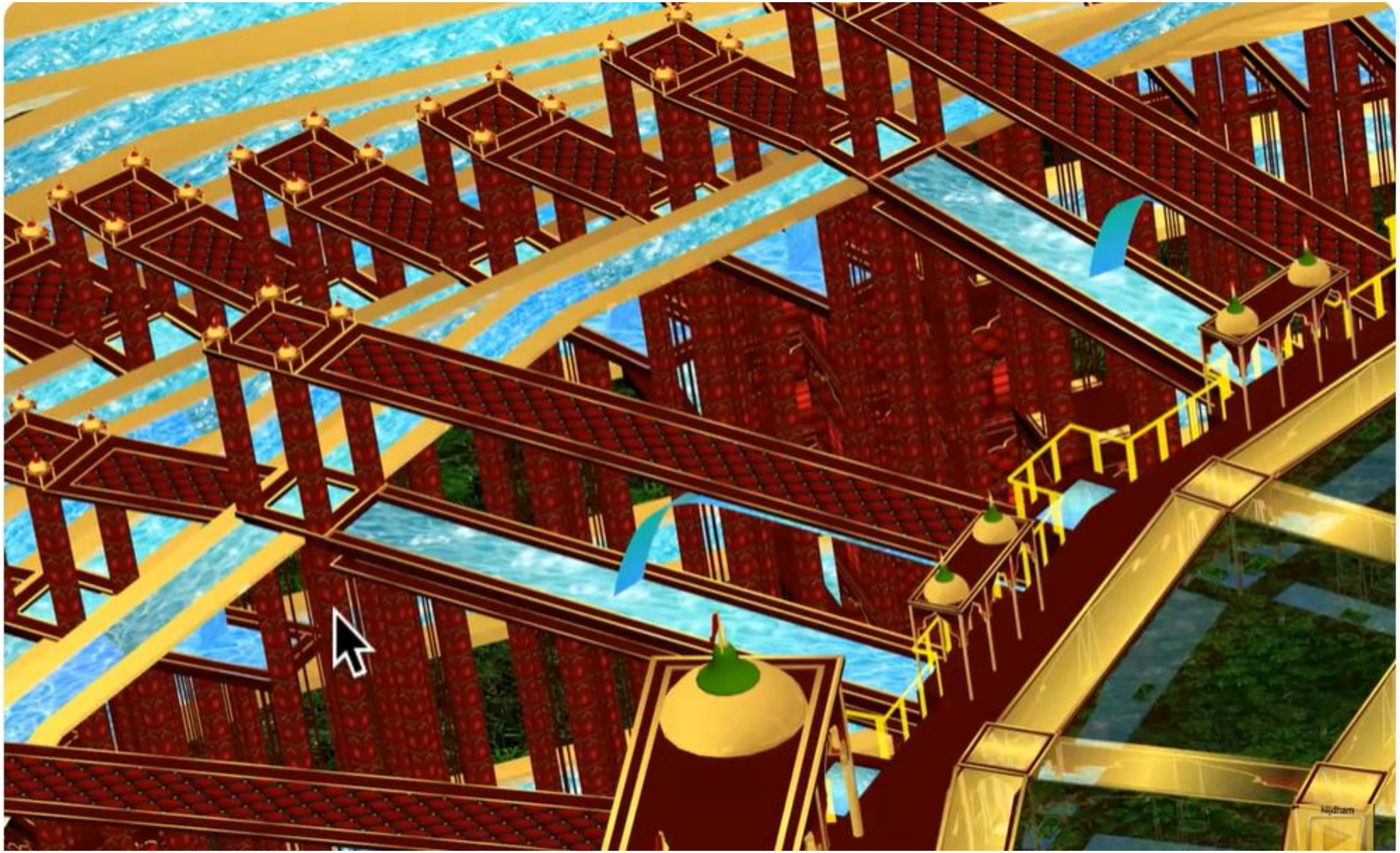

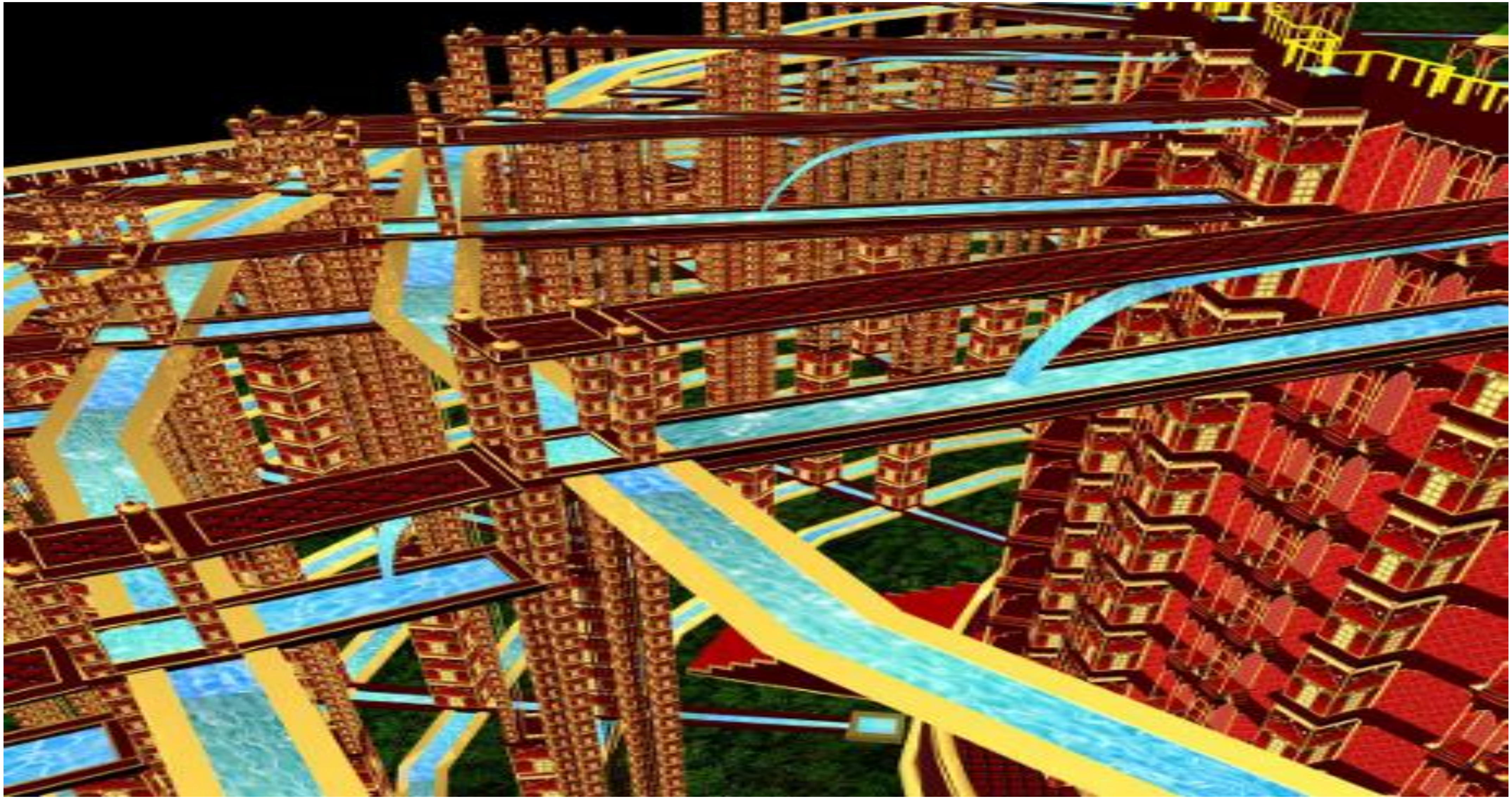

छठी चांदनी सें
कोनों के महल
महाबिलंद
हिण्डोले
ताल के महल

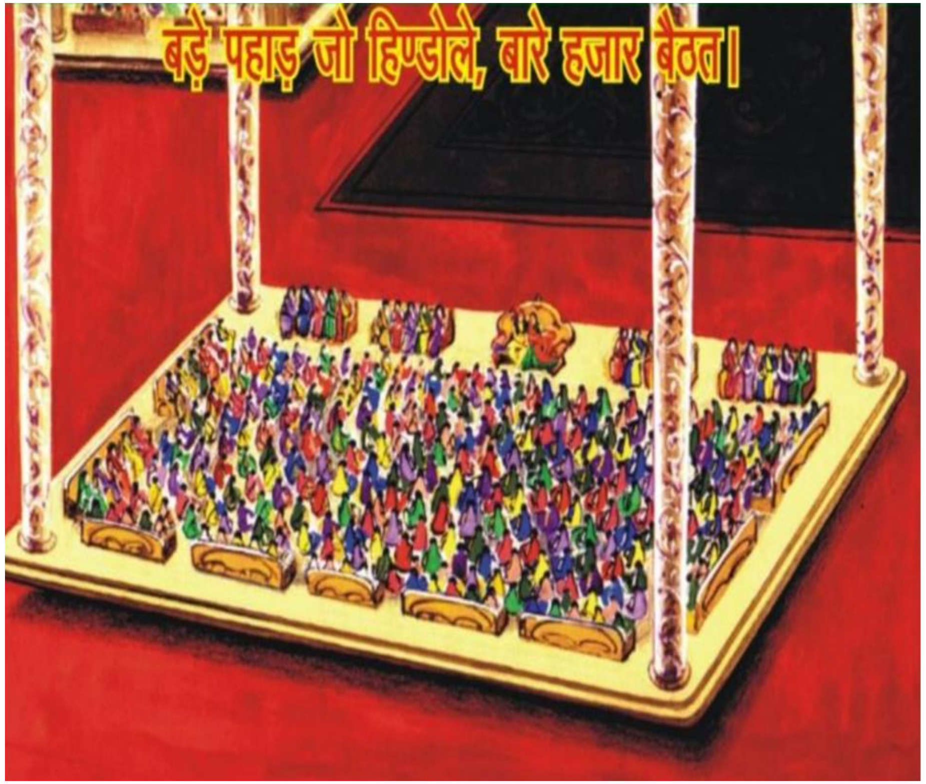
बड़े पहाड़ जो हिण्डोले, बारे हजार बैठत।

माणिक पहाड़ - जमीन पर के बगीचे , नहेरें & हिण्डोले की शोभा

महानद की गृद 7 करोड़ 20 लाख कोस का है।
इसी महानद से 12000तालाबों की 12000हारें आई है,जो माणिक पहाड़ तक गई है,

पाल पर दहलान
व हिण्डोले
महानद
पाल पर दहलान
व हिण्डोले

माणिक पहाड़ - जमीन पर की बगीचे , नहरें & महानदी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

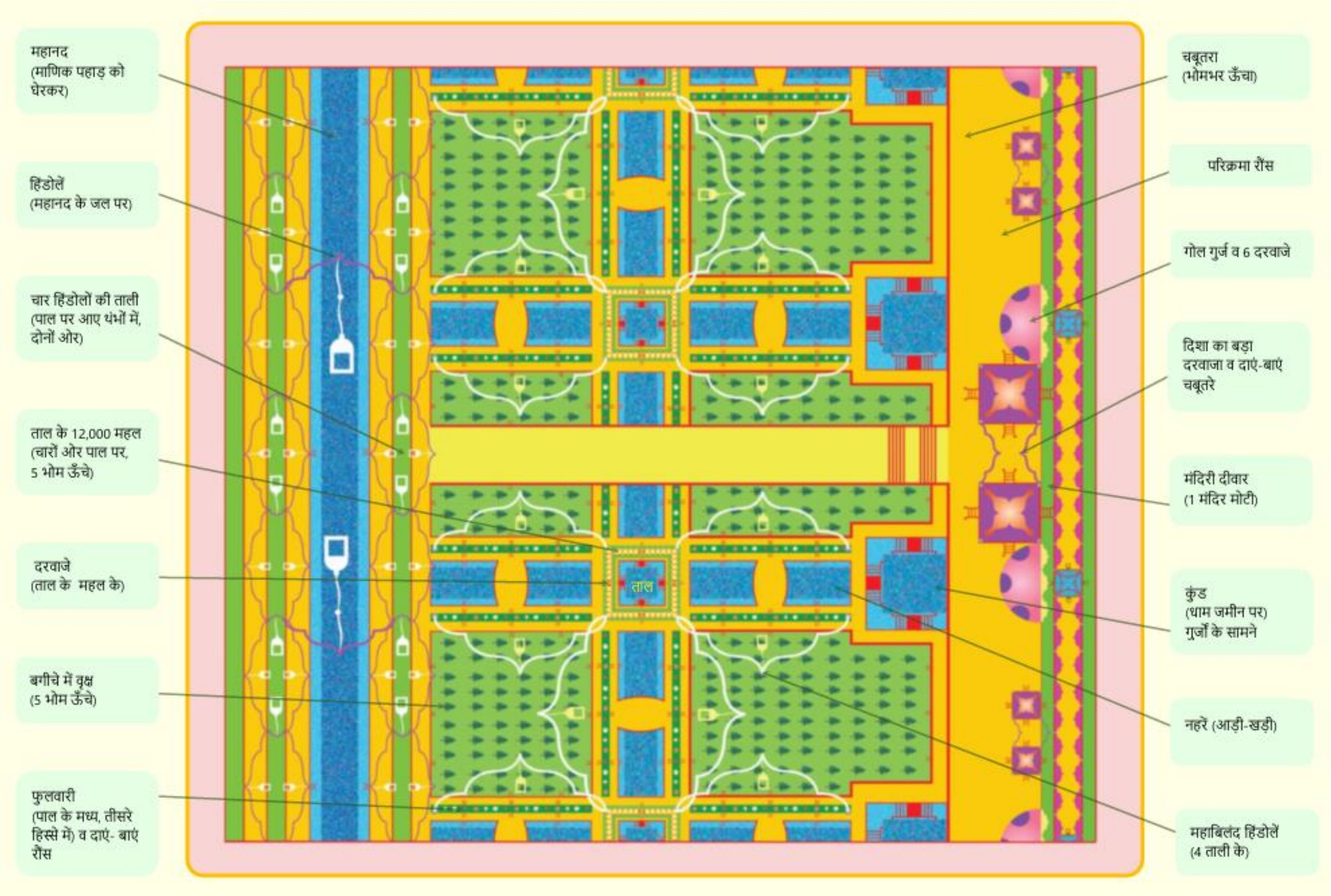

माणिक पहाड़ - जमीन पर की महानदी की शोभा

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

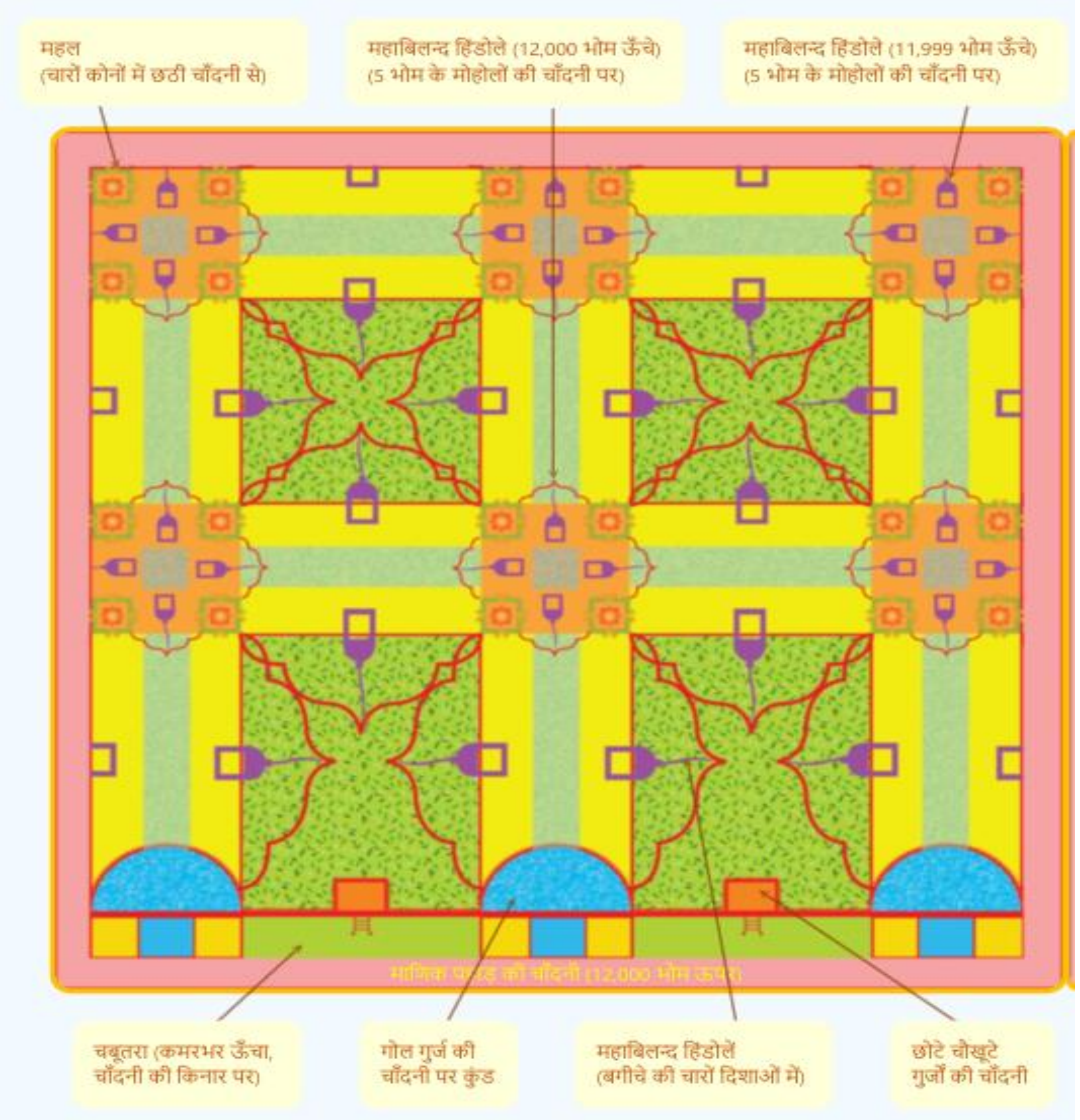

5 भोंम ऊपर ताल के महलो की चाँदनी पर हिण्डोले

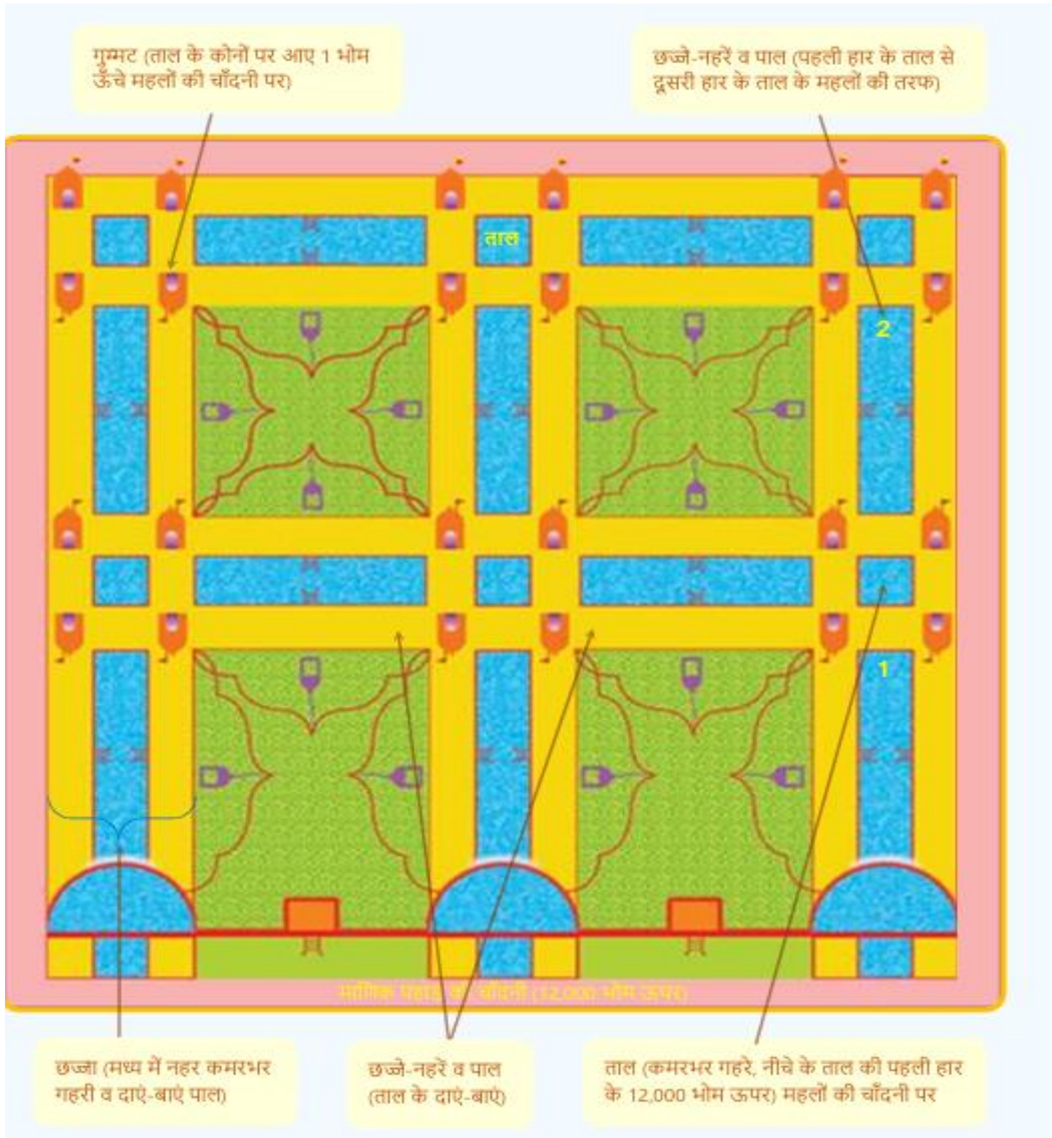

12000 भोंम ऊपर ताल के महलो की चाँदनी पर हिण्डोले

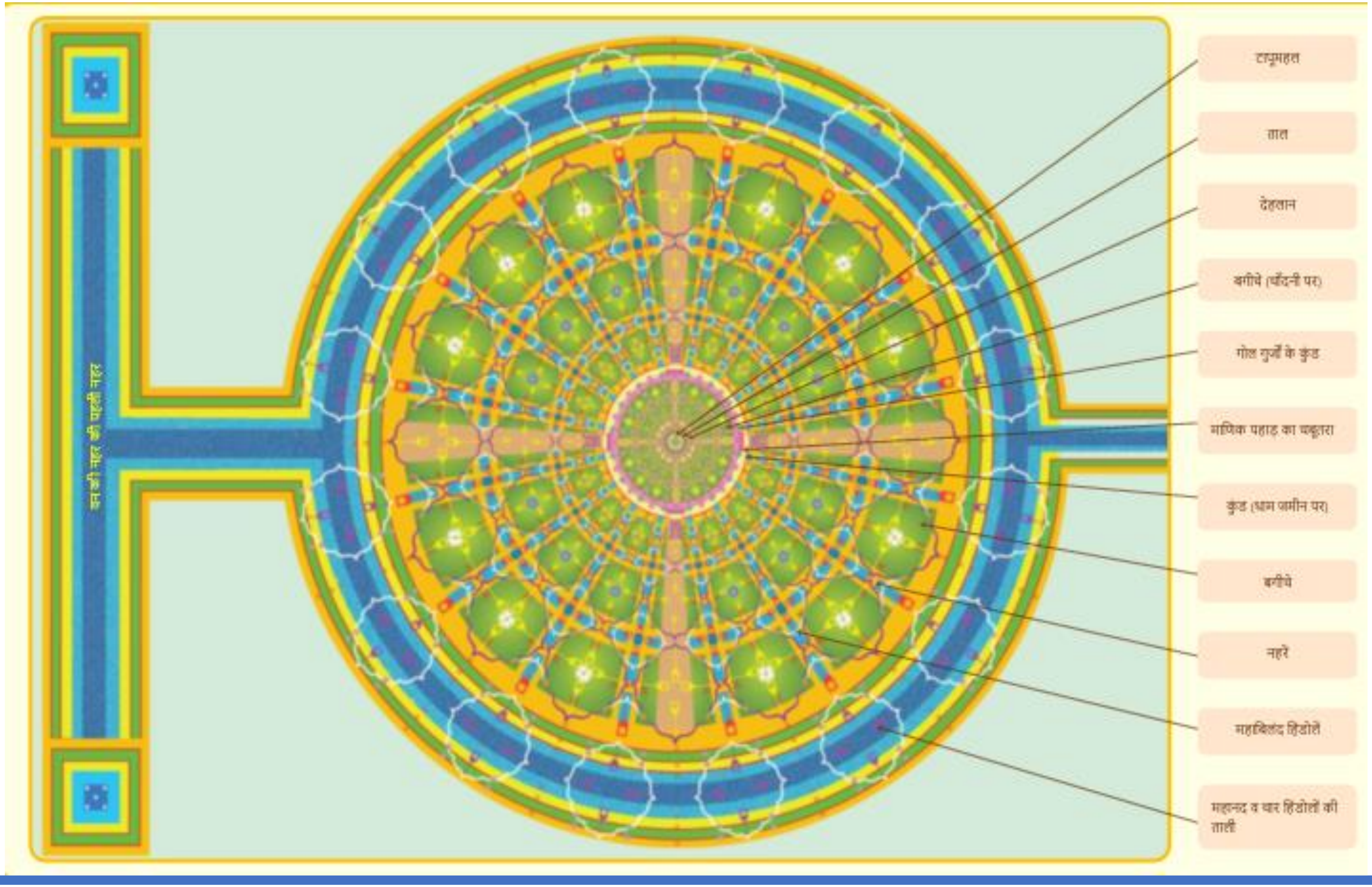
टापूमहल
ताल
देहलान
बगीचे (चाँदनी पर)
गोल गुर्जों के कुंड
माणिक पहाड़ का चबूतरा
कुंड (धाम जमीन पर)
बगीचे
नहरें
महाबिलंद हिंडोले
महानद व चार हिंडोलों की ताली

माणिक पहाड़ - हद की शोभा , बड़ोंवन , मधुवन & महावन

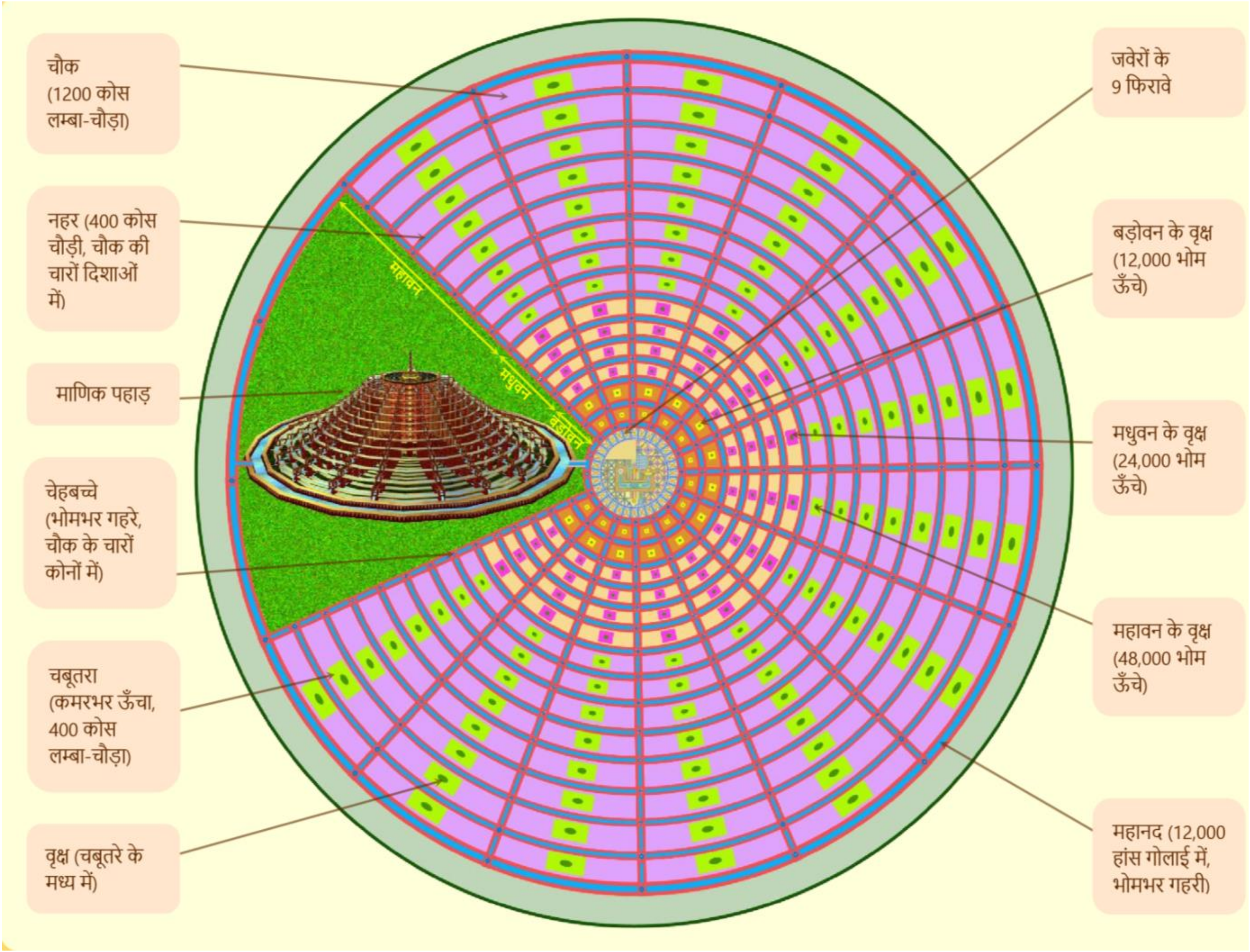

माणिक पहाड़ की लीला

कहे बारे हजार मोहोल फिरते, कही हुकमें तिनकी बात ।
तिन हर मोहोलों बीच बीच में, बारे बारे हजार मोहोलात ॥२०॥

अटक रहे थे इतहीं, बीच आवने मोमिनों दिल ।
इन अर्स रूहों वास्ते एता कह्या, विचार करें सब मिल ॥२१॥

जो मोमिन किए हकें बेसक, सो लेंगे दिल विचार ।
अर्स दिल एही मोमिनों, तो ल्याए बीच सुमार ॥२२॥

आगे आए मिली इत नदियां, चक्राव ज्यों पानी चलत ।
तिन पीछे नदियां मोहोल बन की, जाए सागरों बीच मिलत ॥२३॥

क्यों कर कहूं मैं पौरियां, और क्यों कर कहूं झरोखे ।
देख देख मैं देखिया, न आवे गिनती में ए ॥२४॥

मैं गिरद कही चौरस कही, पर कई हर भांत हवेली ।
जाके आवें ना मोहोल सुमार में, तो क्यों जाए गिनी पौरी ॥२५॥

जब हक याद जो आवहीं, तब रूह देख्या चाहे नजर ।
दिल अर्स मार्या इन घाव से, सो ए मुरदा सहे क्यों कर ॥२६॥

देखो महामत मोमिनों जागते, जो हक इलमें दिए जगाएँ ।
करे सो बातें हक अर्स की, तूं पी इस्क तिनों पिलाएँ ॥२७॥

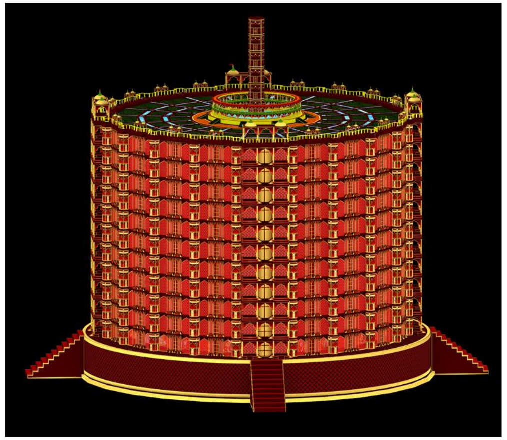

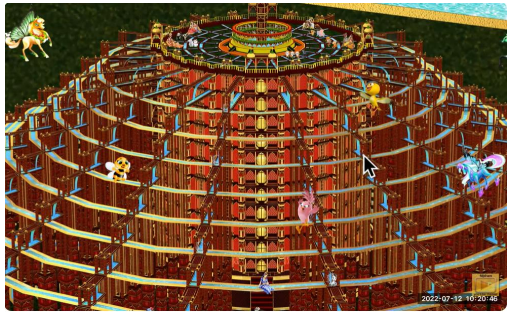

पहाड़ मानिक मोहोल कई, यों पहाड़ मोहोल अनेक ।
सब अपार अलेखे इन जिमी, कहां लो कहूं विवेक ॥१॥

बड़े पहाड़ जो हिंडोले, बारे हजार बैठत ।
एके छप्पर खटके, हक हादी साथ हींचत ॥२॥

अनेक पहाड़ कई हिंडोले, जुदी जुदी कई जुगत ।
जो सुख हिंडोले पहाड़ के, जुबां कर ना सके सिफत ॥३॥

कई हिंडोले पहाड़ में, ऊपर से ढांपेल ।
सुख लेवें कई विध के, रूहें करें कई खेल ॥४॥

कई सुख लें मीठे पहाड़ के, कई विध हींचे हिंडोले ।
कई सुख हिंडोले बाहेर, बीच पहाड़ के खुले ॥५॥

एक जरा इन जिमी का, जोत न माए आसमान ।
जोत जवेरों पहाड़ों की, इत कहा कहे जुबान ॥६॥

कई मोहोल पहाड़ों मिने, कई मोहोल पहाड़ों ऊपर ।
जो बन पहाड़ या जिमिएं, सो इन जुबां कहूं क्यों कर ।।९।।
ना सुख कहे जाएं जिमी के, ना सुख कहे जाएं बन ।
ना सुख कहे जाएं मोहोलों के, ना सुख कहे जाएं पहाड़न ।।१०।।
कई पहाड़ झिरने झिरें, कई ऊपर नेहेरें चली जाएं ।
कई उतरें ऊपर से चादरें, कई तालों बीच आए समाए ।।११।।
नेहेरें बन में होए चलीं, सो नेहेरें कई मिलत ।
आगूं आए मोहोल बन के, इत चली कई जुगत ।।१२।।
ए सुख हमारे कहां गए, ए जो खेल होत दिन रात ।
हक के साथ हम सब रूहें, हँस हँस करती बात ।।१३।।

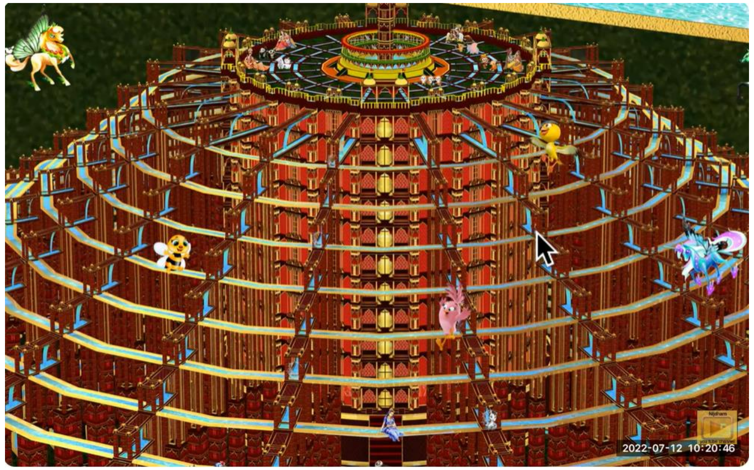

माणिक पहाड़ - महाबिलंद हिण्डोले की लीला

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

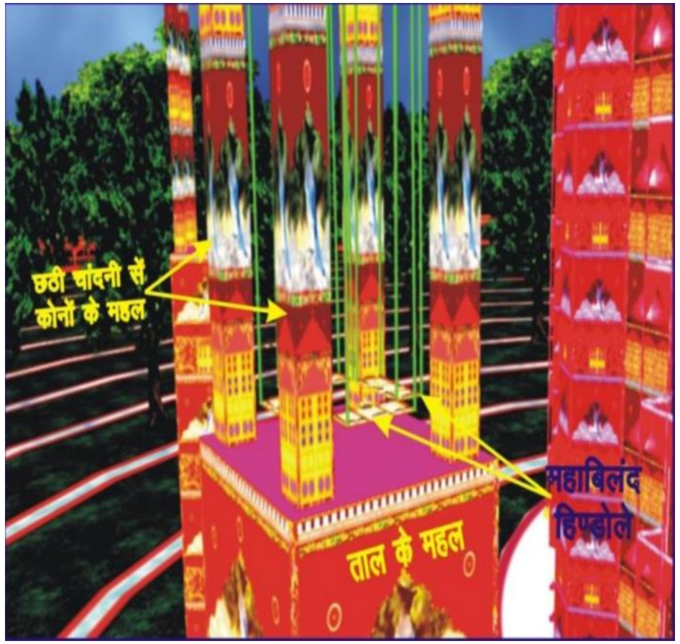

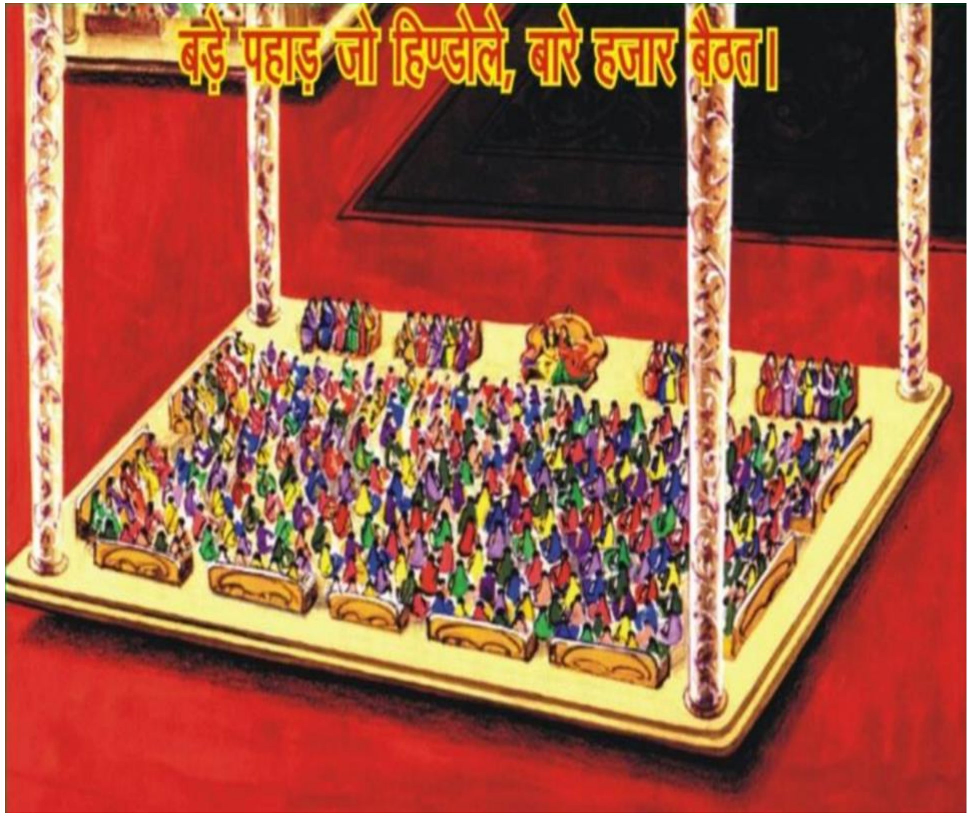

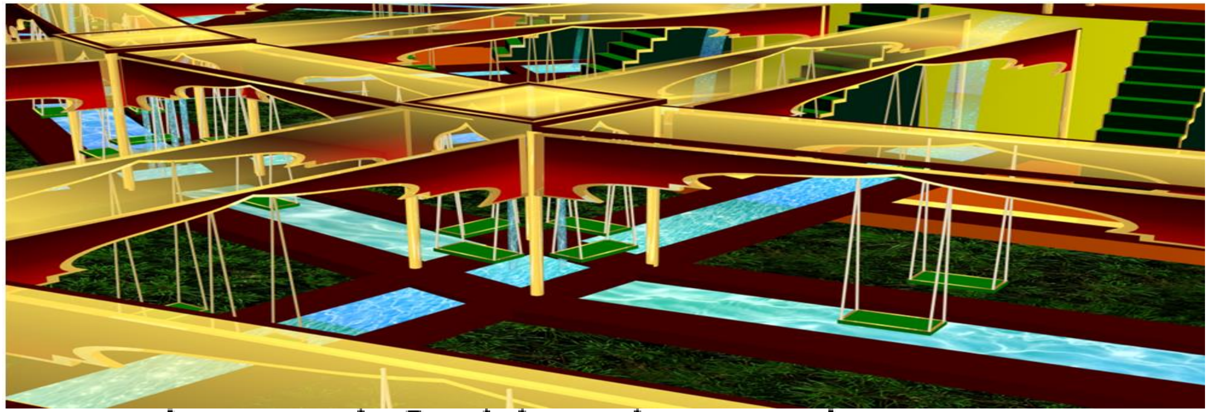

बड़े पहाड़ जो हिण्डोले , बारे हजार बैठत ।
एकै छप्पर खट के , हक हादी साथ हींचत ।।

बड़े पहाड़ जो हिंडोले, बारे हजार बैठत ।
एकै छप्पर खटके, हक हादी साथ हींचत ।।२।।
अनेक पहाड़ कई हिंडोले, जुदी जुदी कई जुगत ।
जो सुख हिंडोले पहाड़ के, जुबां कर ना सके सिफत ।।३।।
कई हिंडोले पहाड़ में, ऊपर से ढांपेल ।
सुख लेवें कई विध के, रूहें करें कई खेल ।।४।।
कई सुख लें मीठे पहाड़ के, कई विध हींचे हिंडोले ।
कई सुख हिंडोले बाहेर, बीच पहाड़ के खुले ।।५।।

रंगमोहल दक्षीण दिशा की शोभा – माणिक पहाड़

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

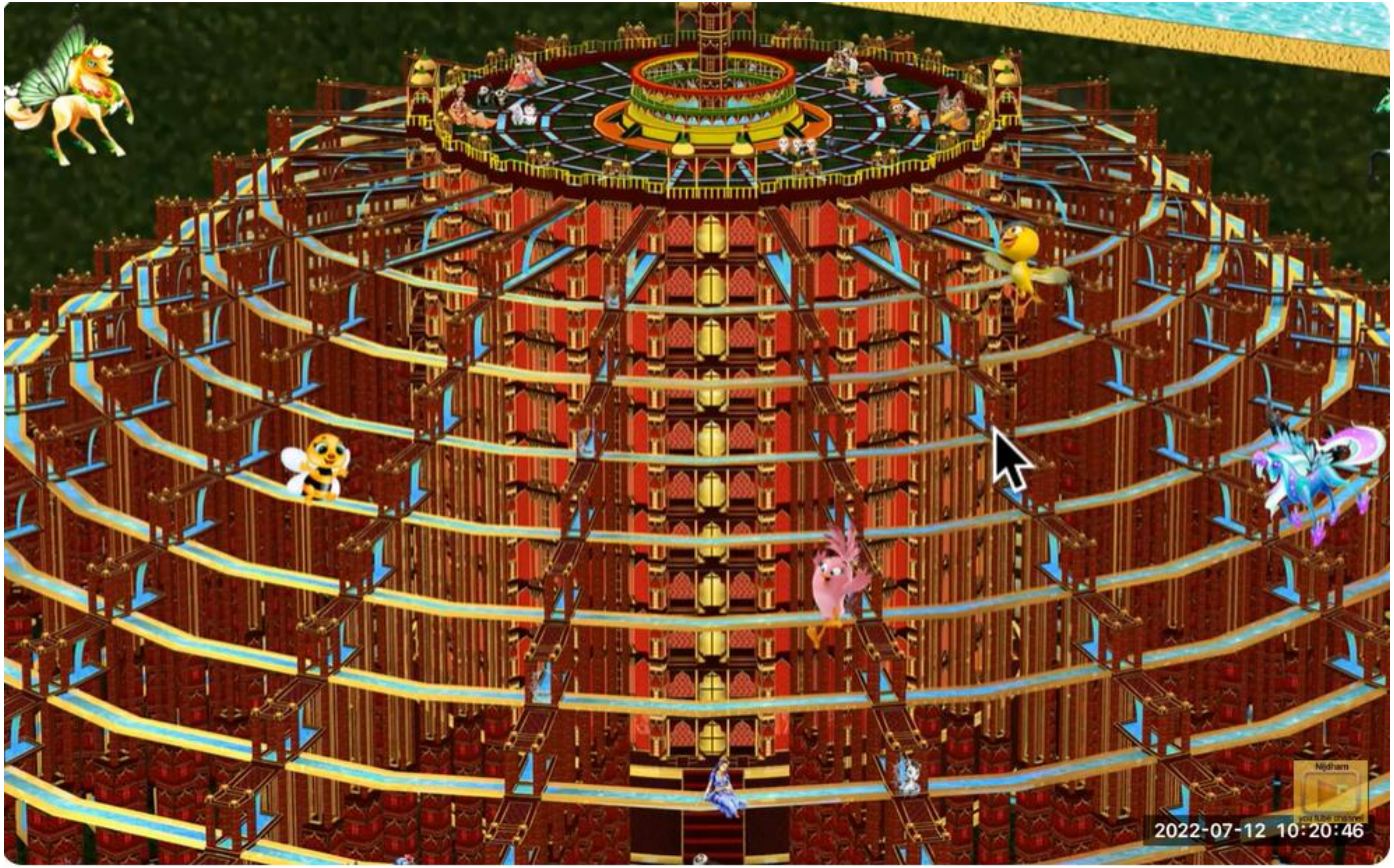

Sahoor

OR

Quiz